@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

सोमवार, 23 मार्च 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 137 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पश्चिम एशिया संकट पर पीएम मोदी की अहम बैठक

अमित शाह समेत पेट्रोलियम मंत्री भी शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और युद्ध की बीच प्रधानमंत्री मोदी एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक करीब साढ़े तीन घंटे तक चली। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य ऊर्जा संकट से निपटना और भारत में तेल, गैस और उर्वरक की सप्लाई आपूर्ति सुनिश्चित करना है। इस बैठक में अमित शाह राजनाथ समेत पेट्रोलियम मंत्री भी शामिल रहे। सूत्रों के मुताबिक, मंत्रालय के कई वरिष्ठ अधिकारी भी इस बैठक में शामिल हुए। बैठक में प्रधानमंत्री ने वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों के साथ कच्चे तेल, गैस और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों की स्थिति की समीक्षा हो सकती है। साथ ही बिजली और उर्वरक सेक्टर की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। सरकार का फोकस साफ था कि देश में सप्लाई चेन बनी रहे

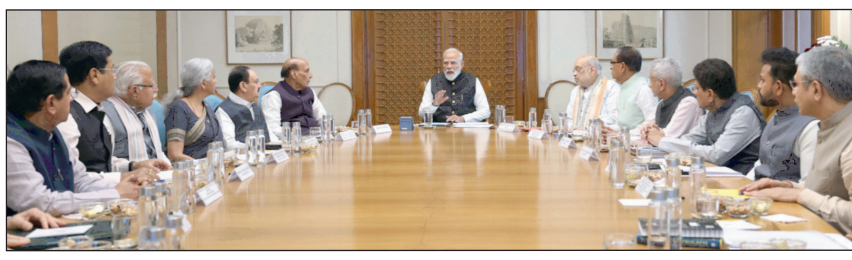

और आम लोगों व उद्योगों पर इसका असर कम से कम पड़े।

कौन-कौन बैठक में शामिल?

इस अहम बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री एस जयशंकर और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी समेत कई बड़े नेता शामिल हुए। इसके अलावा सूत्रों के मुताबिक राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों की स्थिति पर जानकारी दी। सरकार ने साफ किया है कि वह ऊर्जा सप्लाई को स्थिर रखने के लिए लगातार कदम उठा रही है। लॉजिस्टिक्स को मजबूत किया जा रहा है और वितरण व्यवस्था को बेहतर बनाया जा रहा है। साथ ही कालाबाजारी रोकने और जरूरी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भी निगरानी बढ़ा दी गई है।

विश्व जल दिवस पर जल जीवन मिशन 2.0 के दिशा-निर्देश जारी

• 'जल संचय से जन भागीदारी' को मिला बल

एजेंसी

नई दिल्ली। जल शक्ति मंत्रालय के तहत पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) ने रविवार को विश्व जल दिवस के अवसर पर आयोजित जल महोत्सव 2026 के समापन पर जल जीवन मिशन (जेजेएम) 2.0 के संचालन दिशा-निर्देश जारी किए।

इस अवसर पर पांच राज्यों के पांच गांवों के प्रतिनिधियों के साथ 'सुजल ग्राम संवाद' का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीण स्तर पर जल प्रबंधन के अनुभव साझा किए गए। कार्यक्रम में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल और राज्य मंत्री वी. सोमन्ना वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। जल महोत्सव 2026 का आयोजन 8 मार्च से 22 मार्च तक 15 दिनों के राष्ट्रव्यापी अभियान के रूप में किया गया, जिसमें 'जल अर्पण' और जनभागीदारी के जरिए जल संरक्षण को बढ़ावा दिया गया। केंद्रीय मंत्री पटेल ने कहा कि जल जीवन मिशन केवल नल कनेक्शन

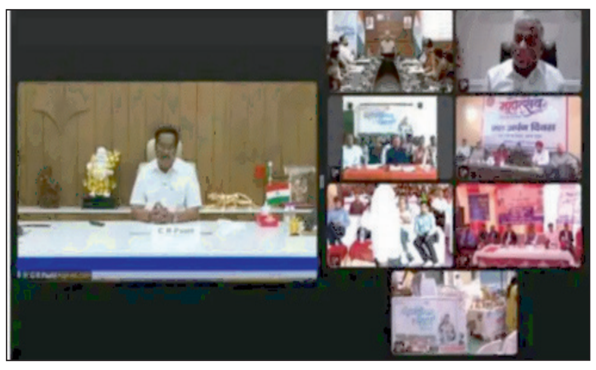

देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण भारत में विशेषकर महिलाओं और बच्चों के जीवन में सुधार लाने वाला अभियान है। उन्होंने बताया कि मिशन के दूसरे चरण में अब टिकाऊपन, कार्यक्षमता और सेवा की गुणवत्ता पर जोर दिया जाएगा, ताकि हर ग्रामीण परिवार को नियमित, पर्याप्त और सुरक्षित पेयजल दीर्घकाल तक मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने के लिए 'जल उत्सव' और 'नदी उत्सव' जैसे कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जा रहा है।राज्य मंत्री सोमन्ना ने कहा कि जल महोत्सव 2026 ने जनभागीदारी को मजबूत करते हुए इसे एक राष्ट्रीय अभियान का रूप दिया है।

कर्नाटक उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने दोनों उम्मीदवारों के नाम घोषित किए

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कर्नाटक में होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए दो उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उम्मीदवारों के नामों को

मंजूरी दी है। पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि पार्टी ने बागलकोट (24) विधानसभा सीट से उमेश मेटी को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, दावणगेरे साउथ (107) सीट से समर्थ मल्लिकार्जुन को टिकट दिया है। कर्नाटक में इन दोनों सीटों पर 9 अप्रैल को उपचुनाव प्रस्तावित हैं।

सैन्य प्रदर्शन में भारतीय सेना की खड़गा कोर ने दिखाया कौशल

• सैनिकों ने आधुनिक उपकरणों और सुनियोजित रणनीति के साथ नहर को पार किया

एजेंसी

जोधपुर। इंडियन आर्मी की खड़ग़ा कोर ने एक्सरसाइज जल विजय के तहत राजस्थान के रेगिस्थान में इंदिरा गांधी नहर के जल क्षेत्र में अपनी युद्धक क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इस दौरान फाइटिंग फॉर्मेशन ने पानी जैसी चुनौतीपूर्ण बाधा को पार करते हुए तेज गति और सटीक रणनीति का बेहतरीन परिचय दिया।

जानकारी के अनुसार अभ्यास का मुख्य उद्देश्य जल अवरोधों को पार करने की रणनीतियों को परखना और युद्ध जैसी परिस्थितियों में तेज़ी से आगे बढ़ने की क्षमता को सुनिश्चित करना था। सैनिकों ने आधुनिक उपकरणों और सुनियोजित रणनीति के साथ नहर को पार किया, जिससे उनकी तकनीकी दक्षता और तालमेल साफ नजर आया। इस

दौरान खड़गा कोर ने अपनी उभयचर क्षमता का भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। यह क्षमता सेना को रेगिस्तानी और जलयुक्त दोनों तरह के इलाकों में प्रभावी ढंग से ऑपरेशन करने में सक्षम बनाती है। अभ्यास के जरिए यह साबित हुआ कि सेना हर प्रकार के भू-भाग में समान रूप से दक्ष है।

केसी त्यागी रालोद में शामिल

कहा-अभी भी करते हैं नीतीश का सम्मान

एजेंसी

नई दिल्ली। जनता दल (यूनाइटेड) से हाल ही में त्यागपत्र देने वाले वरिष्ठ नेता के.सी. त्यागी रविवार को राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) में शामिल हो गए। केन्द्रीय मंत्री व रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने उन्हें औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल कराया।

केसी त्यागी ने साल 2003 में समता पार्टी से होते हुए जद (यू) में कई वरिष्ठ पदों की जिम्मेदारी संभाली थी। वे जद (यू) के मुख्य महासचिव, मुख्य प्रवक्ता और राजनीतिक सलाहकार रहे। माना जा रहा है कि नीतीश कुमार के बिहार के मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र देकर राज्यसभा सदस्य के रूप में केन्द्र में शामिल होने के चलते उन्होंने जद (यू) से किनारा किया। हालांकि उन्होंने जद (यू) छोड़ने का कोई कारण नहीं बताया।

रालोद में शामिल होने के बाद भी उन्होंने जद (यू) के प्रति कोई नकारात्मक टिप्पणी नहीं की। उन्होंने कहा कि वे नीतीश कुमार

का पूरा सम्मान करते हैं। जद (यू) और रालोद में समानता है। दोनों ही दल चौधरी चरण सिंह, कर्पूरी ठाकुर और राममनोहर लोहिया के विचारों से प्रभावित हैं और उनके आदर्श हैं।

एयरफोर्स स्टेशन पर जासूसी का खुलासा

• पाकिस्तान हैंडलर्स को सूचनाएं देने वाला एयरपोर्ट कर्मी गिरफ्तार

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान इंटेलिजेंस ने असम के एयरफोर्स स्टेशन छबुआ से जासूसी के आरोप में एक सिविलकर्मी को गिरफ्तार कर एक सक्रिय एक बड़े जासूसी नेटवर्क का खुलासा किया है। गिरफ्तार व्यक्ति पर भारतीय वायुसेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां पाकिस्तान के हैंडलर्स तक पहुंचाने का आरोप है। रविवार को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक इंटेलीजेंस प्रफुल्ल कुमार ने यहां बताया कि इस पूरे मामले की शुरुआत जनवरी 2026 में जैसलमेर निवासी झबराराम की गिरफ्तारी से हुई थी। उससे पूछताछ और अनुसंधान के दौरान एक अन्य संदिग्ध सुमित कुमार का नाम सामने आया, जो लगातार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों के संपर्क में था। उन्होंने बताया कि जांच में सामने

आया कि आरोपित सुमित कुमार (36) पुत्र बेनी माधव निवासी लाहुरपार प्रयागराज उत्तर प्रदेश निवासी वर्तमान में एयरफोर्स स्टेशन छबुआ, डिब्रूगढ़ असम में एमटीएस के पद पर कार्यरत था। वह अपने पद का दुरुपयोग करते हुए एयरफोर्स स्टेशन से जुड़ी गोपनीय सूचनाएं एकत्रित करता और सोशल मीडिया के जरिए पाक हैंडलर्स तक पहुंचाता था।

भारी बर्फबारी के बीच केदारनाथ धाम में सुरक्षा कड़ी

शून्य से नीचे तापमान में मुस्तैद जवान

एजेंसी

रुद्रप्रयाग। विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग केदारनाथ धाम में हालिया भारी बर्फबारी के बाद पूरी केदार घाटी बर्फ की मोटी चादर से ढक गई है, जिससे धाम का दृश्य अत्यंत मनोहारी हो गया है।

प्रशासन की ओर से रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सुरक्षा बल हर संभावित स्थिति से निपटने के लिए अलर्ट मोड में हैं और धाम क्षेत्र में गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। शून्य से नीचे तापमान के बावजूद उत्तराखंड पुलिस और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार तैनात हैं। प्रशासन के अनुसार,सुरक्षा एजेंसियां बर्फबारी के बीच भी नियमित गश्त कर रही हैं और धाम परिसर की सुरक्षा को अभेद्य बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विषम परिस्थितियों के बावजूद जवान उच्च सतर्कता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। इसके साथ ही जवान अपने बैरकों और आसपास जमी बर्फ को स्वयं साफ कर कार्यप्रणाली को सुचारू बनाए हुए हैं, जिससे कठिन मौसम के बीच भी संचालन प्रभावित न हो। केदारनाथ धाम में तैनात यह संयुक्त सुरक्षा बल न केवल कानून व्यवस्था, बल्कि मौसम के कारण उत्पन्न होने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए भी हर समय तैयार है। जवानों का उच्च मनोबल 'मित्रता, सेवा और सुरक्षा' के ध्येय वाक्य को चरितार्थ कर रहा है। भारी बर्फबारी के इस दौर में भी सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट मोड पर हैं और हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी बने देश के सबसे लंबे समय तक सरकार प्रमुख रहने वाले नेता

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग को पीछे छोड़ते हुए देश में सबसे लंबे समय तक सरकार के प्रमुख रहने का रिकॉर्ड बनाया है। भारतीय जानता पार्टी आईटी डिपार्टमेंट के मुखिया अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि पवन कुमार चामलिंग ने 8,930 दिनों तक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया था। वहीं, नरेन्द्र मोदी अब मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में कुल 8,931 दिन पूरे कर चुके हैं।

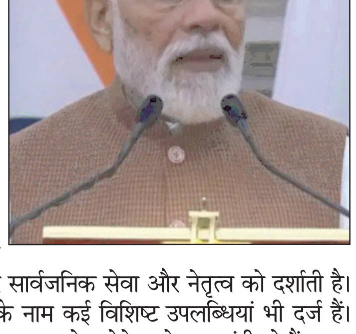

उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि दशकों तक लगातार सार्वजनिक सेवा और नेतृत्व को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नाम कई विशिष्ट उपलब्धियां भी दर्ज हैं। वह गुजरात के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले मुख्यमंत्री रहे हैं। साथ ही, वह ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिनके पास मुख्यमंत्री के रूप में सबसे लंबा अनुभव रहा है। अमित मालवीय ने कहा कि नरेन्द्र मोदी स्वतंत्रता के बाद जन्म लेने वाले पहले प्रधानमंत्री हैं। इसके अलावा, उन्होंने 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में लगातार तीन बार जीत दर्ज की है।

सत्ता में आने के लिए बहुजन समाज का एकजुट होना जरूरीः मायावती

• 'मुस्तैदी के साथ कार्य करते हुए चुनावी सफलता अर्जित करना समय की सबसे बड़ी मांग है'

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि बहुजन समाज की सुरक्षा व अस्मिता के मिशनरी उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए बहुजनों को एकजुटता जरूरी है। एकजुट रहकर मुस्तैदी के साथ कार्य करते हुए चुनावी सफलता अर्जित करना समय की सबसे बड़ी मांग है। वरना आरक्षण सहित बहुजनों के हित व कल्याण के अहम मामलों में विरोधी पार्टियों की सरकारों की कथनी व करनी में अंतर है। इनके वादे और दावों व जमीनी हकीकत में भारी अन्तर्विरोध एवं नीयत व नीति में खोट के कारण हालात बद से बदतर होते चले जायेंगे। बसपा प्रमुख रविवार को लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में बैठक की। इसमें प्रमुख रूप से मध्य प्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। बीते दिनों दिए गए कार्यों की समीक्षा में बेहतर परिणाम मिलने पर बसपा प्रमुख ने कार्यकर्ताओं की कार्यों की सरहना

की। बैठक को सम्बोधित करते हुए मायावती ने कहा कि मध्य प्रदेश, बिहार प्रदेश व छत्तीसगढ़ राज्य में बढ़ती हुई जातिवादी आपराधिक घटनाओं का संज्ञान लिया। उन्होंने कहा कि ठीक चुनाव से पहले सरकारों की ओर से दिये जाने वाले विभिन्न प्रकार के प्रलोभनों से से खुद को बचाना होगा ताकि आने वाले पांच साल उनके लिए 'अच्छे दिन' के बजाय और ज्यादा बुरे दिन न साबित हों, जैसा कि इन दोनों राज्यों का भी पिछ्ला अनुभव रहा है।

मायावती ने कहा कि दलित व ओबीसी समाज को, जो जाति के आधार पर तोड़े और पछाड़े जा रहे हैं, उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए आपसी सद्भावना व भाईचारा के आधार पर 'बहुजन समाज' की एकता से पूरी तरह से जुड़ना होगा, तभी वोट हमारा राज तम्हारा, अब और नहीं चलेगा का नारा व संकल्प सामाजिक परिवर्तन की वास्तविकता के रूप में साकार हो पायेगा।

उन्होंने कहा कि बसपा ने यूपी जैसे विशाल, महत्वपूर्ण व संवेदनशील राज्य में एक बार नहीं बल्कि अब तक चार बार अपनी 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' की नीति व सिद्धान्त पर सरकार चलाकर और सर्वसमाज के जान, माल व मज़हब के सुरक्षा की संवैधानिक गारण्टी को 'कानून द्वारा कानून का राज स्थापित करके भी दिखाया है, जो कि देश में किसी भी पार्टी की सरकार में सुनने व देखने को नहीं मिलती है। यही असली बात है बसपा की करनी में जबकि दूसरी पार्टी की सरकारों की कथनी और करनी में ईमानदारी नहीं है बल्कि उनमें भारी छलावा है। ऐसे समय में जब सत्ताधारी पार्टियां समाज व सत्ता में अपना वर्चस्व बरकरार रखने के लिए सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के साथ-साथ साम, दाम, दण्ड, भेद हर प्रकार के घिनौने हथकण्डे अपनाने पर तुली हुई हैं। खासकर दलित व ओबीसी आदि 'बहुजन समाज के हर अंग को चुनावी सफलता हासिल करने के लिये पूरे जी-जान से कमर कसना होगा, ताकि उन्हें पिछड़ने व पछाड़ने के जातिवादी व शोषणकारी व्यवस्था से 'शासक वर्ग' बनकर मुक्ति मिल सके।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जलालाबाद में 350 किलोमीटर सड़कों के नवीनीकरण का भी शिलान्यास किया

कौमी पत्रिका

फाजिल्का, 22 मार्च। पंजाब भर में विश्व स्तरीय सड़कों का विशाल नेटवर्क स्थापित करते हुए आम आदमी पार्टी की सरकार ने बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाई है, जिसके तहत पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज फाजिल्का जिले के जलालाबाद में 300 किलोमीटर नई सड़कों का शिलान्यास रखा और 350 किलोमीटर के नवीनीकरण का काम शुरू करवाया। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि पंजाब में भ्रष्टाचार की आड़ में बनने वाली घटिया-मानक वाली सड़कों के निर्माण का युग अब खत्म हो चुका है। आज के सड़क परियोजना को पंजाब भर में बनाए जा रहे 43,000 किलोमीटर के विशाल सड़क नेटवर्क का हिस्सा बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा कि सख्त जवाबदेही के साथ सड़कें अच्छी बनेंगी, भूमिगत तारों के माध्यम से बिजली के खंभे हटाने की योजनाओं का ऐलान किया और विश्वास जताया कि वोटर फिर फतवा देकर सरकार को वापस लाएंगे। रैली को संबोधित करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पिछले चार सालों में राज्य सरकार ने पारंपरिक पार्टियों के 70 सालों के कार्यकाल से ज्यादा काम किया है। राज्य सरकार तेज गति से आगे बढ़ रही है और वर्ष 2027 में राज्य इस विकास को अगले स्तर पर ले जाएगा। यह विकास आम आदमी की भलाई को सुनिश्चित बनाने के उद्देश्य से कई लोक-कल्याणकारी नीतियों से जुड़ा हुआ है। उन्होंने आगे कहा, यह दीवार पर लिखा

पढ़ लेना चाहिए कि आम लोगों के सहयोग से आम आदमी पार्टी वर्ष 2027 में दोबारा सरकार बनाएगी। राज्य सरकार की लोक-कल्याणकारी और विकास-मुखी नीतियों के कारण हम आने वाले विधानसभा चुनावों में फिर 100 से ज्यादा सीटें जीतेंगे। लोगों द्वारा दिखाया गया भारी समर्थन इस तथ्य का प्रमाण है कि लोग पारंपरिक पार्टियों को फिर सबक सिखाने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, आप सरकार लोगों की भलाई के लिए अथक मेहनत कर रही है जबकि विपक्षी दल सत्ता में रहते हुए कारोबार से हिस्सा मांगते रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, ये नेता नशों और अपराधियों की सरपरस्ती करके राज्य को बर्बाद करना चाहते हैं जिस कारण लोगों ने उन्हें सत्ता से बेदखल किया था। अब ये सारी पंजाब-विरोधी ताकतें पंजाब को बर्बाद करने के लिए हाथ मिला चुकी हैं और समय आ गया है जब पंजाबियों को भी हाथ मिलाकर उन्हें बाहर का रास्ता दिखाना चाहिए। अकाली दल पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, अकाली दल के इस ड्रामे का असली नाम परिवार बचाओ यात्रा है। 15 साल राज्य को लूटने के बाद ये किससे पंजाब को बचाने की कोशिश कर रहे हैं? अकालियों ने राज्य को बेरहमी से लूटा है, पंजाबियों के दिलों को ठेस पहुंचाई और माफिया को सरपरस्ती दी है। उन्होंने आगे कहा, लोग अकालियों और बादल परिवार के संदिग्ध किरदार से अच्छी तरह वाकिफ हैं जिस कारण उनकी नौटंकियां अब नहीं चलेंगी। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, इन नेताओं ने राज्य में गैंगस्टरों को सरपरस्ती दी और नशा तस्करों को संरक्षण देकर नौजवानों की नसों में नशा भरा। अकाली दल ने हमेशा अपने निजी राजनीतिक हितों के लिए धर्म का दुरुपयोग किया है लेकिन इस बार लोग इनके झांसे में नहीं आएंगे। अकाली लीडरशिप राज्य के लोगों को गुमराह करने के लिए हवाई ि?ले बना रही है, लेकिन पंजाबी इस पर विश्वास नहीं करेंगे। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, कांग्रेसी नेता राज्य में सत्ता संभालने के सपने देख रहे हैं। कांग्रेस पार्टी आपसी कलह के कारण मुंह के बल गिरेगी। यह दुख की बात है कि कांग्रेस के शीर्ष नेता सत्ता के लिए लड़ रहे हैं और राज्य के लिए उनके पास कोई एजेंडा नहीं है। उनका एकमात्र उद्देश्य सत्ता संभालकर पंजाब के सरमाए को लूटना है, लेकिन उनके सपने कभी पूरे नहीं होंगे।

शेष पृष्ठ 3 पर

लिटिल इंडिया शहर पर ईरान ने मारी मिसाइल, यहां रहते हैं भारतीय मूल के यहूदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध ने शनिवार शाम एक भयावह मोड़ ले लिया जब ईरान की एक बैलिस्टिक मिसाइल दक्षिण इजराइल के शहर डिमोना पर दागी। यह शहर न केवल इजराइल के परमाणु रिएक्टर है, बल्कि अपनी विशाल भारतीय आबादी के कारण लिटिल इंडिया के नाम से भी मशहूर है। स्थानीय लोगों के मुताबिक मिसाइल एक कम्युनिटी बिल्डिंग पर गिरी, जिससे आसपास के पुराने मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए। ज्यादातर लोग समय रहते शेल्टर में पहुंच गए थे, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डिमोना की करीब 30 फीसदी आबादी भारतीय मूल के यहूदियों की है, जिनमें से ज्यादातर महाराष्ट्र के हैं। यहां क्रिकेट भी काफी लोकप्रिय है और भारतीय मिठाइयां व स्नैक्स स्थानीय बाजारों में आसानी से मिल जाते हैं। यहां की गलियों में मराठी और भारतीय स्वाद रचे-बसे हैं। हमले के बाद पूरे समुदाय में डर का माहौल है। इजराइली रक्षा बल ने स्वीकार किया है कि उनका एयर डिफेंस सिस्टम इस मिसाइल को इंटरसेप्ट करने में नाकाम रहा। ईरान ने इस हमले को अपने नतांज परमाणु केंद्र पर हुए हमले का बदला बताया है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने साफ किया है कि डिमोना स्थित परमाणु अनुसंधान केंद्र सुरक्षित है और वहां किसी नुकसान के संकेत नहीं मिले हैं।

महावीर जयंती पर गांधीनगर आएंगे पीएम मोदी, जैन संग्रहालय का कर सकते हैं उद्घाटन

अहमदाबाद (एजेंसी)। महावीर जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गांधीनगर दौरे की संभावना जताई जा रही है। बताया जाता है कि पीएम मोदी 31 मार्च को जैन समुदाय को समर्पित एक विशेष संग्रहालय का उद्घाटन कर सकते हैं। यह संग्रहालय जैन आचार्य पद्म सागर सूरीश्वर महाराज के जीवन, उनके आध्यात्मिक प्रवास और धार्मिक योगदान को समर्पित होगा। इसमें उनके पदविहार (आध्यात्मिक यात्राओं) से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज, संस्मरण और दुर्लभ सामग्री प्रदर्शित की जाएगी, जो उनके उपदेशों और जीवन दर्शन की गहरी झलक प्रदान करेगी। बताया जाता है कि आचार्य पद्म सागर सूरीश्वर महाराज ने अपने जीवनकाल में लगभग 2.5 लाख किलोमीटर की पदयात्रा की थी, जो जैन परंपरा में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। संग्रहालय में हस्तलिखित पांडुलिपियां, शिलालेख, मूर्तियां, पीतल की कलाकृतियां और धार्मिक विषयों पर आधारित चित्रों का समृद्ध संग्रह होगा। यह प्रदर्शनी जैन परंपराओं, तपस्या की विधियों और समुदाय की आध्यात्मिक विरासत को समझने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी। प्रधानमंत्री के संभावित दौरे को ध्यान में रखते हुए गांधीनगर में तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं।

लखनऊ के निशातगंज में बुजुर्ग महिला की हत्या, घर के अंदर मिला शव

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ के पॉश इलाके निशातगंज में शनिवार शाम एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया। सचिवालय से रिटायर्ड 65 वर्षीय निर्मला देवी का शव उनके ही घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। सूचना डायल 112 के जरिए महानगर पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जांच के दौरान पाया गया कि मृतका के दोनों हाथ बंधे हुए थे और गले पर गला घोंटने के गहरे निशान मौजूद थे। कमरे में किसी जबरन लूटपाट के स्पष्ट संकेत नहीं मिले हैं। विक्रांत वीर के अनुसार शुरुआती जांच में मामला रंजिश या किसी करीबी की साजिश की ओर इशारा करता है। घटना की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड को बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। निर्मला देवी अपने बेटे-बहू के साथ रहती थीं, जबकि घर की दूसरी मंजिल पर किराएदार रहते हैं। पुलिस ने शक के आधार पर एक किराएदार को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

गुरुग्राम में प्रेम विवाहिता की संदिग्ध मौत, पति गिरफ्तार

गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम में चार महीने पहले प्रेम विवाह करने वाली काजल की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। साढ़राणा गांव की निवासी काजल के भाई गुरदीप ने आरोपित पति अरुण शर्मा के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कराया। पुलिस की जांच में पता चला कि काजल को एनेस्थीसिया का इंजेक्शन दिया गया था, जिससे उसकी मौत हुई। पुलिस ने आरोपित अरुण शर्मा जो गाजियाबाद के बहटा हाजीपुर गांव के निवासी हैं, को सेक्टर 89 से गिरफ्तार किया। सेक्टर 93 चौकी पुलिस ने उन्हें तीन दिन के गहन रिमांड पर लिया है, ताकि मामले की पूरी तह तक जांच की जा सके। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि दोनों एक ही नर्सिंग होम में काम करते थे। काजल नर्स और अरुण कर्मचारी थे। नवंबर 2025 में उनके बीच प्रेम संबंधों के बाद घरवालों की मर्जी से विवाह हुआ था। शादी के बाद अरुण ने नौकरी छोड़ दी और पैसों की मांग करने लगा। होली के बाद काजल अपने मायके साढ़राणा में रह रही थी। 18 मार्च की सुबह दोनों के बीच फिर से विवाद हुआ। आरोपित ने पुलिस को बताया कि झगड़े के बाद उसने काजल को इंजेक्शन दिया। पुलिस ने घटनास्थल से दो वायल बरामद किए, एक डाइक्लोफेनेक और एक एनेस्थीसिया। अभियुक्त बार-बार अपने बयान बदल रहा है। पुलिस ने कहा कि तीन दिन के रिमांड में आरोपी से घटना के बारे में सटीक जानकारी ली जाएगी। मामला दहेज हत्या और घरेलू विवाद से जुड़ा है।

प्रतापगढ़ में मधुमक्खियों के हमले में 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत

प्रतापगढ़ (एजेंसी)। फतनपुर नईकोट गांव में शनिवार को एक दर्दनाक घटना हुई। 50 वर्षीय मोहम्मद असलम पुत्र इकबाल मलिक शहद निकालने के लिए अपने घर के पास लगे पेड़ पर चढ़े। शहद निकालने की कोशिश के दौरान मधुमक्खियों का झुंड उन पर टूट पड़ा। असलम ने जान बचाने के लिए पेड़ से उतरकर मदद मांगी। स्थानीय लोग घायल अवस्था में उन्हें सुवंसा बाजार के निजी क्लीनिक ले गए, जहां उन्हें प्राथमिक उपचार और इंजेक्शन दिया गया। गंभीर हालत देख उन्हें मुंगरा बादशाहपुर अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिवार ने शव लेकर घर लौटकर अंतिम संस्कार किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी मिली है और मामले की रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। जिले में मधुमक्खियों के हमले पहले भी हो चुके हैं। सात महीने पहले कुंडा में घर के पास पानी भरते समय मधुमक्खियों ने वृद्ध महिला पर हमला किया था, जिससे उनकी मौत हो गई थी और उनकी बेटी गंभीर रूप से घायल हुई थी।

यूडीएफ ने सांप्रदायिक ताकतों के साथ गठजोड़ किया जनता उन्हें स्वीकार्य नहीं करेगी

केरल सीएम विजयन ने चुनाव से पहले अपनी सरकार के दस साल के कार्यकाल गिनाए

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले सीएम पिनाराई विजयन ने अपनी सरकार के दस साल के कार्यकाल का बचाव करते हुए बुनियादी ढांचे के विस्तार, सामाजिक क्षेत्र के पुनर्जीवन और दीर्घकालिक योजना को वामपंथी मोर्चे की लगातार तीसरी जीत की आधारशिला बताया। 2016 से अपनी सरकार के सफर पर विचार करते हुए विजयन ने कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) ने ऐसे समय में सत्ता संभाली थी जब 'सामान्य असंतोष' का माहौल था, लेकिन सरकार ने तेजी से बुनियादी ढांचे को विकास का इंजन बनाते हुए प्राथमिकता दी। उन्होंने कांग्रेस-नेतृत्व वाले यूडीएफ पर सांप्रदायिक ताकतों के साथ गठजोड़ का आरोप लगाया और वामपंथ छोड़ने वालों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को जनता स्वीकार्य नहीं करेगी।

सीएम विजयन ने कहा कि कई मामलों में यूडीएफ सांप्रदायिक ताकतों के साथ खड़ा है। उन्होंने स्थानीय निकाय चुनावों में कुछ स्थानों पर बीजेपी के साथ हाथ मिलाया। स्थानीय निकाय प्रमुखों के चयन में भी उनका समझौता था। यूडीएफ कुछ वोट और सीटों के लिए सांप्रदायिक समूहों के साथ जुड़ रहे हैं। हम, एलडीएफ, ऐसे कदमों के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग पार्टी माकपा छोड़कर गए, उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था। वे हमारे और जनता के लिए गद्दार हैं। उन्हें जनता की स्वीकार्यता नहीं मिलेगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सबरीमाला मुद्दे पर सीएम ने कहा कि सबरीमाला मुद्दे का स्थानीय निकाय चुनावों पर ज्यादा प्रभाव नहीं दिखा, यहां तक कि पांडलम में भी नहीं। पांडलम में परिणाम सकारात्मक रहे और लोगों की कुछ अपेक्षाएं थीं, जिन्हें सरकार ने पूरा करने की कोशिश की। हर स्थानीय निकाय की अपनी शासन संबंधी चुनौतियां होती हैं और अलग-अलग क्षेत्रों में मतदान को प्रभावित करने वाले मुद्दे भी अलग होते हैं। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों में हुए बदलाव का जिक्र करते हुए कहा कि हाल ही में पीएम मोदी द्वारा उद्घाटन किए गए कुछ हिस्से राज्य के विकास की दिशा को स्पष्ट रूप से दिखाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य जैसे प्रमुख क्षेत्रों, जो पहले अव्यवस्थित थे, उनमें अब व्यवस्थित रूप से सुधार हुआ है। शिक्षा क्षेत्र में भी उन्होंने बड़े बदलाव का दावा किया। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूल, जो कभी बंद होने की कगार पर थे और जहां करीब पांच लाख छात्र पढ़ाई छोड़ चुके थे, उन्हें 5,000 करोड़ रुपए के निवेश 50,000 स्मार्ट क्लासरूम, उन्नत प्रयोगशालाओं और बेहतर शिक्षक प्रशिक्षण के जरिए पुनर्जीवित किया गया। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों को नीति आयोग से मिली मान्यता इसका प्रमाण है।

बुनियादी ढांचा वित्तपोषण पर विजयन ने केरल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड के पुनरुद्धार को अहम बताया। 2016 में 50,000 करोड़ रुपए की शुरुआती योजना से निवेश 2021 तक बढ़कर 62,000 करोड़ हो गया और अब यह 1.10 लाख करोड़ रुपए से ज्यादाहो चुका है। प्रमुख परियोजनाओं में हिल हाईवे और कोस्टल हाईवे शामिल हैं, जिनकी कुल लागत 10,000 करोड़ है। इसके अलावा पुल निर्माण कार्यक्रम भी 200 से अधिक संरचनाओं तक पहुंच चुका है। सीएम विजयन ने ÷विजन 2031÷ का जिक्र किया, जिसे विशेषज्ञों के परामर्श से तैयार किया गया है और इसमें अगले पांच सालों के लिए क्षेत्रवार विकास लक्ष्य तय किए गए हैं। सीएम ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान केरल के प्रबंधन को वैश्विक स्तर पर सराहना मिली और राज्य ने प्रभावी तरीके से महामारी को नियंत्रित किया। उन्होंने यह भी कहा कि केरल में शिशु मृत्यु दर वैश्विक मानकों की तुलना में काफी कम है।

उच्च शिक्षा और अनुसंधान को भी उन्होंने प्राथमिकता बताया। देश के शीर्ष 100 कॉलेजों में से 18 केरल में होने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार अब 13 उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने और कौशल विकास कार्यक्रमों के विस्तार पर काम कर रही है, ताकि युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जा सके और बहुराष्ट्रीय कंपनियों को निवेश के लिए आकर्षित किया जा सके। राजनीतिक तौर पर सीएम विजयन ने बीजेपी की संभावनाओं को खारिज करते हुए कहा कि राज्य उसके लिए 'दरवाजा नहीं खोलेगा' और उन्होंने भविष्यवाणी की कि उसे एक भी सीट नहीं मिलेगी।

ममता, बंगाल की मां-बहन और बेटी, उनका मुकाबला कोई नहीं कर सकता : शत्रुघ्न सिन्हा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी चरम पर पहुंच गई है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि राज्य में उनके कद का कोई दूसरा नेता नहीं है। सिन्हा ने दावा किया कि बंगाल की जनता ममता बनर्जी को अपनी मां, बहन और बेटी मानती है और इस चुनाव में भी टीएमसी का दबदबा कायम रहेगा। राज्य में चुनावी शंखनाद हो चुका है और इस बार मतदान दो चरणों में संपन्न होगा। पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को 152 सीटों पर होगा, जबकि दूसरे चरण में 142 सीटों के लिए 29 चुनाव को वोट डाले जाएंगे। मतगणना 4 मई को की जाएगी। चुनाव आयोग के अनुसार, पहले चरण की अधिसूचना 30 मार्च को जारी होगी। इस चुनावी गहमागहमी के बीच जमीनी स्तर पर तनाव भी दिखने लगा है। उत्तर 24 परगना के बारानगर में भाजपा और टीएमसी समर्थकों के बीच हिंसक झड़प की खबरें आई हैं। स्थिति को संभालने के लिए भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया है। भाजपा उम्मीदवार साजल घोष ने सत्ताधारी दल पर हिंसा का आरोप लगाया है, हालांकि पुलिस प्रशासन का कहना है कि स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है। इस चुनाव का सबसे दिलचस्प मुकाबला भवानीपुर सीट पर होने की उम्मीद है, जहां से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मैदान में उतर सकती हैं। संभावना जताई जा रही है कि उनके सामने भाजपा के दिग्गज नेता सुवेंदु अधिकारी चुनौती पेश करेंगे। ज्ञात हो कि 2021 के चुनाव में नंदीग्राम सीट पर सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को एक कड़े मुकाबले में पराजित किया था, जिसके बाद ममता बनर्जी ने भवानीपुर उपचुनाव जीतकर विधानसभा में अपनी जगह बनाई थी। 2021 के चुनावी नतीजों की बात करें तो टीएमसी ने 215 सीटें जीतकर प्रचंड बहुमत हासिल किया था, जबकि भाजपा 77 सीटों पर सिमट गई थी। कांग्रेस और वाम दलों का खाता भी नहीं खुल सका था। इस बार भी मुख्य मुकाबला इन्हीं दो धुर विरोधियों के बीच माना जा रहा है। जहां टीएमसी अपने जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के दम पर सत्ता बरकरार रखने की कोशिश में है, वहीं भाजपा सत्ता परिवर्तन के लिए पूरा जोर लगा रही है।

मथुरा हादसे के बाद अफवाह फैलाने और पथराव के मामले में 13 गिरफ्तार, बाहरी तत्वों पर कार्रवाई

मथुरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के कोसीकलां थाना क्षेत्र में शनिवार को हुए एक सड़क हादसे के बाद फैले तनाव और हंगामे के मामले में पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) श्लोक कुमार ने बताया कि इस पूरी घटना में माहौल खराब करने की कोशिश करने वाले और अफवाह फैलाने वाले तीन बाहरी मुख्य आरोपियों समेत कुल 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यह एक दुर्घटना थी, जिसे साजिश का रंग देने का प्रयास किया गया।

घटनाक्रम के अनुसार, कोसीकलां क्षेत्र में चंद्रशेखर उर्फ फरसा वाले बाबा ने नागालैंड नंबर के एक कैंटर को गोवंश की आशंका में रोका था। जब वह वाहन की जांच करने के लिए पीछे मुड़े, तभी घने कोहरे के कारण पीछे से आ रहे एक अन्य ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में फरसा वाले बाबा गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। राजस्थान के अलवर निवासी ट्रक चालक भी इस घटना में घायल हुआ था, जिसकी इलाज के दौरान आगरा में मौत हो गई। पुलिस जांच में सामने आया कि ट्रक में तार लदे थे और कैंटर में किराने का सामान भरा था। बाबा के सहयोगी की शिकायत पर पुलिस ने दुर्घटना का मामला दर्ज कर लिया था।

हादसे के बाद कुछ अराजक तत्वों ने यह अफवाह फैला दी कि बाबा की हत्या की गई है। इस भ्रामक जानकारी के चलते छाता थाना क्षेत्र में भीड़ जमा हो गई और नेशनल हाईवे को जाम कर दिया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव भी किया। एसएसपी ने बताया कि स्थानीय निवासियों ने बाहरी लोगों को समझाने की कोशिश की थी कि मामला महज एक दुर्घटना है, लेकिन आरोपियों ने जानबूझकर सरकारी कार्य में बाधा डाली और माहौल बिगाड़ा। पुलिस ने अब तक इस हिंसा और जाम के मामले में गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर 13 लोगों को जेल भेज दिया है।

मार्च में मानसून जैसा मिजाज: दिल्ली-यूपी सहित 12 राज्यों में बारिश और तूफान का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मार्च के महीने में जहां आमतौर पर भीषण गर्मी की शुरुआत हो जाती है, इस बार मौसम का बिल्कुल उलट रूप देखने को मिल रहा है। उत्तर और पश्चिमी भारत के कई हिस्सों में अचानक बढ़ी ठंड ने लोगों को हैरान कर दिया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत देश के 12 राज्यों में आंधी-तूफान के साथ बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। पूर्वी भारत में तो हवाओं की रफ्तार 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने और आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है।

राजधानी दिल्ली में रविवार को भी हल्की बारिश और 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है। शनिवार को दिल्ली ने पिछले छह वर्षों में मार्च का सबसे ठंडा दिन देखा, जहां न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.5 डिग्री गिरकर 13 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। हालांकि अधिकतम तापमान में थोड़ी वृद्धि दर्ज की गई, लेकिन ठंडी हवाओं के कारण कनकनी बनी रही। पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी मध्यम बारिश और बर्फबारी का दौर जारी है। हिमाचल के ऊंचाई वाले इलाकों में पिछले पांच दिनों से हो रहे हिमपात ने तापमान में भारी गिरावट ला दी है।

उत्तर प्रदेश के लखनऊ, अयोध्या, प्रयागराज और गोरखपुर समेत कई जिलों में रविवार को भी बादल छाए रहने और बारिश होने की संभावना है। शनिवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान सामान्य से लगभग 8 डिग्री कम दर्ज किया गया। वहीं बिहार के पटना, मुजफ्फरपुर और गया सहित कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान है। राजस्थान में भी पश्चिमी विक्षोभ के असर से जोधपुर और बीकानेर संभाग में धूल भरी आंधी और छिटपुट वर्षा के आसार बने हुए हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस बेमौसम बारिश और पहाड़ों पर बर्फबारी की मुख्य वजह सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ है। इसके चलते तापमान सामान्य से 4 डिग्री सेल्सियस तक नीचे बना हुआ है। पश्चिम बंगाल, सिक्किम और ओड़िशा जैसे राज्यों में भी तेज हवाओं के साथ बारिश की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग का मानना है कि सोमवार तक गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने का यह सिलसिला जारी रह सकता है, जिससे मार्च के अंत तक मौसम सुहावना बना रहेगा।

पश्चिम बंगाल चुनाव: सुरक्षा के कड़े इंतजाम, वेबकास्टिंग बाधित होने पर होगा पुनर्मतदान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं और चुनाव आयोग ने निष्पक्ष व शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। पूरे राज्य में केंद्रीय बलों की व्यापक तैनाती की जा रही है और चुनाव ड्यूटी में लगे अधिकारियों के साथ तालमेल मजबूत करने के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय में लगातार बैठकों का दौर जारी है। रविवार को भी बलों की तैनाती को लेकर एक आपात बैठक बुलाई गई, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने पर चर्चा हुई।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी मतदान केंद्र पर यदि वेबकास्टिंग 30 मिनट से अधिक समय तक बाधित रहती है तो वहां दोबारा मतदान कराया जाएगा। इस सख्त निर्देश का उद्देश्य मतदान प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखना और किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकना है। चुनावों की औपचारिक घोषणा से पहले ही केंद्रीय बलों की 480 कंपनियां राज्य में पहुंच चुकी हैं और फिलहाल गश्ती अभियान जारी है।

सूत्रों के अनुसार, चरणबद्ध तरीके से करीब 2,000 और कंपनियां राज्य में तैनात की जाएंगी, जिससे कुल केंद्रीय बलों की संख्या लगभग ढाई लाख तक पहुंच सकती है। चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही आयोग ने राज्य पुलिस और प्रशासनिक ढांचे में बड़े स्तर पर फेरबदल भी शुरू कर दिया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राज्य पुलिस महानिदेशक, कोलकाता पुलिस आयुक्त और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर एकीकृत कमान और नियंत्रण प्रणाली बनाने पर जोर दिया है। यह प्रणाली मुख्य निर्वाचन अधिकारी को जिला मजिस्ट्रेटों और अन्य एजेंसियों से सीधे जोड़ेगी और चौबीसों घंटे निगरानी सुनिश्चित करेगी।

इस बार चुनाव में तकनीक का भी व्यापक उपयोग किया जा रहा है। राज्य के सभी 80,719 मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग की व्यवस्था होगी और लगभग दो लाख सीसीटीवी कैमरों व वेबकैम के जरिए निगरानी की जाएगी। जरूरत पड़ने पर ड्रोन भी तैनात किए जाएंगे। इसके अलावा फ्लाइंग स्क्वाड और क्विक रिस्पॉन्स टीमों के वाहनों में 360 डिग्री कैमरों से लाइव स्ट्रीमिंग होगी, जबकि केंद्रीय बलों के जवानों को बॉडी-वॉर्न कैमरे दिए जाएंगे। आयोग ने जिला चुनाव अधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि मतदाताओं को डराने-धमकाने या मतदान से रोकने की शिकायत मिलती है, तो संबंधित अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिसमें पद से हटाना या निलंबन भी शामिल है। इन सभी कदमों से साफ है कि इस बार पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और सुरक्षित बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

वजन बढ़ा तो नहीं उड़ा पाएंगे विमान, सख्त नियम लागू करने जा रहा एयर इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया अपने पायलटों और केबिन क्रू के लिए एक सख्त फिटनेस नीति लागू करने जा रही है। 1 मई से प्रभावी होने वाले इस नए नियम के तहत सभी स्थायी और अनुबंध पर कार्यरत चालक दल के सदस्यों का उड़ान से पहले और बाद में फिटनेस टेस्ट किया जाएगा। इस नीति का मुख्य आधार बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) को बनाया गया है। यदि किसी सदस्य का वजन निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाया जाता है, तो उसे विमान उड़ाने या केबिन सेवा में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। एयरलाइन का स्पष्ट कहना है कि विमानन सेवाओं की संवेदनशीलता को देखते हुए क्रू मेंबर्स का शारीरिक रूप से फिट होना सुरक्षा और परिचालन की दृष्टि से अनिवार्य है।

नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, बीएमआई की आदर्श सीमा 18 से 24.9 के बीच रखी गई है। यदि किसी सदस्य का बीएमआई 24.9 से अधिक पाया जाता है, तो उसे ओवरवेट की श्रेणी में रखा जाएगा और तत्काल प्रभाव से रोस्टर से हटा दिया जाएगा। ऐसे सदस्यों के वेतन में भी कटौती की जाएगी और वे वजन नियंत्रित करने के बाद ही ड्यूटी पर लौट सकेंगे। वहीं, 18 से कम बीएमआई वाले अंडरवेट सदस्यों को सात दिनों के मेडिकल इवैलुएशन के लिए भेजा जाएगा, जिसका खर्च उन्हें स्वयं वहन करना होगा। यदि वे फंक्शनल असेसमेंट क्लियर नहीं कर पाते हैं, तो उनके भुगतान में तब तक कटौती जारी रहेगी जब तक वे फिटनेस मानक हासिल नहीं कर लेते। एयर इंडिया के प्रवक्ता के अनुसार, यह नीति न केवल सुरक्षा मानकों को बढ़ाएगी बल्कि कर्मचारियों को लंबे समय तक स्वस्थ रहकर कार्य करने में भी मदद करेगी।

फिटनेस नियमों के साथ-साथ एयर इंडिया पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अपनी उड़ानों के परिचालन पर भी विशेष ध्यान दे रही है। ईरान संकट और क्षेत्रीय अस्थिरता के बावजूद, एयर इंडिया समूह ने रविवार को पश्चिम एशिया के लिए कुल 50 उड़ानों के परिचालन की योजना बनाई है। इसमें एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ मिलकर सऊदी अरब के जेद्दा और ओमान की राजधानी मस्कट के लिए 20 नियमित उड़ानें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, संयुक्त अरब अमीरात, रियाद, दम्मम और मस्कट से दिल्ली, मुंबई, कोच्चि और बेंगलुरु जैसे प्रमुख भारतीय शहरों के लिए 30 विशेष उड़ानें संचालित की जा रही हैं। एयरलाइन का उद्देश्य तनावपूर्ण स्थितियों के बीच भी यात्रियों को सुरक्षित और सुचारू हवाई सेवा उपलब्ध कराना है।

दुनिया जंग में उलझी... इधर भारत समंदर में खलबली मचाने को तैयार

3 अप्रैल को नौसेना में शामिल होगा देशी सुपरमैन 'तारागिरी'

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान जंग के बीच भारत की समुद्री ताकत और बढ़ने वाली है। अब दुश्मन को भारत का देशी दम दिखाई देगा। दरअसल समंदर में खलबली मचाने को भारत का देशी सुपरमैन यानी शक्ति मान तैयार है। जी हां, स्वदेशी गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट 'तारागिरी' समंदर में अपनी ताकत दिखाने आ रहा है। इसके नौसेना में शामिल होने की तारीख तय हो गई है। खुद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह तारागिरी को नौसेना में शामिल करने वाले है। खास बात है कि 'तारागिरी' ब्रह्मोस मिसाइल से लैस है।

जी हां, प्रोजेक्ट 17ए के तहत नीलगिरी क्लास का एडवांस गाइडेड स्टेल्थ फ्रिगेट तारागिरी नौसेना में शामिल होने को तैयार है। नौसेना द्वारा जारी बयान के अनुसार, अगले महीने यानी 3 अप्रैल को विशाखापत्तनम में तारागिरी को औपचारिक रूप से नौसेना में शामिल किया जाएगा। इस मौके पर रक्षामंत्री सिंह स्वयं इस गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट को नौसेना को समर्पित करने वाले है। वर्ष 2026 की शुरुआत में एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट 'अंजदीप' को भी नौसेना में शामिल किया गया था।

बात दें कि प्रोजेक्ट 17ए के तहत बनाए जा रहे सात नीलगिरी क्लास के युद्धपोतों में से पहला एडवांस स्टेल्थ फ्रिगेट आईएनएस नीलगिरी को जनवरी 2025 में नौसेना में शामिल किया था। इसके बाद इसी वर्ष हिमगिरी और उदयगिरी को भी शामिल किया। अब तारागिरी की बारी है। गाइडेड मिसाइल स्टेल्थ फ्रिगेट 'तारागिरी' ब्रह्मोस मिसाइल से लैस है, जो एंटी-सर्फेस और एंटी-शिप युद्ध में अत्यंत सक्षम है। एंटी-एयर वॉरफेयर के लिए इसमें लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल 'बराक-8', एयर डिफेंस गन और एंटी-सबमरीन वॉरफेयर के लिए स्वदेशी टॉरपीडो 'वरुणास्त्र' और रॉकेट लांचर लगाए गए हैं।

तारागिरी लंबी दूरी से आने वाले हमलों का पता लगाने, ट्रैक करने और उन्हें निष्क्रिय करने के लिए आधुनिक सोनार, कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम और मल्टी-फंक्शन डिजिटल रडार से लैस है। इस फ्रिगेट में हेलिकॉप्टर हैंगर भी है, जिसमें दो हेलिकॉप्टर आसानी से लैंड कर सकते हैं। प्रोजेक्ट 17ए के तहत बनाए जा रहे सभी सात फ्रिगेट में करीब 75 प्रतिशत उपकरण स्वदेशी कंपनियों से लिए गए हैं। इसका डिजाइन और स्टील भी स्वदेशी है। इसका डिजाइन नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है। 6700 टन वजनी यह फ्रिगेट 30 नॉटिकल मील प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकता है।

प्रोजेक्ट 17ए के तहत सात नीलगिरी क्लास गाइडेड मिसाइल स्टेल्थ फ्रिगेट भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे हैं। इसमें चार फ्रिगेट मजगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) और तीन गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) द्वारा बनाए गए हैं। साल 2019 से 2022 के बीच इन सभी को लांच किया जा चुका है। तारागिरी नीलगिरी क्लास का चौथा फ्रिगेट है, जो अब नौसेना में शामिल होने जा

रहा है, जबकि बाकी तीन के समुद्री परीक्षण जारी हैं। इन सभी स्टेल्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट के शामिल होने के बाद समुद्र में भारत की ताकत में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जलालाबाद में 350 किलोमीटर सड़कों के नवीनीकरण का भी शिलान्यास किया

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने आगे कहा, पहले ये पारंपरिक पार्टियां सत्ता हासिल करने के लिए अपनी बारी की प्रतीक्षा करती थीं लेकिन अब इन पार्टियों द्वारा पैदा की गई गंदगी को साफ करने के लिए झाड़ू मौजूद है। एक बड़ी कल्याण योजना का ऐलान करते हुए, उन्होंने कहा, पंजाब सरकार ने मांवां-धीयां सत्कार योजना शुरू की है जिसके तहत हर महिला को प्रति माह 1,000 रुपये और अनुसूचित जातियों से संबंधित महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपये मिलेंगे और यह पैसे सीधे बैंक खातों में ट्रांसफर किए जाएंगे तथा पहले से सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्राप्त कर रही महिलाएं भी योग्य होंगी। पंजाब में लगभग 97 प्रतिशत महिलाओं को लाभ होने की उम्मीद है और राज्य सरकार ने बजट में 9,300 करोड़ आवंटित किए हैं। इसकी रजिस्ट्रेशन 13 अप्रैल से शुरू होगी। इस योजना की आलोचना का जवाब देते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, जो लोग इस योजना की शुरुआत को लेकर राज्य सरकार का मजाक उड़ा रहे हैं, वे बेबुनियाद सवाल उठा रहे हैं, वे आम व्यक्ति के लिए 1,000 रुपये की कीमत नहीं जानते। ये लोग जो गैर-कानूनी ढंग से कमाए पैसे से एक वक्त के भोजन पर 5,000 रुपये से ज्यादा खर्च करते हैं, वे इस योजना की कद्र नहीं करते लेकिन यह उन लोगों के लिए बड़ी वित्तीय सहायता है जिन्हें त्योहारों पर भी मजदूरी करनी पड़ती है। इन अमीर नेताओं की पत्नियों को 1,000 रुपये की जरूरत नहीं है क्योंकि वे मेकअप पर ज्यादा खर्च करती हैं। बुनियादी ढांचे के बारे में उन्होंने कहा, आप सरकार ने राज्य भर में संपर्क सड़कों की मरम्मत के लिए एक बड़ा कार्यक्रम शुरू किया है। राज्य में कुल 43,000 किलोमीटर संपर्क सड़कें हैं और राज्य सरकार ने इनकी मरम्मत और अपग्रेडेशन के लिए प्रोजेक्ट शुरू किया है। इन सड़कों की मरम्मत के साथ-साथ अगले पांच सालों के लिए इनका रख-रखाव भी किया जाएगा। क्षेत्रीय विकास के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, यह बहुत गर्व और संतोष की बात है कि यह विकास मिलनी एक विशाल रैली में बदल गई है। पंजाब ने पिछले चार वर्षों में बड़ा बदलाव देखा है क्योंकि नहरी पानी अब उन क्षेत्रों तक पहुंच गया है, जहां पिछले 50-60 वर्षों से नहीं पहुंच रहा था। उन्होंने आगे कहा, यह एक सीमावर्ती क्षेत्र है, जहां डॉक्टर या अध्यापक ड्यूटी करने से हिचकिचाते हैं, जिसके कारण राज्य सरकार ने उनके लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में कम से कम दो वर्ष सेवा देना अनिवार्य कर दिया है। उन्होंने आगे कहा, इन अध्यापकों और डॉक्टरों को इस सेवा के बदले पदोन्नति के समय अतिरिक्त भत्ता और अतिरिक्त अंक मिलेंगे। इस क्षेत्र के बच्चे बहुत प्रतिभाशाली हैं। एक किस्सा साझा करते हुए उन्होंने बताया, साल 2008-09 में, मैं दोना नानका गांव गया, जहां एक लड़की ने 5वीं कक्षा में पंजाब में पहला स्थान प्राप्त किया था। उसका परिवार आगे की पढ़ाई का खर्च नहीं उठा सकता था, इसलिए, मैंने खर्च का प्रबंध किया और उसे बड्डू साहिब अकादमी में दाखिला दिलवाया। जब पशु चिकित्सकों की नियुक्ति हुई, तो वह मेहनती लड़की भी उनमें से एक थी। तरक्की के अवसर सृजित करने पर जोर देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे बच्चों में कोई कमी नहीं है, लेकिन हमारे युवाओं को उचित अवसरों की कमी जरूर रही है। इसी कारण राज्य सरकार अब ये अवसर प्रदान कर रही है। उन्होंने आगे कहा, पहले सुखबीर सिंह बादल जैसे नेता इस क्षेत्र के न केवल विधायक बल्कि उपमुख्यमंत्री तक रहे, परंतु ईमानदारी से कोई काम नहीं किया गया। उन्होंने जानबूझकर लोगों को गरीब रखा ताकि मतदाता चुनावों के दौरान छोटी-मोटी मांगों में उलझे रहें। उन्होंने इस क्षेत्र को राज्य का आखिरी इलाका समझा, लेकिन मैं इसे 'फ्रंटलाइन' मानता हूं। पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, इस इलाके में छोटे दुकानदार, व्यापारी और किसान हैं। लोगों ने पहले पारंपरिक पार्टियों को बड़े स्तर पर वोट दिया, लेकिन पिछली सरकारों ने पंजाब को लूटा। इन नेताओं ने संसाधनों का इस्तेमाल निजी स्वार्थों के लिए किया और आज भी उनके पास कोई एजेंडा नहीं है, केवल सत्ता की भूख है। वे एक-दूसरे से आगे बढ़कर मुझे गालियां देते हैं। 'आप' सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए उन्होंने कहा, राज्य सरकार ने 90 प्रतिशत घरों को मुफ्त बिजली, रिश्वत के बिना 65,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां, बेहतर सड़कें, टोल प्लाजाओं को बंद करने से रोजाना 70 लाख रुपये की बचत और बुनियादी ढांचे में निरंतर विकास सुनिश्चित किया है। लोगों के टैक्स का पैसा पंजाब का है और हम इसे समझदारी और ईमानदारी से उनकी भलाई पर खर्च कर रहे हैं। लोगों का पैसा विकास, स्कूलों, अस्पतालों और सड़कों के माध्यम से उन्हें वापस मिल रहा है। उन्होंने आगे कहा, पहले भ्रष्टाचार के कारण इस पैसे का दुरुपयोग होता था, लेकिन अब हमने लोगों और राज्य की भलाई के लिए इन चोर-मोरियों को बंद किया है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, राज्य सरकार ने माझा क्षेत्र में 22 किलोमीटर लंबी सरहाली नहर का पता लगाया है, जो जमीन के नीचे दब गई थी। यह नहर अब राज्य सरकार के ठोस प्रयासों से चालू हो गई है। सिंचाई सुधारों के बारे में उन्होंने कहा, भाखड़ा नहर की क्षमता 9500 क्यूसेक है, लेकिन हमने अपने प्रयासों से 10,000 क्यूसेक नहरी पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की है, जिसका अर्थ है कि राज्य ने बिना एक इंच जमीन अधिग्रहण किए ही एक नई भाखड़ा नहर बना दी है। उन्होंने आगे कहा, दशकों से किसान फिरोजपुर और सरहिंद नहरों से रोटेशन के आधार पर पानी लेते आ रहे थे, लेकिन पहली बार यह प्रणाली समाप्त हुई है, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिली है।

भूमिगत जल के बारे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, भूमिगत जल के दोहन की दर 2022 में 61.49 प्रतिशत से घटकर 2025 में 31.6 प्रतिशत हो गई है। कई गांवों में भूमिगत जल 4 मीटर तक रिचार्ज हो गया है, जो बहुत संतोषजनक है। भविष्य की योजनाओं के बारे में उन्होंने कहा, यह सब ईमानदार शासन का परिणाम है और आने वाले समय में हमारा लक्ष्य पूरे पंजाब में भूमिगत बिजली लाइनों को लागू करना है। इससे खेत साफ होंगे, हादसे रोके जा सकेंगे और बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी। यदि पायलट प्रोजेक्ट सफल होता है, तो इसे आगे बढ़ाया जाएगा। अपनी सरकार की सोच को दोहराते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, लोग कहते थे कि कुछ नहीं बदलेगा—न नौकरियां, न सड़कें, न विकास—लेकिन हमने उन्हें गलत साबित कर दिया है।

10वीं में कम नंबर आने पर स्कूल से लापता हुआ छात्र

नई दिल्ली। दिल्ली में अपने स्कूल के मुख्य द्वार से लापता हुआ 14 वर्षीय एक लड़का नानक पियाओ गुरुद्वारा के अंदर पाया गया, जहां वह खराब शैक्षणिक प्रदर्शन के कारण कक्षाएं छोड़ने के बाद आश्रय और भोजन की तलाश में गया था। इसकी जानकारी पुलिस ने गुरुवार को दी। उन्होंने बताया कि रूप नगर क्षेत्र के एक सरकारी स्कूल में दसवीं कक्षा का छात्र सोमवार को लापता हो गया था। दयालपुर निवासी उसके पिता ने शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने लगभग 60 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की और पाया कि लड़के को आखिरी बार राणा प्रताप बाग में नानक प्याऊ गुरुद्वारा के पास देखा गया था। पुलिस ने बताया कि गहन तलाशी के बाद, लड़का गुरुद्वारे के अंदर सुरक्षित पाया गया।

पुलिस के अनुसार, लड़का अपनी पढ़ाई से परेशान था

65 मीटर ऊंचे कचरे के पहाड़ की उलटी गिनती शुरू, 2027 तक खत्म होगा गाजीपुर लैंडफिल

नई दिल्ली। दिल्ली के गाजीपुर लैंडफिल में रोजाना 2400 से 2600 मीट्रिक टन (एमटी) कचरा आता है, लेकिन वेस्ट-टू-एनर्जी (डब्ल्यूटीई) प्लांट में सिर्फ 700 से 1000 एमटी ही प्रोसेस हो पाता है। बाकी कचरा बायो-माइनिंग से बनी सीमित जगह पर डाला जाता है, क्योंकि ऊंचाई बढ़ाने की मनाही है। वहीं, पुराने कचरे को साफ करने का काम तेजी से चल रहा है और यह साल 2027 तक पूरा हो जाएगा। यह जानकारी दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को सौंपी अपनी हालिया स्थिति रिपोर्ट में दी है। रिपोर्ट के अनुसार, गाजीपुर साइट पर करीब 85 लाख एमटी पुराना कचरा जमा था, जिसकी ऊंचाई 65 मीटर तक पहुंच गई थी। 2019 से शुरू बायो-माइनिंग प्रोजेक्ट में कई चुनौतियां आईं, जैसे मशीनों के लिए जगह न होना और ठेकेदारों की कमी। पहले ठेके में सिर्फ 13.9 लाख एमटी साफ हो सका, जिसे रद्द कर दिया गया। एनजीटी के 10 जुलाई, 2025 के आदेश पर एमसीडी ने रिपोर्ट में विस्तार से बताया कि अप्रैल, 2025 में बंद हुई ओखला प्लांट को कचरा भेजने की व्यवस्था अगस्त, 2025 से फिर शुरू हुई, जिससे रोजाना करीब 300 एमटी कचरा वहां भेजा जा रहा है। हालांकि, ओखला प्लांट की क्षमता के हिसाब से यह मात्रा बदलती रहती है। रिपोर्ट के अनुसार, गाजीपुर साइट पर अब मार्च 2025 से अलवाजो सॉल्यूशंस कंपनी 30 लाख एमटी (बढ़ाकर 45 लाख तक) साफ कर रही है। अगस्त 2025 तक 6.6 लाख एमटी साफ हो चुका है। कुल मिलाकर 32 लाख एमटी पुराना कचरा प्रोसेस हो गया है। एक नया टेंडर भी सितंबर 2025 में जारी किया गया है, ताकि बाकी कचरा जल्द साफ हो। नगर निकाय एजेंसी ने ठेकेदार से कहा है कि टारगेट तीन महीने पहले पूरा करें। रिपोर्ट में जानकारी दी गई है कि स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत केंद्र-राज्य फंड से ये काम चल रहे हैं। इससे पहले एनजीटी ने 21 अप्रैल के आसपास गाजीपुर लैंडफिल साइट पर भीषण आग लगने के मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी), एमसीडी, पूर्वी दिल्ली जिलाधिकारी और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। रिपोर्ट में बताया गया है कि एमसीडी ने कचरा प्रबंधन के लिए कई कदम उठाए हैं। इसमें साइट पर 2000 एमटी क्षमता वाला नया डब्ल्यूटीई प्लांट लगाने का टेंडर जुलाई 2025 में जारी हो चुका है। बायो-माइनिंग से निकले कचरे को अलग-अलग जगह भेजा जा रहा है। निष्क्रिय कचरा (इनर्ट) और निर्माण-अवशेष (सीएंडडी) को दसना, लोनी, गाजियाबाद, नोएडा जैसे इलाकों में भराई के लिए, जबकि रिफ्यूज डेराइव्ड फ्यूल (आरडीएफ) को मेरठ-मुजफ्फरनगर की फैक्टरियों में ईंधन के तौर पर उपयोग किया जा रहा है। रिपोर्ट में साफ किया गया कि साइट पर 5 एकड़ जमीन साफ हो चुकी है, लेकिन इसे खाली नहीं छोड़ा गया। यहां ट्रॉमेल मशीनें चलाने के लिए शेड, आरडीएफ-इनर्ट स्टोरेज और वाहनों की पार्किंग बनाई गई है। रोजाना नया कचरा आता है, लेकिन पुराने कचरे की सफाई इतनी तेज है कि कुल ढेर घट रहा है। अप्रैल से जुलाई 2025 तक नया कचरा आने से ज्यादा (लगभग दोगुना) पुराना कचरा हटाया गया।

दिल्ली में रेलवे स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री पर रोक

दिल्ली। दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर अत्यधिक भीड़ को नियंत्रित करने और यात्रियों के सुगम आवागमन को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन, आनंद विहार टर्मिनल और आनंद विहार हॉल्ट स्टेशनों पर 11 नवंबर 2025 तक प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री को तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। यह निर्णय रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के मद्देनजर लिया गया है। यह निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि इन प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या में भारी वृद्धि देखी जा रही है। इस बढ़ती भीड़ के कारण न केवल यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ता, बल्कि सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी बढ़ रही हैं। प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री पर रोक लगाकर, रेलवे का उद्देश्य अनावश्यक भीड़ को कम करना और यह सुनिश्चित करना है कि केवल यात्रा करने वाले यात्री ही स्टेशन परिसर में रहें। हालांकि, रेलवे प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि कुछ विशेष श्रेणियों के व्यक्तियों को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है। जो लोग स्टेशन पर वृद्धजनों, दिव्यांगजनों, निरक्षर व्यक्तियों या महिला यात्रियों की सहायता के लिए आ रहे हैं, उन्हें स्टेशन में प्रवेश की अनुमति होगी। जिससे जरूरतमंद यात्रियों को उनके प्रियजनों का सहयोग मिल सके।

रेलवे स्टेशन के पास संदिग्ध व्यक्ति से 1 करोड़ बरामद

नई दिल्ली। रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास से एक संदिग्ध व्यक्ति को 1 करोड़ रुपये के साथ पकड़ा। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ कि यह रकम हवाला नेटवर्क के जरिए अवैध रूप से ट्रांसफर की जा रही थी। आरपीएफ ने व्यक्ति व पैसे को आगे की जांच के लिए आयकर विभाग की टीम को सौंप दिया है। आरपीएफ इंस्पेक्टर निलेश कुमार के नेतृत्व में टीम स्टेशन परिसर व आसपास गश्त कर रही थी। इस दौरान एएसआई पवन, सुशील मलिक, हेड कांस्टेबल नीरज, प्रदीप और कांस्टेबल विनोद की नजर स्टेशन के पास एक संदिग्ध व्यक्ति पर पड़ी। आरपीएफ ने संबंधित व्यक्ति से पूछताछ की। इस दौरान उसके बैग की तलाशी ली गई तो उसमें करीब एक करोड़ रुपये मिले। इसके बारे में संदिग्ध कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। पूछताछ में सामने आया कि संदिग्ध व्यक्ति मूलरूप से गुजरात का रहने वाला है। अधिकारियों को शक है कि यह रकम किसी बड़े हवाला नेटवर्क के माध्यम से एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाई जा रही थी। तभी आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की जांच के लिए आयकर विभाग को सूचना दी गई। विभाग की टीम मौके पर पहुंची और रकम व संबंधित दस्तावेज अपने कब्जे में ले लिए। आयकर अधिकारी अब यह पता लगाने में जुटे हैं कि यह रकम कहां से आई और किसे दी जानी थी। सूत्रों की मानें तो इस रकम को दिल्ली से दूसरे राज्यों में भेजा जा रहा था।

कूड़े के पहाड़ों पर बायोमाइनिंग की निगरानी करेगा शहरी विकास विभाग

नई दिल्ली। तीनों कूड़े के पहाड़ों पर बायोमाइनिंग की निगरानी खुद दिल्ली शहरी विकास विभाग करेगा, ताकि काम की गति और पारदर्शिता दोनों बढ़े। शहरी विकास मंत्री आशीष सूद सोमवार को गाजीपुर और बृहस्पतिवार को भलस्वा कूड़े के पहाड़ पर बायोमाइनिंग देखेंगे। बुधवार को सचिवालय में मंत्री की एमसीडी के अधिकारियों के साथ इस पर विस्तृत चर्चा हुई। एमसीडी अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में हर दिन करीब 14,000 मीट्रिक टन कूड़ा उठाया जाता है। मंत्री ने निर्देश दिया कि कूड़ा अलग करने की प्रक्रिया (सेग्रीगेशन) घर-घर स्तर पर सख्ती से लागू हो, तभी कचरे का सही प्रबंधन होगा। खरीदी गई आधुनिक मशीनें, स्मॉग गन, स्प्रिंकलर और रोड स्वीपिंग मशीनें सड़क पर सक्रिय दिखें। उन्होंने दिल्ली में प्रदूषण कम करने के लिए एमसीडी की 28 स्मॉग गन और 167 स्प्रिंकलर मशीनों की कार्यप्रणाली जानी। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर कर्मचारी डबल शिफ्ट में काम करें, ताकि सड़कों पर धूल और प्रदूषण पर काबू पाया जा सके। इसके अलावा 52 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों के रूट की रीडिजाइनिंग करने के निर्देश दिए।

मंत्री ने कहा कि गाजीपुर लैंडफिल साइट पर पिछले साल तीन बार आग लगी, जिसे दोबारा नहीं होने देना है। इसके लिए लैंडफिल स्थलों पर लगी फायर मशीनों का पूरा उपयोग हो। इनकी हर स्थिति की तत्काल रिपोर्ट उन्हें दी जाए। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि भलस्वा, गाजीपुर और ओखला डंप साइट्स पर आग की घटनाएं घटाने के लिए कई कदम उठाए हैं। बरसात छोड़कर हर दिन 20 से 25 हजार टन कचरे की बायोमाइनिंग की जा रही है, जबकि हाल में 30 हजार टन प्रतिदिन की सर्वोच्च बायोमाइनिंग की गई। ओखला साइट पर अब नया कचरा नहीं डाला जा रहा। इससे लैंडफिल में आग की घटनाएं कम हुई हैं।

ट्रैफिक पुलिस में तैनात कई टीआई का सर्कल बदला

नई दिल्ली। राजधानी में ट्रैफिक प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने बड़े पैमाने पर ट्रैफिक इंचार्ज (टीआई) के सर्कल बदले गए हैं। बताया जा रहा है कि करीब 50 टीआई का सर्कल बदला गया है। इतनी बड़ी संख्या में हुए तबादलों को लेकर पुलिस महकमे में खासी चर्चा है। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब लाल किला के सामने हाल ही में हुए धमाके के बाद राजधानी में सुरक्षा अलर्ट बढ़ाया गया है। हालांकि, पुलिस मुख्यालय में तैनात वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि इन तबादलों का लालकिला धमाके से सीधा संबंध नहीं है। अधिकारियों का कहना है कि यह बदलाव पहले से लंबित था, जिसकी प्रक्रिया पूरी होने के बाद बीते सप्ताह अंत में इसकी सूची जारी की गई है। उन्होंने बताया, राजधानी में ट्रैफिक की बढ़ती चुनौतियों और विभिन्न क्षेत्रों में प्रबंधन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। लालकिला के सामने हुए जोरदार धमाके के बाद दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा चक्र और कड़ा कर दिया है। विभिन्न इलाकों में चेकिंग अभियान तेज कर दिए गए हैं। पुलिस की टीमें प्रमुख बाजारों, संवेदनशील स्थलों, बस अड्डों और मेट्रो स्टेशनों के आसपास गश्त बढ़ा रही हैं। वाहनों की सघन जांच की जा रही है, खासकर उन वाहनों की जो शहर की सीमाओं से प्रवेश कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि दूसरे राज्यों में पंजीकृत वाहनों की जांच पर विशेष जोर दिया जा रहा है। पुलिस यह सुनिश्चित करना चाहती है कि कोई संदिग्ध वाहन या व्यक्ति राजधानी में प्रवेश न कर सके। हालिया धमाके के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने भी अन्य राज्यों की पुलिस को इनपुट साझा कर सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। धमाके से पहले अपनी से राजधानी के कई क्षेत्रों में घूमा था

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म मामले में नौ आरोपी बरी

नई दिल्ली। रोहिणी कोर्ट ने नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में नौ आरोपियों को बरी किया है। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोप साबित करने में नाकाम रहा और केवल संदेह के आधार पर किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमित सहरावत ने फैसला सुनाते हुए कहा कि मामले में पीड़िता और उसकी मां के बयानों में गंभीर विरोधाभास है। हर बयान में दोनों ने अपने कथन बदले हैं और इन विरोधाभासों के कारण एक बयान दूसरे को नकार देता है। अदालत ने यह भी बताया कि 23 सितंबर 2023 को पीड़िता की मां ने पुलिस हेल्पलाइन पर कॉल की थी, लेकिन बाद में कहा कि यह मंदिर प्रबंधन और उनके बीच का विवाद था, क्योंकि प्रबंधन उन्हें परिसर खाली करने के लिए कह रहा था। पुलिस जांच में सामने आया कि जिन नौ लोगों पर आरोप लगाए गए थे, उनमें से कुछ कथित अपराध के समय दिल्ली में मौजूद ही नहीं थे। अदालत ने कहा कि ऐसे हालात में आरोपियों पर मुकदमा चलाने या उन्हें सजा देने का कोई कानूनी आधार नहीं है। न्यायाधीश ने कहा कि कानून का सिद्धांत साफ है कि सिर्फ शक की बुनियाद पर किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। अदालत ने यह भी आदेश दिया कि पीड़िता को दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) द्वारा दी गई 3.75 लाख रुपये की अंतरिम मुआवजा राशि वापस ली जाए, क्योंकि जांच में कोई अपराध साबित नहीं हुआ। यह मामला सितंबर 2023 का है। दिल्ली पुलिस ने नौ आरोपी के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था। आरोप था कि उन्होंने एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर गाजियाबाद ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। अदालत ने सभी नौ आरोपियों को बरी करते हुए कहा कि मामला पूरी तरह संदेह पर आधारित है और सबूत अपराध साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं।

महिला शिक्षकों से अभद्रता के आरोप में प्रिंसिपल का ट्रांसफर

नई दिल्ली। किशनगढ़ स्थित एमसीडी स्कूल के प्रिंसिपल अवधेश महतो का महिला शिक्षकों से अभद्र व्यवहार के आरोपों के बाद तत्काल प्रभाव से ट्रांसफर कर दिया गया। यह मुद्दा बुधवार को स्थायी समिति की बैठक में उठा था। इसके अलावा शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा ने भी इस संबंध में आयुक्त को पत्र लिखा था। एमसीडी के मुताबिक, शिक्षा विभाग अब पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच करेगा। शिक्षिकाओं ने आरोप लगाया था कि प्रिंसिपल का व्यवहार लगातार अपमानजनक और अनुचित रहा जिसकी शिकायतें पहले भी दर्ज कराई गई थीं। विभाग का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई पर निर्णय लिया जाएगा। प्रिंसिपल का तबादला सुल्तानपुरी किया गया है।

NAME CHANGE
I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE
I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR - 2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE
I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE
I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE
I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE
I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

NAME CHANGE
I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

NAME CHANGE
I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYURDHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE
I, PUNNAM DEVI Wife of No-14913053K Rank-HAV Name-NARENDER SINGH R/O C-7, LAXMI GARDEN, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name from PUNNAM DEVI to POONAM DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, NEETAS DEVI Wife of No-3204848W Rank-HAV Name-DHARMENDRA SINGH R/O VILL-BISHUNDAS, PO-MURSAN, DISTT-HATHRAS, U.P-204213 have changed my name from NEETAS DEVI to NITESH DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ASHISH KUMAR RATHOR S/O PURAN LAL R/O Q-48, RAJEEV NAGAR BEGUM PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, have changed my name and shall hereafter be known as RAZA AHMED.

NAME CHANGE
I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SANTOSH KUMAR S/O VISHVA NATH PRASAD residing at PLOT NO-58&59, FLAT NO-B-2, STREET NO-5, HAVENS GARDEN MATIALA, DELHI-110059 have changed my name to SANTOSH KUMAR GUPTA for all future purposes

NAME CHANGE
I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NIDHI AGGARWAL YADAV D/o VIRENDER KUMAR AGGARWAL, and Ex. Wife of AMIT YADAV, R/o H.No E-12, Hauz Khas, South West Delhi-110016, declare that I got divorce from my Ex. Husband AMIT YADAV vide Court Decree HMA No. 603/2019 dated 30 - 04-2019, further I have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI AGGARWAL. I also have changed the name of my minor Son namely AAYAN YADAV, aged 16 years and my minor daughter namely ARSHIYA YADAV, aged 13 years and they shall hereafter be known as AAYAN AGGARWAL and ARSHIYA AGGARWAL respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE
I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा नर्सिंग वेलफेयर एसोसिएशन के चुनाव का ऐलान

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा नर्सिंग वेलफेयर एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव का ऐलान हो गया है। प्रदेश भर के अस्पतालों में तैनात नर्सिंग ऑफिसर इस चुनाव में भाग लेंगी। चंडीगढ़ में नर्सिंग वेलफेयर एसोसिएशन की अध्यक्ष विनीता कुमारी बांगड़ की अध्यक्षता में हुई जूम बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक के बाद जारी जानकारी के अनुसार, सर्वसम्मति से पंचकूला अस्पताल में बतौर नर्सिंग ऑफिसर तैनात संतोष शर्मा चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। पंचकूला के सेक्टर-10 स्थित सूद धर्मशाला को मतदान केंद्र बनाया गया है। चुनाव अधिकारी संतोष शर्मा ने बताया कि सोमवार 23 मार्च से 28 मार्च तक नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। 29 मार्च को नामांकन वापस लिया जा सकेगा। इसके बाद 31 मार्च को चुनाव होंगे। अध्यक्ष पद पर चुनाव लड़ने वाला प्रत्याशी अपना पैनल घोषित करेगा। इसके बावजूद मतदान केवल अध्यक्ष पद के लिए होगा। जिस पैनल का अध्यक्ष वोटिंग से चुना जाएगा उसी का पैनल अन्य पदों पर काबिज होगा। प्रदेश में करीब पांच हजार का नर्सिंग कैडर स्टाफ है।

कन्या गुरुकुल घिराय की छात्राओं के लिए 'वीरांगना' शिविर आयोजित

हिसार। कन्या गुरुकुल घिराय में सुराजसेवा फाउंडेशन की ओर से गुरुकुल की छात्राओं के लिए एक दिवसीय वीरांगना शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान गुरुकुल की छात्राओं को आत्मरक्षा से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया। गुरुकुल प्राचार्या सुनीता आर्या ने शनिवार को बताया कि आज के दौर में बालिकाओं को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने की आवश्यकता है। शिक्षा के साथ-साथ उनका अपनी रक्षा खुद करने में निपुण होना भी जरूरी है। इसी को देखते हुए गुरुकुल की छात्राओं के लिए यह विशेष शिविर आयोजित किया गया जिसमें छात्राओं को सुराजसेवा फाउंडेशन संस्था की ओर से प्रशिक्षण प्रदान किया गया। शिविर पूरा करने पर छात्राओं को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान मिले प्रशिक्षण से गुरुकुल की छात्राएं उत्साहित नजर आईं शिविर में छात्राओं को आत्मरक्षा से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। गुरुकुल कोषाध्यक्ष कर्मवीर शर्मा भी उपस्थित रहे और अन्य अध्यापिकाएं भी शिविर में उपस्थित रहीं। शिविर में गुरुकुल कोषाध्यक्ष कर्मवीर शर्मा तथा गुरुकुल की अध्यापिकाएं भी उपस्थित रहीं।

नारनौल में खाद्य आपूर्ति विभाग ने गैस एजेंसियों का किया औचक निरीक्षण, ओवरचार्जिंग पर दी सख्त चेतावनी

नारनौल। नारनौल क्षेत्र में रसोई गैस को लेकर अव्यवस्था या ओवरचार्जिंग की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए नोडल अधिकारी एवं सहायक खाद्य आपूर्ति अधिकारी अरुण सैनी ने नारनौल और नांगल चौधरी क्षेत्र की विभिन्न गैस एजेंसियों और उनके गोदामों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गैस एजेंसियों में उपलब्ध स्टॉक, वितरण व्यवस्था और उपभोक्ताओं को दी जा रही सुविधाओं की विस्तार से जांच की गई। अधिकारियों ने एजेंसी संचालकों को निर्देश दिए कि वे निर्धारित नियमों के अनुसार ही गैस सिलेंडरों की आपूर्ति करें और किसी भी उपभोक्ता से अधिक कीमत न वसूली जाए। अरुण सैनी ने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों या घबराहट में आकर गैस एजेंसियों या गोदामों पर भीड़ न लगाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि गैस सिलेंडरों की होम डिलीवरी व्यवस्था पूरी तरह से सुचारू रूप से चल रही है और उपभोक्ताओं को उनके घर तक गैस उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि अनावश्यक भीड़ से न केवल व्यवस्था प्रभावित होती है, बल्कि इससे अन्य उपभोक्ताओं को भी असुविधा होती है। इसलिए सभी लोग संयम बनाए रखें और जरूरत के अनुसार ही गैस की मांग करें। ओवरचार्जिंग के मुद्दे पर स्पष्ट जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि यदि कोई उपभोक्ता स्वयं एजेंसी या गोदाम से गैस सिलेंडर लेता है तो उसकी निर्धारित कीमत 896 रुपये है। वहीं, होम डिलीवरी के माध्यम से सिलेंडर मंगवाने पर 931 रुपये का भुगतान करना होगा।

लुवास के वैज्ञानिकों ने राष्ट्रीय स्तर की संवेदनशीलता कार्यशाला में की भागीदारी

हिसार। लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के चार वैज्ञानिकों ने नई दिल्ली में आयोजित एक दिवसीय संवेदनशीलता कार्यशाला में भाग लिया। केन्द्रीय पशुपालन एवं डेयरी विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यशाला का विषय 'मॉक ड्रिल्स में पहचानी गई कमियों को दूर करना' था। कार्यशाला का आयोजन एपी शिंदे सिम्पोजियम हॉल, नैसकॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य जूनोटिक रोगों की रोकथाम, नियंत्रण तथा आपातकालीन परिस्थितियों में विभिन्न विभागों के बीच समन्वित प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करना था। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय वन हेल्थ मिशन के अंतर्गत आयोजित किया गया, जो 'वन हेल्थ' अवधारणा पर आधारित है। कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) विनोद वर्मा के मार्गदर्शन में लुवास से डॉ. राजेश, डॉ. विजय जाधव, डॉ. स्वाति दहिया तथा डॉ. मनेश कुमार ने इस कार्यशाला में हिस्सा लिया। इस कार्यशाला में विभिन्न राज्य पशुपालन विभागों, निदान प्रयोगशालाओं, विश्वविद्यालयों तथा रिमाउंट वेटरनरी कोर में कार्यरत पशु चिकित्सक (वेटरिनेरियन) प्रतिभागी के रूप में शामिल हुए। विभिन्न सत्रों का संचालन ब्रिगेडियर एमएम रामचंद्र, निदेशक, नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल सेक्रेटेरिएट ने किया।

संविधान की राह पर युवा करें राष्ट्र निर्माण सशक्त : उपसभापति हरिवंश

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा विधान सभा के सौजन्य से दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल के सभागार में संविधान के सिद्धांत, विशेषताएं और विधायिका के कार्य विषय पर भव्य युवा सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन का उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों की समझ विकसित करना और उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए युवाओं को संविधान की मूल भावना अपनाने का आह्वान किया। उपसभापति हरिवंश ने कहा कि लोकतंत्र की सच्ची ताकत नागरिकों की ईमानदारी, समर्पण और जिम्मेदारी में निहित होती है। उन्होंने बताया कि हरियाणा विधान सभा द्वारा क्षमता निर्माण योजना, विधायी प्रारूपण कार्यशालाएं, युवा संसद और संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा युवा शक्ति से भरपूर प्रदेश है और

यहां के युवाओं ने खेल, कृषि, सुरक्षा, उद्यमिता व सांस्कृतिक क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। यदि युवा दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ें तो वे देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं। संविधान के महत्व पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल कानूनी दस्तावेज नहीं बल्कि एक जीवंत सामाजिक व्यवस्था है, जो विविधता में एकता को मजबूत करता है। इसकी सफलता इसे लागू करने वाले लोगों की निष्ठा पर निर्भर करती है। उन्होंने डॉ. भीमराव आंबेडकर और डॉ. राजेंद्र प्रसाद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब राष्ट्रहित सर्वोपरि होता है तब व्यवस्था मजबूत रहती है, अन्यथा कमजोर पड़ जाती है। विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि यह सम्मेलन युवाओं को लोकतांत्रिक व्यवस्था से जोड़ने का महत्वपूर्ण प्रयास है। संविधान के सिद्धांतों, नागरिक कर्तव्यों और विधायिका की भूमिका पर चर्चा युवाओं के समग्र विकास के लिए आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं को अपने जनप्रतिनिधियों से प्रश्न करने, उनकी कार्यप्रणाली पर नजर रखने और समाज की समस्याओं को उठाने में सक्रिय रहना चाहिए। सकारात्मक सोच और पारदर्शिता के साथ आगे बढ़कर युवा देश के विकास में अहम भूमिका निभा सकते हैं। विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि संविधान की राह पर चलकर ही विकसित भारत का निर्माण संभव है। उन्होंने युवाओं को संविधान के मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा दी।

हरियाणा में पांच कांग्रेस विधायकों को दोबारा जारी हुए नोटिस

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस ने राज्य सभा चुनाव के दौरान क्रास वोटिंग के आरोपी पांच विधायकों को दोबारा नोटिस जारी किया है। यह नोटिस शुक्रवार की रात जारी किए गए हैं। पहले नोटिस की शब्दावली को लेकर आज दिन भर कांग्रेस हाईकमान की कार्यप्रणाली चर्चा का विषय बनी रही। विधायकों पर कार्रवाई को लेकर पार्टी प्रभारी बीके हरिप्रसाद शुरू से संदेह के दायरे में रहे हैं। इस मामले में नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र हुड्डा समेत कई वरिष्ठ विधायक क्रॉस वोटिंग के मामले में पांच विधायकों के नाम लेते रहे हैं। कांग्रेस ने 18 मार्च को बीके हरिप्रसाद ने क्रास वोटिंग के आरोप में चार विधायकों के नाम लिए। जिन्हें उसी दिन पार्टी की तरफ से नोटिस जारी कर दिए गए। पार्टी प्रभारी पर जब पांचवें विधायक का नाम सार्वजनिक करने का दबाव बढ़ा तो शुक्रवार की सुबह रतिया के विधायक जरनैल सिंह को भी नोटिस जारी कर दिया गया। यह नोटिस सार्वजनिक हुए तो किसी भी नोटिस में विधायकों की क्रास वोटिंग शब्द नहीं लिखा गया था। विधायकों को वोट अमान्य होने का दावा करते हुए नोटिस जारी किया गया। इसे लेकर पूरा दिन हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा। विधायकों को जारी किए गए नोटिस में ढेरों खामियां होने के कारण खुद कांग्रेस हाईकमान उलझती दिख रही थी। बागी विधायकों ने नोटिसों को आधार बनाकर पार्टी को घेरने की तैयारी भी कर ली। जिसके चलते शुक्रवार की रात पांचों विधायकों को नए सिरे से नोटिस जारी किया गया है। इस बार इस नोटिस में क्रॉस वोटिंग करने का जिक्र है। अब नए नोटिस विधायकों के उपर लगाए जा रहे आरोपों के अनुसार ही जारी किए गए हैं।

सोनीपत में नेहा सिंह ने संभाला उपायुक्त पद, प्राथमिकताएं तय

एजेंसी

सोनीपत। वर्ष 2015 बैच की आईएएस अधिकारी नेहा सिंह ने सोनीपत के उपायुक्त पद का कार्यभार संभाल लिया है। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पहली प्राथमिकता जनकल्याणकारी योजनाओं को निर्धारित समय सीमा में प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना और आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना रहेगा।

उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन की जिम्मेदारी केवल योजनाएं बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनका पारदर्शी और प्रभावी क्रियान्वयन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनसेवा की भावना से कार्य करें और किसी भी समस्या के समाधान में लापरवाही न बरतें। उन्होंने यह भी कहा कि अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही प्रशासन की सफलता का सही मापदंड है। नेहा सिंह इससे पहले पलवल और कुरुक्षेत्र में उपायुक्त के रूप में सेवाएं दे चुकी हैं। वहां उन्होंने प्रशासनिक दक्षता, पारदर्शिता और जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से अपनी अलग पहचान बनाई। उनके अनुभव से सोनीपत में विकास कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। उन्होंने अधिकारियों से टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया और कहा कि जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना है। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी विभागों के बेहतर समन्वय से सोनीपत को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा।

धमकी व रंगदारी के कॉल पर रोक लगाएगा 'अभेद्य' मोबाइल ऐप

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस ने साइबर अपराध, धमकी भरे कॉल्स और रंगदारी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से 'अभेद्य' मोबाइल ऐप लांच किया है। यह देश में अपनी तरह का पहला मोबाइल आधारित सुरक्षा प्लेटफॉर्म है, जो नागरिकों को संदिग्ध कॉल्स, धमकी भरे संदेशों, स्टॉकिंग और डिजिटल उत्पीडन् से बचाने में सक्षम होगा। हरियाणा देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जहां पर इस प्रकार का प्रयास किया गया है। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने पुलिस मुख्यालय में 'अभेद्य' ऐप लांच करते हुए कहा कि बदलते समय में अपराधी इंटरनेट आधारित कॉलिंग, फर्जी नंबरों और डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल कर लोगों को डराने और ठगी करने का प्रयास कर रहे हैं, ऐसे में यह ऐप नागरिकों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच साबित होगा। 'अभेद्य' ऐप

अज्ञात और संदिग्ध नंबरों से आने वाली कॉल्स और संदेशों की पहचान कर उन्हें उपयोगकर्ता तक पहुंचने से पहले ही रोक देता है। यह विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय, वर्चुअल और अनसेव्ड नंबरों की निगरानी करता है तथा संदिग्ध पाए जाने पर कॉल को स्वतः रिजेक्ट कर नंबर को ब्लॉक कर देता है। यह ऐप संदिग्ध चैट, वॉयस मैसेज, नोटिफिकेशन और वॉयस नोट को भी डिवाइस से हटा देता है, जिससे उपयोगकर्ता किसी भी प्रकार के मानसिक दबाव या भय से सुरक्षित रह सके। इतना ही नहीं, विदेशो से आने वाली संदिग्ध कॉल्स पर भी नजर जाएगी। इससे एक तरफ उपयोगकर्ता मानसिक दबाव से दूर रहेगा वही दूसरी तरफ संदिग्ध कॉल करने वाले व्यक्ति को हरियाणा पुलिस द्वारा बैकहैंड से ट्रेस किया जाएगा। सिंघल ने बताया कि देश के भीतर से आने वाली कॉल्स को ट्रेस करना सरल होता है, जबकि विदेशी नंबरों से आने वाली कॉल्स एक बड़ी तकनीकी चुनौती पेश करती हैं। इसी चुनौती से निपटने के लिए हरियाणा पुलिस के तकनीकी विशेषज्ञों ने एक सशक्त समाधान विकसित किया, जिसके सफल परीक्षण के बाद आज इसे लॉन्च किया गया है। उन्होंने बताया कि इस एप का ट्रायल 25 चयनित उपयोगकर्ताओं द्वारा किया गया, जिसमें इसकी कार्यक्षमता पूरी तरह सफल पाई गई। इस ऐप को डाउनलोड करने के लिए इच्छुक व्यक्ति को संबंधित जिले के पुलिस अधीक्षक से संपर्क करना होगा, जिसके उपरांत उसे अधिकृत एक्सेस प्रदान किया जाएगा। यह ऐप एंड्रॉयड एवं एप्पल दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहेगा। सिंघल ने यह भी बताया कि हरियाणा पुलिस की सक्रिय कार्यवाही के परिणामस्वरूप जनवरी एवं फरवरी 2026 में पिछले वर्ष की तुलना में एक्सटॉर्शन कॉल्स में लगभग 40 प्रतिशत की कमी तथा अपराध में 8 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

हरियाणा और अफ्रीका की साझेदारी से विकास को मिलेगी गतिः नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वैश्विक सहयोग के नए दौर में हरियाणा अफ्रीकी देशों के साथ अपने संबंधों को और अधिक मजबूत एवं व्यापक बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। कृषि, पशुपालन, डेयरी, बागवानी तथा अन्य एलाइड सेक्टर में आपसी सहयोग से एक दूसरे का अनुभव और विशेषज्ञता साझा करते हुए विकास में रफ्तार पकड़ेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट-2026 के अंतर्गत नई दिल्ली में आयोजित भारत-अफ्रीका सामरिक साझेदारी बैठक को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय उर्जा एवं आवासन मंत्री मनोहर लाल ने की, जबकि केंद्रीय ऊर्जा एवं नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद येस्सो नाइक ने भी समिट को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों में हरियाणा और अफ्रीका के बीच सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। आधुनिक तकनीक, उन्नत बीज, सिंचाई प्रबंधन, डेयरी विकास तथा कृषि-आधारित उद्योगों के क्षेत्र में

साझेदारी से दोनों पक्षों को लाभ होगा। उन्होंने यह भी कहा कि हरियाणा सरकार इस दिशा में संस्थागत सहयोग, निवेश प्रोत्साहन और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में हरियाणा और अफ्रीकी देशों के बीच सहयोग के नए आयाम स्थापित होंगे, जिससे न केवल आर्थिक प्रगति को गति मिलेगी, बल्कि वैश्विक स्तर पर साझा विकास और समृद्धि के लक्ष्य को भी साकार किया जा सकेगा। भारत और अफ्रीकी देशों के लंबे संबंधों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह साझेदारी सांझा इतिहास, सांस्कृतिक जुड़ाव, संघर्षों और आकांक्षाओं पर आधारित है। दोनों क्षेत्र 'ग्लोबल साउथ' की मजबूत आवाज के रूप में उभर रहे हैं और समान विकास लक्ष्यों से जुड़े हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत-अफ्रीका सांझेदारी समानता, विश्वास और पारस्परिक सम्मान पर आधारित है, जिसमें किसी को पीछे न छोड़ते हुए समावेशी और साझा विकास पर विशेष जोर दिया गया है। इस मौके पर मलावी गणराज्य की ऊर्जा और खनन मंत्री डॉ. जीन मथांगा, विद्युत विभाग के सचिव पंकज अग्रवाल, रवांडा के उच्चायुक्त जैकलीन मुकनगिरा, जिम्बाब्वे से नोमुसा मुस्वाम्बी, मॉरीशस के द्वितीय सचिव विशाल मुम्मलू, इथियोपिया से मेलेसाइन अयानरा, दक्षिण अफ्रीका से एचआरएच लेबोगांग जुलु, स्विट्जरलैंड के ऊर्जा प्लेक्सस संस्थान से डॉ. लॉरेंस जोन्स, अफ्रीका 50 के सीईओ एलेन एबोबिसे, एनटीपीसी के एसएमडी गुरदीप सिंह, प्रधान सचिव अमनीत पी कुमार, निदेशक अशोक कुमार मीणा, मैनेजिंग डायरेक्ट विक्रम, मुख्यमंत्री के सलाहकार पवन चौधरी मौजूद रहे।

एआई शिक्षा से युवाओं को मिलेंगे नए रोजगार अवसर : मंत्री डा. अरविंद शर्मा

एजेंसी

सोनीपत। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा है कि हरियाणा में एआई मिशन के तहत युवाओं को आधुनिक तकनीकी कौशल से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। इसके तहत विश्व बैंक की सहायता से लगभग 474 करोड़ रुपये की योजना के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को एआई कौशल प्रदान किया जाएगा। इस पहल से लाखों युवाओं को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्षरूप से रोजगार के अवसर मिलने की संभावना है। मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा शनिवार को जवाहर लाल नेहरू वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बॉक्सिंग अकादमी के उद्घाटन और वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उद्देश्य यह है कि देश का युवा नवाचार और अनुसंधान से जुड़े तथा बदलते समय के अनुरूप स्वयं को तैयार कर सके। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि आधुनिक शिक्षा के विस्तार के लिए सरकार द्वारा निरंतर ढांचागत विकास और विभिन्न योजनाओं पर काम किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाला समय एआई का है और भारत इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। डॉ शर्मा ने विद्यालय प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान ने अनुशासन, संस्कार और आधुनिक शिक्षा के माध्यम से अभिभावकों का विश्वास जीता है। उन्होंने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा के लिए प्रेरित करें, क्योंकि यही राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी हैं।

आम आदमी पार्टी के भ्रष्टाचार से पंजाब का हर वर्ग दुखीः नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब में भाजपा सरकार बनने के बाद हरियाणा की तर्ज पर महिला, किसान, मजदूर, युवा सहित सभी वर्गों के हितों की योजनाएं लागू की जाएगी। आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार में डूबी हुई है और पंजाब को विकास के मामले में पीछे धकेल दिया है। ऐसी व्यवस्था से तंग आकर अधिकारी भी अपनी जान देने पर मजबूर हैं, जोकि निंदनीय है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पंजाब के लहरागागा के गांव बनारसी में युवा नेता राकेश सिंह गिल द्वारा आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस जनसभा में राकेश सिंह गिल ने अपने समर्थकों सहित मुख्यमंत्री की मौजूदगी में भाजपा का दामन थामा।

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब का यह इलाका अपनी अनाज मंडियों और व्यापारिक गतिविधियों के लिए पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध था। यह वह भूमि है जिसने हमेशा अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाई है, लेकिन आज बड़े दुःख के साथ कहना पड़ता है कि जिस धरती ने पंजाब को आर्थिक मजबूती दी, आज वहीं सरकार की अनदेखी के कारण अपनी पहचान खो रही है। समस्या का जिक्र करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी ने बदलाव का नारा देकर इस क्षेत्र को केवल अंधेरे में धकेला है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार ने दावा किया था कि मोहल्ला क्लिनिक खोलकर क्रांति लाएंगे, लेकिन सच यह है कि

उन्होंने कहा कि सरकारें आती-जाती हैं, लेकिन जो सरकार जनता की बुनियादी जरूरतों को भूलकर केवल विज्ञापनों की चमक में खो जाए, उसे सत्ता में रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। मुख्यमंत्री ने लहरागागा की बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं, बदहाल शिक्षा व्यवस्था, टूटी गलियों और बंद होते उद्योग की आज भी गंभीर बीमारी की स्थिति में यहां के लोगों को पटियाला, लुधियाना या हरियाणा के अस्पतालों में जाना पड़ता है। सबसे चिंताजनक विषय पंजाब की युवा शक्ति का नशे की चपेट में आने का है। पंजाब में बदहाल कानून व्यवस्था के कारण निवेश नहीं आ रहा, जिसके चलते लगातार पंजाब पिछड़ता जा रहा है।

हिसार में रोडवेज का लिपिक सस्पेंड, ठेकेदार का ठेका किया रद्द

एजेंसी

हिसार। राज्य परिवहन विभाग ने हिसार डिपो के बहुचर्चित बिजली के सब मीटर चोरी मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए तत्कालीन भवन लिपिक प्रदीप कुमार को सस्पेंड कर दिया है। इसके साथ ही उक्त लिपिक से मिलीभगत करके मीटर बदलने व विभाग को चूना लगाने वाले दुकानदार मयंक की दुकान का ठेका कैंसिल करने के निर्देश दिए हैं। विभागीय स्तर पर हुई इस बड़ी कार्रवाई की डिपो में दिनभर चर्चा रही। विभागीय सूत्रों के अनुसार सब मीटर चोरी करने के इस मामले की जांच लंबे समय से निदेशालय स्तर पर चल रही थी। इस जांच में दोषी पाए गए तत्कालीन भवन लिपिक प्रदीप कुमार को सस्पेंड कर दिया गया है। निदेशालय ने अपनी जांच में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया था कि सब मीटर बदलने व विभाग को चूना लगाने के मामले में लिपिक प्रदीप कुमार दोषी है। उसने संबंधित दुकानदार से मिलीभगत करके सब मीटर बदलवाए और विभाग को चूना लगाया। सूत्रों का कहना है कि उक्त लिपिक की मुख्यालय तक कई शिकायतें पहुंच गई थी और मुख्यालय के अधिकारी बार-बार डिपो अधिकारियों को उक्त लिपिक के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दे रहे थे लेकिन डिपो स्तर के अधिकारी उसे बचाने के प्रयास में लगे थे, जो अब भी जारी है। दुकान नंबर 8 व 9 के बदले थे मीटर विभागीय जांच में पाया गया है कि मुख्य बस अड्डे की दुकान नंबर 8 व 9 के ठेकेदार ने बिजली का अधिक प्रयोग किया तो उसका बिजली बिल लगभग डेढ़ लाख रुपये आया। उसने यह बिल भरने की बजाय सेंटिंग का रास्ता अपना और अपना सब मीटर बदलवा लिया। अधिकारियों को मिली शिकायत के अनुसार पहले इन दुकानों के लिए जयपुर कंपनी का मीटर लगा था, बाद में यहां पर क्राइओन कंपनी का मीटर लगवाया गया और फिलहाल यहांसिग्मा कंपनी का मीटर चल रहा है। विभाग ने पाई अनियमिता व फर्जीवाड़ा मुख्यालय पहुंची शिकायत के बाद जांच में पता चला कि यहां पूरी तरह फर्जीवाड़ा हुआ है। जांच में जहां दुकानदार की मिलीभगत पाई गई वहीं तत्कालीन भवन लिपिक प्रदीप को दोषी पाया गया।

हरियाणा में पटवारियों व कानूनगो को मिलेंगे टैबलेट

सरकार ने 4156 टैब खरीद को दी मंजूरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राजस्व प्रशासन में एक महत्वपूर्ण डिजिटल सुधार की शुरुआत करते हुए राज्य भर में पटवारियों और कानूनगो के लिए 4,156 स्मार्ट टैबलेट की खरीद को मंजूरी दी है। इसका उद्देश्य फील्ड संचालन का आधुनिकीकरण करना, प्रक्रियागत देरी को कम करना और राजस्व सेवाओं की समग्र डिलीवरी में सुधार लाना है।

वित्त आयुक्त (राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग) डॉ. सुमिता मिश्रा ने जारी जानकारी में कहा कि तकनीक को कार्यालयों और शहरी केंद्रों से आगे बढ़ाकर फील्ड स्तर तक पहुंचाया जा रहा है, जहां अधिकारी सीधे नागरिकों से संपर्क करते हैं। दशकों से पटवारी और कानूनगो मैनुअल रिकॉर्ड, हाथ से बने नक्शों और व्यापक कागजी कार्यवाही पर निर्भर रहे हैं, जिससे प्रक्रिया समय लेने वाली और शारीरिक रूप से कठिन रही है। इन टैबलेट के आने से अब अधिकारी फील्ड सर्वे कर सकेंगे, डेटा दर्ज कर

सकेंगे, जीपीएस-टैग्ड तस्वीरें ले सकेंगे और जानकारी को सीधे रियल टाइम में केंद्रीय सर्वरों पर अपलोड कर सकेंगे।

डॉ.मिश्रा ने बताया कि इन टैबलेट में उच्च स्तर के फीचर्स होंगे, जिनमें बड़ा डिस्प्ले, उन्नत प्रोसेसिंग क्षमता, पर्याप्त स्टोरेज और पूरे दिन के फील्ड कार्य के लिए लंबी बैटरी लाइफ शामिल है। 5जी और एलटीई कनेक्टिविटी के साथ-साथ जीपीएस और इमेजिंग सुविधाएं इन्हें दूरदराज और चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में भी प्रभावी ढंग से काम करने योग्य बनाती हैं।

सभी 4,156 टैबलेट को दो साल के क्लाउड-होस्टेड लाइसेंस के साथ मोबाइल डिवाइस मैनेजमेंट सिस्टम से जोड़ा जाएगा। इससे सरकार इन उपकरणों की रियल टाइम में निगरानी, अपडेट, सुरक्षा और प्रबंधन कर सकेगी, जिससे संचालन की निरंतरता, डेटा की शुद्धता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। डिजिटल उपकरणों के उपयोग से राजस्व सेवाओं में देरी कम होने, त्रुटियों में कमी आने और विसंगतियों को रोकने में मदद मिलेगी। विशेष रूप से किसानों को तेज, विश्वसनीय और घर-घर तक सेवाएं मिलने का लाभ होगा, जिससे उन्हें बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

नारनौल में रसोई गैस की कोई कमी नहीं, अफवाहों से बचें नागरिक : कैप्टन मनोज कुमार

एजेंसी

नारनौल। नारनौल में रसोई गैस की किल्लत को लेकर फैल रही अफवाहों के बीच उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने स्थिति स्पष्ट करते हुए नागरिकों से संयम बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जिले में गैस की किसी भी प्रकार की कमी नहीं है और सभी उपभोक्ताओं को नियमित रूप से सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उपायुक्त ने बताया कि जिले की विभिन्न गैस एजेंसियों के पास पहले से ही 10 हजार 269 सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक मौजूद था। इसके अलावा प्लांट से शुक्रवार को छह हजार 143 नए सिलेंडर भी प्राप्त हुए हैं, जिससे आपूर्ति व्यवस्था और मजबूत हुई है। उन्होंने जानकारी दी कि इनमें से छह हजार 49 सिलेंडरों की डिलीवरी उपभोक्ताओं के घरों तक सुचारू रूप से की जा चुकी है। उन्होंने आगे बताया कि वर्तमान में जिले की सभी गैस एजेंसियों के पास चार हजार 220 सिलेंडरों का क्लोजिंग स्टॉक सुरक्षित है, जो आने वाले दिनों की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। प्रशासन लगातार पूरे सिस्टम पर नजर बनाए हुए है ताकि किसी भी प्रकार की बाधा न आए। उपायुक्त ने नागरिकों से विशेष रूप से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और न ही घबराहट में आकर अनावश्यक रूप से गैस सिलेंडर जमा करें। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रवृत्ति से वास्तविक जरूरतमंद उपभोक्ताओं को परेशानी हो सकती है। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि गैस की कालाबाजारी या जमाखोरी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे नियमित रूप से गैस एजेंसियों की निगरानी करें और किसी भी अनियमितता पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करें। इस बीच, जिला प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सुचारू है और आम जनता को घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है।

ट्रंप के एक बयान से क्रिप्टो मार्केट में हाहाकार, बिटकॉइन 68,000 से नीचे लुढ़की

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बयान से क्रिप्टो मार्केट में

हाहाकार मचा हुआ है और ताबड़तोड़ बिकवाली शुरू हो गई। ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान ने 48 घंटे के भीतर होर्मुज की खाड़ी को नहीं खोला तो अमेरिका उसके पावर प्लांट तबाह कर देगा। इससे पश्चिम एशिया में 23 दिन से चल रहे युद्ध को और भीषण होने की आशंका बढ़ गई है और दुनियाभर में निवेशकों के हाथपांव फूल गए हैं। दुनिया की सबसे बड़ी, सबसे पुरानी और सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत 68,000 डॉलर से नीचे आ गई और पूरे क्रिप्टो मार्केट में भूचाल आ गया। ट्रंप ने महज 24 घंटे में ईरान मामले में यू-टर्न लिया है। इससे पहले उन्होंने कहा था कि वह ईरान में लड़ाई खत्म करने पर विचार कर रहे हैं। लेकिन उनके आज के बयान ने पश्चिम एशिया में तनाव को और बढ़ा दिया है। इससे पूरी दुनिया में निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि ट्रंप के बयान के महज 60 मिनट के भीतर 240 मिलियन डॉलर की लेवर्ड क्रिप्टो पोजीशन लिक्विडेट हो गई। इससे बिटकॉइन 68,000 से नीचे आ गई। इस हफ्ते की शुरुआत में यानी 18 मार्च को बिटकॉइन 76,000 के ऊपर चली गई थी जो उसका छह हफ्ते का हाई लेवल था। मगर पिछले तीन दिन से इसमें गिरावट आई है। बिटकॉइन और क्रिप्टो मार्केट तेल की बढ़ती कीमत और पश्चिम एशिया में बढ़ रहे संकट का असर दिख रहा है। माना जा रहा है कि अगर ईरान युद्ध जल्दी समाप्त नहीं हुआ तो कच्चे तेल की कीमत 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है।

जेरोधा के को-फाउंडर नितिन कामथ ने एलपीजी समस्या पर दी सलाह

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में एलपीजी की किल्लत के बीच जेरोधा के को फाउंडर और सीईओ

नितिन कामथ ने कहा है कि देश को इस संकट को मौके में बदलने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकल स्तर पर बायोगैस का उत्पादन करने की कोशिश करनी चाहिए। नितिन कामथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखतें, 'जो कुछ खाड़ी के देशों में हो रहा है, वह दर्शाता है कि भारत अपनी ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक क्षेत्र पर कितना निर्भर है। हम ज्यादातर कच्चा तेल और नेचुरल गैस बाहर से आयात करते हैं।' कामथ आगे लिखते हैं, 'जैसा कि कहावत है कि अच्छे संकट को कभी बेकार नहीं जाने देना चाहिए। अब समय आ गया है कि हम बायोगैस जैसे विकल्पों की ओर ध्यान दें। इस हम स्थानीय स्तर पर बना सकते है। पर्यावरण के लिहाज से भी यह काफी अच्छा है।' कामथ जलवायु, डीपटेक, फिनटेक, स्वास्थ्य और मीडिया के लिए बने 'रेनमैटर इंडिया फंड' के फाउंडर और समर्थक भी माने जाते हैं। यह फंड बायोगैस क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों की मदद करता है। युद्ध की वजह से गैस की सप्लाई चेन प्रभावित हुई है। जिसकी वजह से सरकार को नियमों में सख्ती करनी पड़ी। रेस्त्रां से लेकर होटल तक गैस की सप्लाई प्रभावित हुई। पिछले दिनों दो एलपीजी शिप भारत के पोर्ट पर पहुंचे हैं। लेकिन यह भारत की जरूरत के हिसाब से नाकाफी है। केंद्र सरकार ने तेल कंपनियों को एलपीजी प्रोडक्शन बढ़ाने का निर्देश दिया है। बता दें, विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के अनुसार अभी खाड़ी के देशों में भारत के 22 जहाज फंसे हुए हैं।

न्यू एटीएम रूल: एचडीएफसी से लेकर पीएनबी तक, 1 अप्रैल से बदल जाएंगे बैंकों में एटीएम से जुड़े नियम

आइए जानते हैं कि कौन-कौन से बैंकों ने नियमों में बदलाव किया है

नई दिल्ली, एजेंसी। 1 अप्रैल 2026 से एचडीएफसी सहित कई बैंकों के एटीएम ट्रांजैक्शन से जुड़े नियमों में बदलाव होने जा रहा है। जिसकी वजह से पैसा निकासी की लिमिट, फीस सहित बहुत कुछ बदल जाएगा। आइए जानते हैं कि कौन-कौन से बैंकों ने नियमों में बदलाव किया है।

1- **एचडीएफसी बैंक 1 अप्रैल से एटीएम के नियमों में क्या बदलाव करने जा रहा?:** इस प्राइवेट बैंक ने कहा है कि यूपीआई आधारित एटीएम कैश विथड्रॉल को अब महीने के फ्री एटीएम ट्रांजैक्शन लिमिट में ही जोड़ा जाएगा। यानी यूपीआई के जरिए एटीएम से पैसा निकालने को अब एटीएम की ट्रांजैक्शन लिमिट के साथ जोड़ा जाएगा। इस लिमिट को क्रॉस करने के बाद ग्राहकों हर एक एटीएम ट्रांजैक्शन पर फीस देनी होगी। नया नियम 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगा। बैंक ने बताया है कि लिमिट क्रॉस करने के बाद हर एक ट्रांजैक्शन 23 रुपये और टैक्स का भुगतान ग्राहकों को करना होगा। बता दें, एचडीएफसी ने मेट्रो शहरों में फ्री एटीएम ट्रांजैक्शन की लिमिट को तीन और नॉन मेट्रो शहरों में 5 ट्रांजैक्शन फ्री रखा है।

2- **पंजाब नेशनल बैंक ने लिमिट को घटाया:** इस सरकारी बैंक ने एटीएम से निकाले जाने वाले कैश की लिमिटेड में बदलाव किया है। पीएनबी के स्टेटमेंट के अनुसार के नया नियम 1 अप्रैल से लागू होगा। बैंक के ग्राहक 1 अप्रैल से एटीएम से एक दिन में 1 लाख रुपये की जगह 50,000 रुपये निकाल पाएंगे। यह नियम सिलेक्टेड डेबिट कार्ड पर प्रभावी रहेगा। वहीं, बैंक के रुपे सिलेक्ट

डेबिट कार्ड, पीएनबी रुपे सिलेक्ट नियो, पीएनबी रुपे सिलेक्ट एक्सल, विजा सिग्नेचर डेबिट कार्ड और मास्टर डेबिट कार्ड बिजनेस डेबिट कार्ड के डेबिट लिमिट को घटाकर 75000 रुपये कर दिया गया है। पहले इन कार्ड्स से 150000 रुपये तक निकाले जा सकते थे।

3- **बंधन बैंक:** इस बैंक ने भी डेबिट कार्ड से होने वाले फ्री ट्रांजैक्शन लिमिट को घटा दिया है। अब ग्राहक बंधन बैंक के एटीएम ने 5 ही फ्री फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन कर पाएंगे। वहीं, अन्य बैंकों के एटीएम से महीने में सिर्फ तीन फ्री ट्रांजैक्शन ही किए जा सकेंगे।

4- **जियो पेमेंट बैंक शुरू कर रहा नई सुविधा:** जियो पेमेंट बैंक ने क्यूआर आधारित कैश निकासी की सुविधा को शुरू किया है। इसके जरिए ग्राहक यूपीआई क्यूआर कोड को स्कैन करके किसी तय बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट के पास यूपीआई एप्लिकेशन के जरिए ट्रांजैक्शन को ऑथराइज करके पैसा निकाल सकते हैं।

हफ्ते भर में 11 हजार सस्ता हुआ सोना, घर बैठे ऐसे खरीदें आनलाइन गोल्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमतें कुछ समय पहले तक पीक पर थीं, लेकिन ईरान-इराक से बीच चल रहे युद्ध के कारण इसकी कीमतों में निरमी बनी हुई है। इस हफ्ते सोने-चांदी के दाम में गिरावट रही। सोना हफ्ते भर में 11 हजार रुपए गिरकर 1.47 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 13 मार्च को 1.58 लाख रुपए पर था। कई लोग इसे खरीदारी और निवेश करने के लिए सही समय मान रहे हैं। अगर आप भी गोल्ड खरीदने या उसमें निवेश करने का प्लान कर रहे हैं और चाहते हैं कि कहीं जाना न पड़े, घर बैठे ही सारा काम हो जाए, तो यहां हम आपको कुछ ऐसे तरीके बता रहे हैं, जिनसे आप घर बैठे ऑनलाइन गोल्ड खरीद सकते हैं। दरअसल, ऑनलाइन गोल्ड खरीदने के कई फायदे भी हैं, जैसे कि मेकिंग चार्ज नहीं देना पड़ता और आपको एकदम खरा सोना यानी 99.99 प्रतिशत प्योर गोल्ड मिल जाता है, जिसे आप जब चाहे बेच सकते हैं।

यह ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट प्रोडक्ट है, जो निवेशक को डिजिटल रूप में सोना खरीदने, बेचने और होल्ड करने की अनुमति देता है। जब कोई डिजिटल गोल्ड खरीदता है तो उसके बराबर की फिजिकल गोल्ड की मात्रा विक्रेता कंपनी की ओर से सुरक्षित रखी जाती है। देश में कई प्रमुख प्लेटफॉर्म हैं, जो डिजिटल गोल्ड की सुविधा प्रदान करते हैं। इनमें एमएमटीसी-पीएएमपी, सेफगोल्ड और ऑगमॉन्ट शामिल हैं। अन्य डिजिटल वॉलेट, फिनटेक ऐप और स्टॉक ब्रोकिंग कंपनियां भी इन्हीं के माध्यम से डिजिटल गोल्ड उपलब्ध कराती हैं। आप गूगल पे, फोन पे और पेटीएम के जरिए भी गोल्ड खरीद सकते हैं। कोई भी फैसला आंख बंद करके न लें। बेहतर होगा कि केवल भरोसेमंद प्लेटफॉर्म से खरीदें। शर्तें और शुल्क ध्यान से पढ़ें। सर्टिफिकेट और शुद्धता जांचें। स्टोरेज के नियम समझें और भुगतान करने के लिए सुरक्षित तरीके का ही इस्तेमाल करें। कई मोबाइल ऐप छोटे निवेशकों को 100 से शुरू होने वाले सोने के निवेश के नाम पर लुभा रहे हैं। सेबी ने स्पष्ट किया कि ऐसे डिजिटल गोल्ड उत्पाद, सेबी द्वारा नियंत्रित गोल्ड स्कीम्स से पूरी तरह अलग हैं। ये न तो किसी सिक्योरिटी के रूप में अधिसूचित हैं और न ही कमॉडिटी डेरिवेटिव के तहत आते हैं। भारतीय बाजार नियामक सेबी ने निवेशकों को सतर्क किया है कि कुछ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और मोबाइल ऐप डिजिटल गोल्ड या ई-गोल्ड को सोने में निवेश का आसान विकल्प बताकर बढ़ावा दे रहे हैं।

हॉस्टल की पतली दाल से आया आइडिया, काले कोट की जगह पकड़ी करछी, अब करोड़ों का कारोबार

नईदिल्ली, एजेंसी। मिरनल सेठी सिरसा (हरियाणा) के मंडी डबवाली से ताल्लुक रखते हैं। वकालत की पढ़ाई करने के बाद उन्होंने काला कोट पहनने के बजाय करछी उठाने का फैसला किया। उन्होंने 2020 में 'डॉ डाइट' नाम का स्टार्टअप शुरू किया था। यह किफायती हाई-प्रोटीन वाले खाने की पेशकश करता है। इसका आइडिया उन्हें पढ़ाई के दौरान हॉस्टल की पतली दाल और मैदे वाली रोटियों से आया। तब उन्होंने अनहेल्दी खाने से तंग आकर 250 रुपये के इंडक्शन पर खुद खाना बनाना शुरू किया था। उन्हें क्या पता था कि एलएलबी की पढ़ाई पूरी करने के बाद यही उनकी किस्मत के ताले खोल देगा। अपने क्लाउड किचन वेंचर से आज वह 10 करोड़ से अधिक का सालाना टर्नओवर हासिल कर रहे हैं। आइए, यहां मिरनल सेठी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। मिरनल सेठी हरियाणा के सिरसा जिले में

मंडी डबवाली के एक साधारण परिवार से आते हैं। 2020 में चंडीगढ़ से उन्होंने एलएलबी की पढ़ाई पूरी की। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट में इंटर्नशिप के दौरान उन्हें अहसास हुआ कि कानून की दुनिया उनके लिए नहीं है। फिटनेस के प्रति उनके जुनून और हॉस्टल में मिलने वाले अनहेल्दी खाने ने उन्हें कुछ अलग करने पर मजबूर किया। उन्होंने अपनी सेविंग से 3 लाख रुपये लगाकर चंडीगढ़ में एक छोटे से कमरे से 'डॉ डाइट' की नींव रखी। मिरनल सेठी शुरुआत में खुद साइकिल पर खाना डिलीवरी करते थे। लेकिन, मार्च 2020 के लॉकडाउन ने सब कुछ ठप कर दिया। जब वह महीनों बाद वापस लौटे तो चूहों ने उनकी दुकान तहस-नहस कर दी थी। उस वक्त वह पूरी तरह टूट गए थे।

डॉ. रेड्डीज़ लैबोरेट्रीज़ ने टाइप 2 डायबिटीज के लिए भारत का पहला डीसीजीआई-स्वीकृत सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन 'ओबेडा' लॉन्च किया

हैदराबाद, एजेंसी। डॉ. रेड्डीज़ लैबोरेट्रीज़ लिमिटेड (बीएसई: 500124, एनएसई: डीआररेड्डी, एनवाईएसई: आरडीवाई, एनएसईआईएफएससी: डीआररेड्डी अपनी सहायक कंपनियों सहित, जिन्हें सामूहिक रूप से डॉ. रेड्डीज़ कहा जाता है), एक वैश्विक फार्मास्युटिकल कंपनी, ने आज 'ओबेडा0' ब्रांड नाम के तहत अपने इंजेक्टेबल सेमाग्लूटाइड के लॉन्च की घोषणा की। यह भारत में टाइप 2 डायबिटीज के प्रबंधन के लिए उन्नत जीएलपी-1 रिसेप्टर एगोनिस्ट आधारित थेरेपी तक पहुंच का विस्तार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

डॉ. रेड्डीज़ जेनरिक सेमाग्लूटाइड के लिए ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया से मंजूरी प्राप्त करने वाली पहली भारतीय कंपनी बन गई है। यह लॉन्च पेटेंट समाप्ति के साथ ही इस सेगमेंट में कंपनी की 'डे-1' एंट्री को रेखांकित करता है और भारत में मरीजों की अपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उसकी तत्परता को दर्शाता है। आईसीएमआर-इंडियाब अध्ययन के अनुसार, भारत दुनिया में डायबिटीज के सबसे बड़े बोझ वाले देशों में से एक है, जहां 10.1 करोड़ से अधिक वयस्क इस बीमारी से प्रभावित हैं। अध्ययन के अनुसार, डायबिटीज की व्यापकता 11.4त्न है, जबकि लगभग हर 10 में से 4 वयस्क पेट के मोटापे से ग्रस्त हैं। इसके अलावा, लगभग 13.6 करोड़ लोग प्री-डायबिटिक हैं, जिससे उनमें इस बीमारी के विकसित होने का उच्च जोखिम है। ऐसे परिदृश्य में, सेमाग्लूटाइड, जो एक जीएलपी-1 रिसेप्टर एगोनिस्ट है, व्यापक उपचार योजना के हिस्से के रूप में उपयोग किए जाने पर ग्लाइसेमिक नियंत्रण में सुधार और वजन प्रबंधन में सहायता करने का वैश्विक स्तर पर सिद्ध रिकॉर्ड रखता है। 312 प्रतिभागियों को शामिल करते हुए किए गए हेड-टू-हेड फेज थर्ड क्लिनिकल अध्ययन में, डॉ. रेड्डीज़ के ओबेडा0 ने प्रभावकारिता में किसी भी प्रकार की कमी नहीं दिखाई (नॉन-इन्फीरियर) और इसकी सुरक्षा प्रोफाइल ओरिजिनेटर दवा के समान रही। इसने ग्लाइसेमिक कमी में समान परिणाम दिखाए। इसके अतिरिक्त, फास्टिंग ग्लूकोज नियंत्रण, भोजन के बाद (पोस्ट-प्रांडियल) ग्लूकोज नियंत्रण, तथा अध्ययन के अंत में चिकित्सीय ग्लाइसेमिक प्रतिक्रिया में भी समान परिणाम देखे गए। किसी भी एंटी-ड्रग एंटीबॉडी का पता नहीं चला और इसकी इम्यूनोजेनेसिटी प्रोफाइल भी ओरिजिनेटर दवा के समान रही। एपीआइ विकास एवं निर्माण, साथ ही फॉर्मुलेशन विकास पूरी तरह इन-हाउस किए जाने के साथ, ओबेडा0 जटिल उत्पाद विकास और पेप्टाइड साइंस में डॉ. रेड्डीज़ की मजबूत क्षमताओं को दर्शाता है। यह कंपनी की पेप्टाइड तकनीक में एक दशक से अधिक की विशेषज्ञता और उच्च गुणवत्ता वाली, किफायती दवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने तथा भारत की बदलती स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने की प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित करता है।

Dr.Reddy's

जीएलपी-1 थेरेपी के लिए अपनी भविष्य की योजनाओं के तहत, कंपनी पूरी तरह इंटीग्रेटेड एपीआइ और फॉर्मुलेशन दृष्टिकोण अपनाने पर कार्य करेगी, जिसमें विकास और निर्माण दोनों इन-हाउस शामिल होंगे। डॉ. रेड्डीज़ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एरेज़ इस्राएली ने कहा, आज का यह लॉन्च हमारे लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भारत और वैश्विक बाजारों में महत्वपूर्ण उपचार क्षेत्रों में हमारे पोर्टफोलियो का विस्तार करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जीएलपी-1 थेरेपी में हमारी एंट्री जटिल उत्पाद विकास और पेप्टाइड साइंस में हमारी क्षमताओं को प्रतिबिंबित करती है। यह नवाचार और पहुंच को साथ लाकर स्वास्थ्य सेवा में एक विश्वसनीय भागीदार बनने के हमारे दृष्टिकोण को मजबूत करता है, जिससे उन्नत डायबिटीज उपचार न केवल उपलब्ध हों, बल्कि किफायती भी हों। करने का लक्ष्य रखते हैं और 'वन प्रोडक्ट, वन क्वालिटी' दृष्टिकोण के माध्यम से सभी बाजारों में समान उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

एलपीजी सिलेंडर के दाम में हुआ है बदलाव?

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव का असर अब सीधे भारत के रसोई गैस बाजार पर दिखने लगा है। होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए होने वाला व्यापार लगभग ठप पड़ गया है, जिससे सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हुई है। भारत अपनी घरेलू जरूरतों का करीब 60 प्रतिशत एलपीजी आयात करता है, और इसमें से लगभग 90 प्रतिशत सप्लाई मध्य पूर्व से इसी रास्ते होकर आती है। ऐसे में हालात बिगड़ने का सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ रहा है।

फरवरी से चल रहा तनाव का माहौल: तनाव की शुरुआत तब हुई जब 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर संयुक्त हमले किए। इसके बाद पूरे क्षेत्र में संघर्ष बढ़ गया और तेल व गैस टैंकरों ने सुरक्षा कारणों से इस अहम समुद्री रास्ते से गुजरना लगभग बंद कर दिया।

भारत में एलपीजी सिलेंडर की किल्लत

इस संकट के चलते भारत में एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। मार्च की शुरुआत में घरेलू 14.2 किलो सिलेंडर की कीमत 50 बढ़ाई गई, जबकि 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर के दाम 144 तक बढ़ा दिए गए। हालांकि इसके बाद अभी तक कोई नई बढ़ोतरी नहीं की गई है। सरकार का कहना है कि देश में फिलहाल पर्याप्त भंडार है और घबराने की जरूरत नहीं है। सप्लाई की कमी को देखते हुए सरकार ने एलपीजी को आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत लाकर इसकी वितरण व्यवस्था को नियंत्रित कर दिया है। नई रणनीति के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जा रही है, जबकि होटल, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक

निवेशकों के लिए मौका! 24 मार्च को खुल रहा पावरिका आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप आईपीओ में निवेश करने की सोच रहे हैं, तो पावरिका आईपीओ आपके लिए एक दिलचस्प मौका हो सकता है। कंपनी का 1,100 करोड़ का आईपीओ 24 मार्च से 27 मार्च 2026 तक खुला रहेगा, जबकि एंकर निवेशकों के लिए बोली 23 मार्च 2026 को लगेगी। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 375 से 395 प्रति शेयर तय किया गया है, यानी निवेशकों को इसी रेंज में बोली लगानी होगी। खास बात ये है कि यह आईपीओ दो हिस्सों में बंटा है। इसमें 700 करोड़ के नए शेयर और 400 करोड़ ऑफर फॉर सेल है, जिसमें प्रमोटर्स अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। आइए जरा विस्तार से इसकी डिटेल्स जानते हैं।

अगर आप इसमें निवेश करना चाहते हैं, तो आपको कम से कम एक लॉट (37 शेयर) खरीदने होंगे, यानी

न्यूनतम निवेश लगभग 14,615 (ऊपरी प्राइस बैंड पर) के आसपास होगा। आईपीओ में 50 प्रतिशत हिस्सा क्यूआइबी (बड़े निवेशकों), 35 प्रतिशत रिटेल निवेशकों और 15 प्रतिशत एनआइआइ के लिए रिजर्व रखा गया है।

कंपनी इस आईपीओ से जुटाए गए पैसों का इस्तेमाल अपने कर्ज को चुकाने और बिजनेस विस्तार जैसे सामान्य कॉर्पोरेट कामों में करेगी। लिस्टिंग के बाद कंपनी को ब्रांड वैल्यू बढ़ाने और नए निवेशकों को आकर्षित करने में भी मदद मिलेगी।

बिजनेस की बात करें तो पावरिका पावर सेक्टर में एक जानी-मानी कंपनी है, जो डीजल जेनरेटर सेट्स और पावर सॉल्यूशंस देती है। यह कमिंस इंडिया की ऑथराइज्ड मैन्युफैक्चरिंग पार्टनर भी है और पिछले 40 सालों से इस कंपनी के साथ काम कर रही है। पावरिका के जेनरेटर 7.5 केवीए से लेकर 10,000 केवीए तक की क्षमता में आते हैं, जो छोटे से बड़े इंडस्ट्रियल कामों तक इस्तेमाल होते हैं। आईपीओ की टाइमलाइन भी ध्यान रखने लायक है। इसका अलॉटमेंट 30 मार्च 2026 को तय होगा, जबकि 1 अप्रैल 2026 को रिफंड और शेयर डिमैट अकाउंट में क्रेडिट हो जाएंगे।

एफडी पर जानें कहां मिल रहा है 8.25 प्रतिशत तक ब्याज, एसबीआई और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया काफी पीछे

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में इस समय भारी उठा-पटक जारी है। वहीं, सोने और चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिल रही है। इस अनिश्चितता के दौर में फिक्सड डिपॉजिट एक बेहतर विकल्प हो सकता है। आइए जानते हैं कि एफडी में कहां सबसे शानदार रिटर्न मिल रहा है। जना स्मॉल फाइनेंस बैंक 1 से 5 साल तक की एफडी पर 8.25 प्रतिशत तक का सालाना ब्याज दे रहा है। वहीं, [illegible] स्मॉल फाइनेंस बैंक की तरफ से 1 साल से 5 साल तक की एफडी पर 8 प्रतिशत तक ब्याज दिया जा रहा है। उत्कर्ष 1 से 5 साल तक के फिक्सड डिपॉजिट करने पर अपने ग्राहकों को 7.50 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है। एसबीएल बैंक ऑफ इंडिया ने 1 साल से 5 साल तक के एफडी पर 7.85 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है। वहीं,

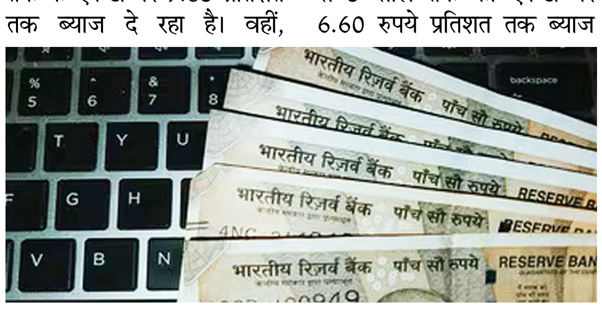

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की तरफ से एक साल से 5 साल तक के फिक्सड डिपॉजिट पर 7.50 प्रतिशत तक ब्याज दिया जाएगा।

पंजाब नेशनल बैंक अपने सामान्य ग्राहकों को 1 साल से 5 साल तक की एफडी पर 6.60 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है। केनारा बैंक की तरफ से एक साल से 5 साल तक की एफडी पर 6.60 रुपये प्रतिशत तक ब्याज दिया जा रहा है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अपने एफडी ग्राहकों को 1 साल से 5 साल तक की एफडी पर 6.40 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया 1 साल से 5 साल तक की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज अपने ग्राहकों को दे रहा है।

धर्मक्रांति का विलक्षण प्रयोग है योगक्षेम वर्ष

ललित गर्ग

सारस्प में यही कहा जा सकता है कि योगक्षेम वर्ष केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक विचार है; केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक आंदोलन है; केवल एक वर्ष नहीं, बल्कि एक युग परिवर्तन की शुरुआत है। यह वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार है, जो मनुष्य को बाहर से भीतर की यात्रा की ओर ले जाने का प्रयास कर रहा है। आचार्य श्री महाश्रमण एवं साध्वीप्रमुखा विश्रुतविभा के संचेतन पुरुषार्थ की सार्थकता इसी में है कि इनके मार्गदर्शन में हम प्रगति की महती मंजिलें तय करते हुए चैतन्य जागरण के नये आयाम में प्रवेश करें। यदि यह प्रयास सफल होता है, तो निश्चित रूप से आने वाला समय आध्यात्मिक जागरण, अहिंसा, शांति और प्रेम का समय होगा, और यही इस योगक्षेम वर्ष की सबसे बड़ी सार्थकता और सफलता होगी।

आज का युग विज्ञान, तकनीक और भौतिक प्रगति का युग माना जाता है, लेकिन इसी के साथ यह युग तनाव, असंतोष, हिंसा, युद्ध और मानसिक अशांति का भी युग बन गया है। मनुष्य ने बाहर की दुनिया को जीत लिया, लेकिन अपने भीतर की दुनिया को जीत नहीं पाया। उसने साधन बना लिये, लेकिन साधना भूल गया; उसने सुविधा पा ली, लेकिन शांति खो दी। ऐसे समय में यदि कोई आध्यात्मिक आंदोलन मनुष्य को अपने भीतर की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है, तो वह केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि धर्म क्रांति का आधार बन जाता है। इसी संदर्भ में जैन धर्म एवं दर्शन की तप, त्याग, साधना और अहिंसा की महान परंपरा में एवं महान् संत आचार्य श्री महाश्रमण के सान्निध्य में मनाया जा रहा योगक्षेम वर्ष वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार बनता दिखाई देता है। भारत की धरती पर यह एक ऐसा वर्ष मनाया जा रहा है, जो न संयुक्तराष्ट्र संघ द्वारा घोषित है न किसी राजनीतिक संगठन द्वारा प्रेरित है और न किसी महान पुरुष की स्मृति से जुड़ा हुआ है, इस वर्ष को मनाने का उद्देश्य है सर्वांगीण व्यक्तित्व-निर्माण।

मेरी दो दिन की लाडनूं यात्रा एवं योगक्षेम वर्ष में सहभागिता का सार है कि योगक्षेम वर्ष एक बार फिर धर्मसंघ के अभ्युदय का स्वर्णिम अवसर बन रहा है। जिसका उद्देश्य है अप्राप्त की प्राप्ति एवं प्राप्त का संरक्षण। यह अवसर दृष्टि एवं सोच में बदलाव का माध्यम होगा। जो ज्ञान, दर्शन और चारित्र की साधना में गति प्रदान करेगा। अनेक नवीन एवं पुरातन विषयों का तलस्पर्शी ज्ञान, जिससे वक्तृत्व में गंभीरता आएगी। आधुनिक दुनिया में धर्म को विशेषतः जैन धर्म को युगानुरूप प्रस्तुति देने का यह माध्यम बनेगा। योगक्षेम वर्ष के साथ विकास के तीन अर्थ हैं- आगे बढ़ना, रूकना और पीछे मुड़कर देखना। आगे बढ़ना यानी दुनिया के नवीनतम धर्म दर्शनों को आत्मसात करना। रूकना यानी अपनी विरासत को खगोलना। पीछे मुड़कर देखना यानी अपनी परम्परा और दर्शन को जीवंत करना। निश्चित तौर पर जैन धर्म के महान तपस्वी, अनुशासनप्रिय, दूरदर्शी और तेजस्वी आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में आध्यात्मिकता और आधुनिकता का अद्भुत संगम बनी जैन विश्व भारती में आज एक नया आध्यात्मिक इतिहास रचा जा रहा है, आध्यात्मिक प्रशिक्षण की एक नई परंपरा विकसित की जा रही है। यह वास्तव में जैन धर्म का एक अनूठा और संभवतः पहला ऐसा व्यापक प्रयोग है, जिसमें वर्षभर तक साधु-साध्वियों के साथ-साथ श्रावक समाज को भी गहन एवं व्यवस्थित रूप से जैन एवं तेरापंथ दर्शन, अध्यात्म, योग, ध्यान, स्वाध्याय, संयम और जीवन मूल्यों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

जैन, बौद्ध और वैदिक तीनों ही परंपराओं में योगक्षेम शब्द प्रयुक्त हुआ है। यह विशेष अर्थवत्ता का संवाहक है। तेरापंथ

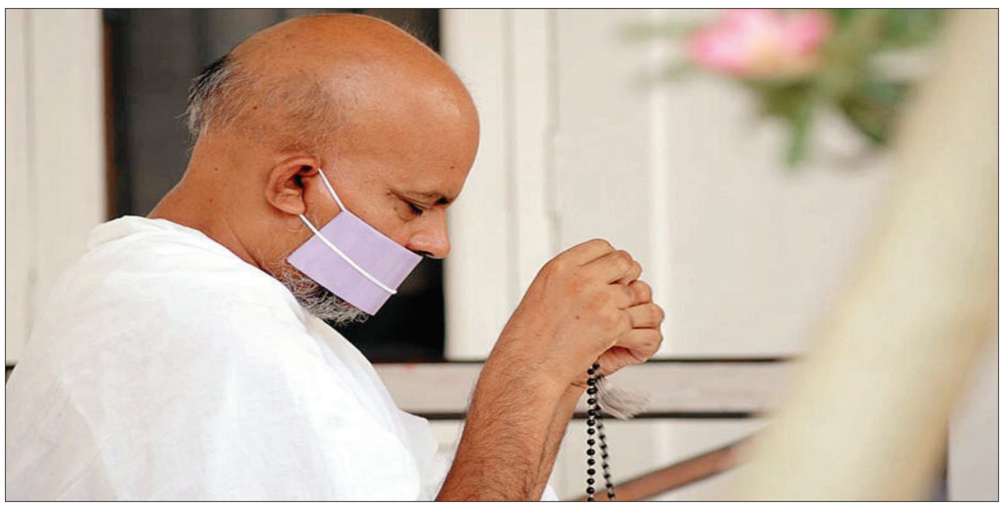

धर्मसंघ ने इसे नया संदर्भ दिया है। प्रज्ञा या अन्तर्दृष्टि के जागरण से अनुबंधित किया है। योगक्षेम वर्ष का अर्थ भी अत्यंत गहरा और व्यापक है। योग का अर्थ केवल योगासन या शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मसंयम, ध्यान, साधना, तप, स्वाध्याय, अनुशासन और आत्मजागरण है। क्षेम का अर्थ है आत्मकल्याण, मानसिक शांति, संतुलन, सुरक्षा और आध्यात्मिक उन्नति। इस प्रकार योगक्षेम वर्ष का उद्देश्य है- व्यक्ति के भीतर योग अर्थात् आत्मसंयम और साधना का विकास हो तथा उसके जीवन में क्षेम अर्थात शांति, संतोष और आध्यात्मिक कल्याण स्थापित हो। जब व्यक्ति का जीवन संतुलित और शांत होगा, तभी समाज में शांति आएगी और जब समाज शांत होगा, तभी विश्व में शांति संभव होगी। आचार्य तुलसी के समय में भी साधना, योग और आध्यात्मिक जागरण से जुड़े इस योगक्षेम वर्ष की विशेष आयोजना हुई थी। उस समय के प्रयोगों की सफलता और सार्थकता को देखते हुए अब उसी परंपरा को नए स्वरूप में पुनः प्रारंभ किया गया है। यह परंपरा और नवाचार का सुंदर समन्वय है, जहाँ पुरानी साधना परंपरा आधुनिक धर्म-समाज की आवश्यकताओं के अनुसार नए रूप में सामने आ रही है। यही जीवंत धर्म की पहचान है कि वह समय के साथ अपने स्वरूप को समाज के हित में विकसित करता रहे।

आज विश्व जिस दौर से गुजर रहा है, वह अत्यंत चिंताजनक है। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, असहिष्णुता, मानसिक तनाव, अवसाद, पारिवारिक विघटन और पर्यावरण संकट जैसी समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं। विज्ञान और तकनीक इन समस्याओं का पूर्ण समाधान नहीं दे सकते, क्योंकि ये समस्याएँ बाहरी नहीं, बल्कि मनुष्य के मन से जुड़ी हुई हैं। जब तक मनुष्य के भीतर शांति नहीं होगी, तब तक बाहर शांति संभव नहीं है। इसलिए आज दुनिया को हथियारों से ज्यादा ध्यान की जरूरत है, प्रतिस्पर्धा से ज्यादा करुणा की जरूरत है, और भौतिकता से ज्यादा आध्यात्मिकता की जरूरत है। योगक्षेम वर्ष इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो मनुष्य को अपने भीतर की यात्रा करने के लिए प्रेरित करता है। योगक्षेम वर्ष के माध्यम से संदेश दिया जा रहा है कि धर्म केवल सुनने की चीज नहीं, बल्कि जीवन में धारण करने एवं जीवन को बदलने की चीज है; धर्म केवल मानने की चीज नहीं, बल्कि जीने की चीज है। यदि व्यक्ति अपने जीवन में थोड़ा संयम, थोड़ा ध्यान, थोड़ा स्वाध्याय, थोड़ा त्याग और थोड़ा प्रेम जोड़ ले, तो उसका जीवन स्वयं बदल सकता है। यही छोटा परिवर्तन आगे चलकर समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। इसलिए योगक्षेम वर्ष वास्तव में व्यक्ति परिवर्तन से समाज परिवर्तन और समाज परिवर्तन से राष्ट्र एवं विश्व परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

योगक्षेम वर्ष के कार्यक्रमों को 'प्रज्ञापर्व' नाम से अभिहित किया गया क्योंकि प्रज्ञा का जागरण इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था। 'पण्णा समिक्खए' इस आगम सूक्त को प्रतीक के रूप में रखा गया। इस विलक्षण प्रयोग एवं प्रशिक्षण के पीछे पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण का लक्ष्य या संकल्प है-'चतुर्विध धर्मसंघ के व्यक्तित्व का निर्माण करना, उनकी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाना, भावनात्मक विकास करना, स्वभाव-परिवर्तन की कला सिखाना और प्रायोगिक जीवन जीना सिखाना, एक वाक्य में कहा जाए तो आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण करना।' पूरे वर्ष प्रशिक्षणार्थी को अनेक विषयों के ज्ञान के साथ योगासन, ध्यान, कायोत्सर्ग, जप, अनुप्रेक्षा, मंत्र साधना आदि के प्रयोग भी कराए जा रहे हैं। यदि मनुष्य अहिंसा को अपनाए, तो युद्ध समाप्त हो सकते हैं; यदि अनेकांत को अपनाए, तो विवाद समाप्त हो सकते हैं; यदि अपरिग्रह को अपनाए, तो आर्थिक और पर्यावरण संकट कम हो सकते हैं। इस प्रकार जैन धर्म का दर्शन केवल धार्मिक दर्शन नहीं, बल्कि विश्व शांति का दर्शन है, और योगक्षेम वर्ष उसी दर्शन को व्यवहार में उतारने का प्रयास है।

आचार्य श्री महाश्रमण की दूरदर्शी सोच, उनका अनुशासन, उनका साधना-प्रधान जीवन और समाज को आध्यात्मिक दिशा देने का उनका प्रयास वास्तव में अद्वितीय है। उन्होंने धर्म को केवल परंपरा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जीवन और समाज से जोड़ा। समय को बांधने की अद्भुत खूबी है उनमें। कम समय में अधिक काम। वह भी इतनी सहजता और निर्भरता से सम्पादित कर लेने की सामर्थ्य, उनकी कार्य व्यस्तता कभी व्यग्रता में नहीं बदलती। यह सब इसीलिए हो सकता है कि उनकी प्रत्येक प्रवृत्ति निवृत्ति से निथर कर आती है। उनकी क्रियाशीलता आंतरिक स्थिरता स्थितप्रज्ञता से अभिनिःसृत होती है। उन्होंने साधना को केवल साधु-साध्वियों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि श्रावक समाज तक पहुँचाने का प्रयास किया। योगक्षेम वर्ष उसी दूरदृष्टि और आध्यात्मिक सोच का परिणाम है, जो आने वाले समय में जैन धर्म ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है। वास्तव में योगक्षेम वर्ष को जैन धर्म के इतिहास में एक स्वर्णिम दौर की शुरूआत के रूप में देखा जा सकता है। यह वर्ष साधना का वर्ष है, आत्मजागरण का वर्ष है, संयम का वर्ष है, चरित्र निर्माण का वर्ष है, और सबसे बढ़कर यह धर्म क्रांति का वर्ष है। यदि इस वर्ष का संदेश जन-जन तक पहुँचे, लोग योग, ध्यान, संयम, अहिंसा, शांति और प्रेम को अपने जीवन में अपनाएँ, तो समाज में एक नया परिवर्तन आ सकता है। तब धर्म केवल मंदिरों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में दिखाई देगा।

साररूप में यही कहा जा सकता है कि योगक्षेम वर्ष केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक विचार है; केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक आंदोलन है; केवल एक वर्ष नहीं, बल्कि एक युग परिवर्तन की शुरूआत है। यह वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार है, जो मनुष्य को बाहर से भीतर की यात्रा की ओर ले जाने का प्रयास कर रहा है। आचार्य श्री महाश्रमण एवं साध्वीप्रमुखा विश्रुतविभा के संचेतन पुरुषार्थ की सार्थकता इसी में है कि इनके मार्गदर्शन में हम प्रगति की महती मंजिलें तय करते हुए चैतन्य जागरण के नये आयाम में प्रवेश करें। यदि यह प्रयास सफल होता है, तो निश्चित रूप से आने वाला समय आध्यात्मिक जागरण, अहिंसा, शांति और प्रेम का समय होगा, और यही इस योगक्षेम वर्ष की सबसे बड़ी सार्थकता और सफलता होगी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

अब यह 'तेल-गैस युद्ध'

ईरान युद्ध में अमरीका की ओर से कुछ सुखद संकेत आए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि वह अमरीकी सैनिक नहीं भेजेंगे। अमरीका युद्ध जीत चुका है। ईरान का पूरा नेतृत्व समाप्त हो चुका है। अब शीघ्र ही सामान्य हालात होंगे। अमरीका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट का बयान आया है कि ईरान पर से तेल की पाबंदियां हटाई जा सकती हैं। समुद्र में जिन जहाजों, टैंकरों में ईरान का तेल है, वह उसे किसी भी देश को बेच सकेगा। शीघ्र ही फैसला लिया जा सकता है। अमरीकी राष्ट्रपति ने युद्ध की समाप्ति के संकेत दिए हैं, लेकिन जब तक वह घोषणा नहीं करते और अपनी सेनाओं की वापसी का आदेश नहीं देते, तब तक सब कुछ अनिश्चित और अस्थिर है, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप की फितरत ही ऐसी है। दरअसल ईरान युद्ध के आयाम बिल्कुल बदल चुके हैं। अब यह ह्यतेल-गैस युद्धह्न के खौफनाक, विध्वंसक चरण में प्रवेश कर चुका है। यदि अमरीका वाकई युद्ध समेटना चाहता है, तो पेंटागन ने अमरीकी कांग्रेस (संसद) से 200 अरब डॉलर, यानी 18.64 लाख करोड़ रुपए, के अतिरिक्त फंड की मांग क्यों की है? यह बेहद मौजू सवाल है। यदि भारत के शेयर और कारोबारी बाजार की बात करें, तो युद्ध के 20 दिनों में ही 37 लाख करोड़ रुपए स्वाहा हो चुके हैं। बीती 19 मार्च को एक ही दिन में करीब 14 लाख करोड़ रुपए डूब चुके हैं। ये सिर्फ वित्तीय सेवाओं, संस्थानों और कॉरपोरेट के ही नुकसान हैं। समग्र नुकसान अनंत, असीम हो सकता है। विशेषज्ञों के आकलन हैं कि यदि कच्चे तेल की कीमतें, लंबे वक्त तक, 120 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रहीं, तो वित्त वर्ष 2027 में देश की जीडीपी बढ़ोतरी और कॉरपोरेट आय पर बुरा असर पडना तय है। भारत 19 लाख करोड़ रुपए का निर्यात खाड़ी देशों को करता है, जो युद्ध के कारण बाधित है, जाहिर है कि अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है। ईरान के जिस 'साउथ पार्स गैस प्लांट' पर इजरायल ने विनाशकारी हमला किया था, वह 1800 ट्रिलियन क्यूबिक फीट गैस का सर्वाधिक उत्पादन करता है। पार्स अकेले ही 13 लंबे सालों तक दुनिया की गैस-जरूरतों की आपूर्ति कर सकता था। प्राकृतिक गैस उत्पादन में ईरान, अमरीका और रूस के बाद, तीसरा सबसे बड़ा गैस उत्पादक देश है। प्राकृतिक गैस 'ईरान की लाइफलाइन' रही है, क्योंकि वहां 80 फीसदी बिजली प्राकृतिक गैस से ही बनाई जाती रही है। उस प्लांट को जला कर खाक कर दिया गया है।

चिंतन-मनन

प्रार्थना की पुकार

यदि प्रार्थना सच्ची हो तो परमपिता परमेश्वर उस प्रार्थना को जरूर ही सुनते हैं। परमपिता परमेश्वर अत्यंत कृपालु और दयालु हैं, परंतु प्रार्थना के लिए भी हृदय का पवित्र और निर्मल होना अत्यंत आवश्यक है। मन का पवित्र होना, अहंकार और अभिमान से रहित होना नितांत आवश्यक है। ऐसे पवित्र-हृदय-अंतः करण से उत्पन्न हुए भाव ही प्रार्थना हैं। हृदय की पवित्रता का अर्थ है अपने आपको सांसारिक तुच्छ विषय-वासनाओं की आसक्तियों से मुक्त कर लेना। सब तरह की आसक्ति से रहित होना ही हृदय की पवित्रता है। किसी तपस्वी ने ठीक ही कहा है- सच्चे-वास्तविक जीवन को पाने की आकांक्षा उत्पन्न होना ही प्रार्थना है। हमारे भीतर हृदय में जिसकी खोज होगी, भीतर जिस चीज को पाने की प्यास होगी- तो, ही हम उस दिशा में जा सकेंगे। प्रार्थना होती है आत्म बोध से। आत्मबोध में ही परमार्थ की प्यास जगती है और तुच्छ स्वार्थी का परित्याग होता है।

प्रार्थना है- परिपूर्ण समर्पण, अपने अहंकार के बोझ को अपने सिर से उतार फेंकना और उसके पावन चरणों में अपना सिर झुका देना। जो प्रभु की कृपाएं और उनका अनुग्रह चाहता है उसे चाहिए कि वह किसी से भी किसी तरह का वैर-विरोध न करे। वह सत्य बोले, वह असत्य, छल-कपट, निंदा-चोरी आदि से हमेशा दूर रहे। अपनी इंद्रियों पर हमेशा संयम रखे, किसी भी प्रकार का लोलुप-लालची न हो। वह कभी अहंकार अभिमान न करे, शत्रु-द्वेष को छोडकर मन को शुद्ध पवित्र रखें। प्रार्थना की शक्ति बहुत ही अद्भूत है। वह भगवान को भक्त का उद्धार करने के लिए अवश्य ही बाध्य कर देती है, परंतु प्रार्थना सच्ची हो, हृदय से हो। भगवान ने प्रार्थना मीरा की सुनी, बुद्ध की सुनी, उन सबकी सुनी जिन्होंने परहित के लिए उन्हें याद किया। वह हर मानव मन में चल रहे भाव-कुभाव को अच्छी तरह से जानते हैं। अतः उसके समक्ष जब भी जाएं, शुद्ध भाव रखें।

भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु : शहादत जो आज भी जिंदा है

योगेश कुमार गोयल

भारत के महान् वीर सपूतों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रतिवर्ष 23 मार्च को शहीद दिवस मनाया जाता है, जो प्रत्येक भारतवासी को गौरव का अनुभव कराता है। यह वही दिन है, जब अंग्रेजों से भारत की आजादी के लिए लड़े भारत मां के वीर सपूतों भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव को अंग्रेजों ने ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जॉन सॉन्डर्स की हत्या के आरोप में फांसी पर लटका दिया था। हालांकि पहले इन वीर सूपतों को 24 मार्च 1931 को फांसी दी जानी थी लेकिन इनके बुलंद हौंसलों से भयभीत ब्रिटिश सरकार ने जन आन्दोलन को कुचलने के लिए उन्हें एक दिन पहले 23 मार्च 1931 को ही फांसी दे दी थी।

क्रांतिकारियों राजगुरू और सुखदेव का नाम हालांकि सदैव शहीदे आजम भगत सिंह के बाद ही आता है लेकिन भगत सिंह का नाम आजादी के इन दोनों महान क्रांतिकारियों के बगैर अधूरा है क्योंकि इनका योगदान भी भगत सिंह से किसी भी मायने में कमतर नहीं था। तीनों की विचारधारा एक ही थी, इसीलिए तीनों की मित्रता बेहद सुदृढ़ और मजबूत थी। भगतसिंह और सुखदेव के परिवार लायलपुर में आसपास ही रहते थे और दोनों परिवारों में गहरी दोस्ती थी। 15 मई 1907 को पंजाब के लायलपुर में जन्मे सुखदेव भगतसिंह की ही तरह बचपन से आजादी का सपना पाले हुए थे। भगत सिंह, कामरेड रामचन्द्र और भगवती चरण बोहरा के साथ मिलकर उन्होंने लाहौर में नौजवान भारत सभा का गठन कर सॉन्डर्स हत्याकांड में भगतसिंह तथा राजगुरू का साथ दिया था। 24 अगस्त 1908 को पुणे के खेड़ा में जन्मे राजगुरू छत्रपति शिवाजी की छापामार शैली के प्रशंसक थे और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के विचारों से काफी प्रभावित थे। अच्छे निशानेबाज रहे राजगुरू का रूझान जीवन के शुरूआती दिनों से ही क्रांतिकारी गतिविधियों की तरफ होने लगा था। वाराणसी में उनका सम्पर्क क्रांतिकारियों से हुआ और वे हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी से जुड़ गए। चन्द्रशेखर आजाद, भगत सिंह और जतिन दास राजगुरू के अभिन्न मित्र थे।

पुलिस के बर्बर लाठीचार्ज के कारण स्वतंत्रता संग्राम के दिग्गज नेता लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए राजगुरू ने 19 दिसम्बर 1928 को भगत सिंह के साथ मिलकर लाहौर में जॉन सॉन्डर्स को गोली मारकर स्वयं को गिरफ्तार करा दिया था और भगत सिंह वेश बदलकर कलकत्ता निकल गए थे, जहां उन्होंने बम बनाने की विधि सीखी। भगत सिंह बिना कोई खून-खराबा किए ब्रिटिश शासन तक अपनी आवाज पहुंचाना चाहते थे लेकिन तीनों क्रांतिकारियों को अब यकीन हो गया था कि पराधीन भारत की बेड़ियां केवल अहिंसा की नीतियों से नहीं काटी जा सकती, इसीलिए उन्होंने अंग्रेजों की मजदूरों के प्रति शोषण की नीतियों के पारित होने के खिलाफ विरोध प्रकट करने के लिए लाहौर की केन्द्रीय असेम्बली में बम फेंकने की योजना बनाई।

1929 में चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में 'पब्लिक सेफ्टी' और 'ट्रेड डिस्प्यूट बिल' के विरोध में सेंट्रल असेंबली में बम फैंकने के लिए 'हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी' की पहली बैठक हुई। योजनाबद्ध तरीके से भगत सिंह ने 8 अप्रैल 1929 को बटुकेश्वर दत्त के साथ केन्द्रीय असेंबली में एक खाली स्थान पर बम फैंका, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि वे चाहते तो भाग सकते थे लेकिन भगत सिंह का मानना था कि गिरफ्तार होकर वे बेहतर ढ़ंग से अपना संदेश दुनिया के सामने रख पाएंगे। असेंबली में फैंके गए बम के साथ कुछ पर्चे भी फैंके गए थे, जिनमें भगत सिंह ने लिखा था, ह्यआदमी को मारा जा सकता है, उसके विचारों को नहीं। बड़े साम्राज्यों का पतन हो जाता है लेकिन विचार हमेशा जीवित रहते हैं और बहरे हो चुके लोगों को सुनाने के लिए ऊंची आवाज जरूरी है।'

हालांकि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू को अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया था लेकिन पुलिस ने तीनों को जॉन सॉन्डर्स की हत्या के लिए आरोपित किया। गिरफ्तारी के बाद सॉन्डर्स की हत्या में शामिल होने के आरोप में भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव पर देशद्रोह तथा हत्या का मुकद्दमा चलाया गया और उन्हें मौत की सजा सुनाई। इसी मामले को बाद में ह्यलाहौर षड्यंत्र केसह्न के नाम से जाना गया। भगत सिंह और उनके साथियों ने 64 दिनों तक भूख हडताल की। 23 मार्च 1931 की शाम भारत मां के इन तीनों महान वीर सपूतों को फांसी दे दी गई। फांसी पर जाते समय तीनों एक स्वर में गा रहे थेः-

दिल से निकलेगी न मरकर भी वतन की उल्फत,
मेरी मिट्टी से भी खुशबू ए वतन आएगी।

ब्रिटिश हुकूमत को उखाड़ फैंकने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले इन तीनों महान् स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को देश सदैव याद रखेगा। वतन के लिए त्याग और बलिदान इनके लिए सर्वोपरि रहा। इनके विचार आज भी देश के करोड़ों युवाओं का मार्गदर्शन करते हैं।

तेल, गैस के बाद इन्टरनेट पर ग्रहण लग सकती है

बिनोद कुमार सिंह

डिजिटल दुनिया रफ्तार पर लग सकती ब्रेक, हैईरान, होर्मुज और इंटरनेट की अदृश्य जंग के मड़राते काले बादल...

विश्व व्यवस्था के बदलते परिदृश्य में अब शक्ति की परिभाषा केवल सैन्य क्षमता या आर्थिक पहलु तक सीमित नहीं रह गई है,बल्कि यह धीरे-धीरे डिजिटल ढाँचे और डेटा नियंत्रण तक फैलती जा रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के मध्य एक नई आशंका ने वैश्विक मंच पर विचार - विमर्श को जन्म दिया है - क्या ईरान ऐसी स्थिति उत्पन्न कर सकता है,जिससे विश्व की इंटरनेट व्यवस्था प्रभावित हो जाए? यह प्रश्न केवल एक सनसनीखेज संभावना नहीं,बल्कि उस जटिल वैश्विक ताने-बाने का अंहम हिस्सा है,जिसमें मानव समुदाय का आधुनिक जीवन पूरी तरह उलझा हुआ है। विगत दिनों में होर्मुज जलडमरू मध्य को विश्व ऊर्जा आपूर्ति के सबसे संवेदनशील मार्ग के रूप में देखा जाता रहा है,जहाँ से होकर वैश्विक तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। वैश्विक राजनीतिक जानकारों का कहना है कि बदलते समय के साथ यह क्षेत्र केवल ऊर्जा का मार्ग नहीं रहा, बल्कि यह डिजिटल दुनिया की एक महत्वपूर्ण धुरी बन चुका है। समुद्र की गहराइयों में बिछी फाइबर- ऑप्टिक केबल्स,जो आँखों से ओझल रहती हैं,वास्तव में वैश्विक इंटरनेट की जीवनरेखा हैं। इन्हीं के माध्यम से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों के बीच डेटा का निरंतर प्रवाह बना रहता है। लाल सागर और होर्मुज जैसे क्षेत्र इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं,क्योंकि यहाँ से गुजरने वाली केबल्स यूरोप,एशिया और अफ्रीका को जोड़ती हैं। इन केबल्स के जरिए ही वीडियो कॉल, ईमेल,बैंकिंग लेन-देन, शेयर बाजार की गतिविधियाँ और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सेवाएं संचालित होती हैं। यह पूरी व्यवस्था इतनी सहज लगती है कि सामान्यतः हम इसकी जटिलता और संवेदनशीलता को समझ ही नहीं पाते। इंटरनेट को लेकर यह धारणा कि इसे एक झटके में बंद किया जा सकता है,तकनीकी रूप से पूरी तरह सही नहीं है। वैश्विक इंटरनेट एक विकेंद्रीकृत प्रणाली है, जिसमें सैकड़ों केबल्स और हजारों सर्वर जुड़े हुए हैं। इसलिए किसी एक देश के लिए पूरी दुनिया का इंटरनेट ठप कर देना संभव नहीं है। फिर भी, यह भी उतना ही सच है कि यदि किसी महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर स्थित केबल्स को नुकसान पहुंचता है,तो इसका असर व्यापक स्तर पर दिखाई दे सकता है। इंटरनेट पूरी तरह बंद न भी हो,तो उसकी गति धीमी हो सकती है,सेवाओं में बाधा आ सकती है और वैश्विक संचार व्यवस्था अस्थिर हो सकती है। भारत जैसे विकासशील देश,जो तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं,इस प्रकार के किसी भी व्यवधान से सीधे प्रभावित हो सकते हैं। आज बैंकिंग,शिक्षा,स्वास्थ्य,व्यापार और सरकारी सेवाओं का बड़ा हिस्सा इंटरनेट पर निर्भर हो चुका है। यदि डेटा के प्रवाह में किसी प्रकार की बाधा आती है,तो इसका असर केवल तकनीकी नहीं,बल्कि सामाजिक और आर्थिक भी होगा। आम नागरिक को इसका अनुभव इंटरनेट की धीमी गति,ऑनलाइन सेवाओं में देरी और डिजिटल लेन-देन में असुविधा के रूप में होगा,जबकि बड़े स्तर पर यह आर्थिक गतिविधियों को भी प्रभावित कर सकता है। इस पूरे परिदृश्य में वैश्विक टेक कंपनियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। एमजॉन,माईको साफ्ट और गुगल जैसी कंपनियों ने पश्चिम एशिया के विभिन्न देशों में बड़े डेटा सेंटर स्थापित किए हैं,जो वैश्विक नेटवर्क का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन केंद्रों के माध्यम से डेटा का आदान-प्रदान होता है और विभिन्न महाद्वीपों के बीच डिजिटल संपर्क बना रहता है। यदि समुद्री केबल्स प्रभावित होती हैं,तो इन कंपनियों की सेवाओं पर भी असर पड़ सकता है,जिसका प्रभाव दुनिया भर के उपयोगकताओं तक पहुंचेगा। आज की भू-राजनीति में यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि डेटा और कनेक्टिविटी भी एक प्रकार की शक्ति बन चुके हैं। जिस प्रकार ऊर्जा आपूर्ति को नियंत्रित करके वैश्विक स्तर पर प्रभाव डाला जाता है,उसी प्रकार डेटा प्रवाह को प्रभावित करके भी दबाव बनाया जा सकता है। होर्मुज और लाल सागर जैसे क्षेत्र अब केवल भौगोलिक महत्व के नहीं रहे, बल्कि वे रणनीतिक दृष्टि से ह्यडिजिटल चोक-पॉइंटह्न बनते जा रहे हैं,जहाँ किसी भी प्रकार की अस्थिरता का असर दूर-दूर तक महसूस किया जा सकता है। हालांकि इस संभावित खतरे को देखते हुए दुनिया पूरी तरह असहाय नहीं है। वैकल्पिक समुद्री मार्गों का विकास,सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवाओं का विस्तार और डेटा नेटवर्क को अधिक लचीला बनाने के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। वही वर्तमान के वैश्विक ढांचा अभी भी इन प्रमुख मार्गों पर काफी हद तक निर्भर है। संक्षेप का सार यह है कि ह्लईरान पूरी दुनिया का इंटरनेट बंद कर देगाह्व जैसी बातें भले ही अतिशयोक्ति हों,लेकिन इनके पीछे छिपी चेतावनी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह हमें यह समझने का अवसर देती है कि आधुनिक दुनिया कितनी गहराई से आपस में जुड़ी हुई है और किस प्रकार एक क्षेत्र की अस्थिरता का प्रभाव वैश्विक स्तर पर पड़ सकता है। आज आवश्यकता है एक संतुलित और दूरदर्शी दृष्टिकोण की, जिसमें तकनीकी समझ, कूटनीतिक संतुलन और राष्ट्रीय हितों का समन्वय हो। आने वाले समय में शक्ति का स्वरूप और भी बदलने वाला है,उस समय वही देश आगे होंगे,जो न केवल अपनी सीमाओं की रक्षा करेंगे,बल्कि अपनी डिजिटल संरचना को भी सुरक्षित और मजबूत बनाए रखेंगे। वैश्विक राजनीतिक के मामले पर पैनी नजर रखने वाले जानकारों का कहना है कि अगर ईरान - इसाईल-अमेरिका के युद्ध विराम नही होता तो डिजिटल दुनिया रफ्तार पर लग सकती है। ब्रेक,हैईरान,होर्मुज और इंटरनेट की अदृश्य जंग के मड़राते काले बादल ना केवल भारत जैसे विकासशील देश बल्कि सम्पूर्ण विश्व को प्रभावित कर सकती है।

संक्षिप्त समाचार

60 साल में पहली बार अल-अक्सा मस्जिद ईद में बंद

तेहरान, एजेंसी। दुनियाभर में ईद का जश्न शुरू हो चुका है। मिडिल ईस्ट में अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच पिछले 22 दिनों से जंग चल रही है। ऐसे में 60 साल में पहली बार इजराइल के यरुशलम में अल-अक्सा मस्जिद को ईद की नमाज के लिए बंद कर दिया गया है। 1967 के अरब-इजराइल युद्ध के बाद पहली बार है, जब अल-अक्सा को पूरी तरह बंद किया गया है। यह मुसलमानों के लिए मक्का और मदीना के बाद तीसरा सबसे पवित्र स्थल है। ईरान में ईद बाजार वीरान नजर आए। वहीं कतर, श्व और कुवैत जैसे देशों में खुले मैदानों में नमाज पढ़ने पर रोक लगा दी गई है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने ईद-उल-फितर के अवसर पर जंग में अस्थायी विराम की घोषणा की। जंग को 5 दिनों के लिए रोक दिया गया है। यह कदम सऊदी अरब, तुर्किए और कतर की अपीलों के बाद उठाया गया है। सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार नेप कहा कि यह सीजफायर 18/19 मार्च की रात से 23/24 मार्च की रात तक लागू रहेगा। हालांकि, किसी भी सीमा पार हमले, ड्रोन हमले या पाकिस्तान में आतंकवादी घटना होने पर ऑपरेशन तुरंत फिर से शुरू कर दिया जाएगा।

पोलैंड ने सुरक्षा चिंताओं के बीच इराक से अपने सैनिकों को वापस बुलाया

वारसॉ, एजेंसी। मध्य पूर्व में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के बीच पोलैंड ने इराक से अपने सैनिकों को वापस बुला लिया है। रक्षा मंत्री व्लादिस्लाव कोसिनियाक कामिश ने इसकी घोषणा की। यह निर्णय परिचालन स्थितियों और संभावित जोखिमों के आकलन के बाद लिया गया। कोसिनियाक कामिश ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। शिन्हुआ के अनुसार, पोलिश प्रेस एजेंसी के हवाले से इराक में अधिकतम 350 पोलिश सैनिक तैनात थे। इस दल को जॉर्डन, कतर और कुवैत में भी संचालन की अनुमति थी। कोसिनियाक कामिश ने आगे बताया कि अधिकांश कर्मी पहले ही पोलैंड लौट चुके हैं या वापस आने के रास्ते में हैं जबकि कुछ को अपना मिशन जारी रखने के लिए जॉर्डन स्थानांतरित किया गया है। इस बीच, इराक में नाटो मिशन ने भी सुरक्षा चिंताओं के कारण अपने कर्मियों की अस्थायी वापसी शुरू कर दी है। एक वरिष्ठ सुरक्षा स्रोत ने शुक्रवार को इराकी न्यूज़ एजेंसी (आईएनए) को यह जानकारी दी। सूत्र ने इस कदम को जारी संघर्ष और मिशन सदस्यों की सुरक्षा को लेकर चिंताओं के कारण उठाया गया अस्थायी उपाय बताया। आईएनए के अनुसार युद्ध समाप्त होने और इराक में सुरक्षा स्थिति स्थिर होने पर वे वापस लौट आएंगे। गैर-लड़ाकू सलाहकार नाटो मिशन इराक 2018 में इराकी सरकार के अनुरोध पर स्थापित किया गया था, ताकि उसके सुरक्षा क्षेत्र को मजबूत किया जा सके। यह अस्थायी वापसी 28 फरवरी को तेहरान और ईरान के कई अन्य शहरों पर इज़राइल और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा किए गए संयुक्त हमलों के बाद बढ़े तनाव के बीच हुई, जिसमें ईरान के तत्कालीन सर्वोच्च नेता सहित वरिष्ठ सैन्य कमांडरों और नागरिकों की मौत हो गई। इसके जवाब में ईरान ने मध्य पूर्व में इज़राइल और अमेरिकी ठिकानों तथा संपत्तियों को निशाना बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन हमलों की कई लहरें शुरू कीं।

जेलेंस्की ने अमेरिका भेजा प्रतिनिधिमंडल, फिर तेज हुई त्रिपक्षीय वार्ता की कोशिशें

कीव, एजेंसी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने एक प्रतिनिधिमंडल अमेरिका भेजा है, ताकि उनके देश पर रूस के आक्रमण को समाप्त करने के लिए थमी हुई वार्ता को आगे बढ़ाया जा सके। वहीं, क्रेमलिन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को संकेत दिया कि मॉस्को और कीव के बीच अमेरिका की मध्यस्थता वाली वार्ता का नया दौर जल्द शुरू हो सकता है। उन्होंने कहा, त्रिपक्षीय वार्ता में अभी तक अहम मुद्दों पर कोई बड़ी प्रगति नहीं हुई है। यह वार्ता रुकी हुई है, क्योंकि ईरान युद्ध दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। जेलेंस्की जल्द वार्ता शुरू करना चाहते हैं और उन्होंने गुरुवार शाम कहा कि उन्होंने प्रतिनिधियों को अमेरिका भेजा है, जिनकी शनिवार को बैठक होने की उम्मीद है। हालांकि, व्हाइट हाउस ने किसी बैठक की पुष्टि नहीं की है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि रूस उन वार्ताओं में शामिल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि नए त्रिपक्षीय बैठक का समय और स्थान अभी तय नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, यह विराम अस्थायी है, हम उम्मीद करते हैं कि त्रिपक्षीय प्रारूप की वार्ता फिर शुरू होगी। पश्चिमी यूरोपीय अधिकारियों ने पिछले साल कई बार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर वार्ता में देरी करने का आरोप लगाया। पुतिन अपनी सेना का उपयोग करके अधिक यूक्रेनी भूमि पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। रूस की सेना यूक्रेन के लगभग 20 फीसदी हिस्से पर कब्जा कर चुकी है। 28 फरवरी को इस्राइल और अमेरिका ने ईरान पर हमले शुरू किए।

ईरान पर हमले के लिए ब्रिटेन ने अमेरिका को सौंपी सैन्य ठिकानों की चाबी! फिर भी खुश नहीं हुए ट्रंप

लंदन, एजेंसी। एक बड़े नीतिगत बदलाव के तहत, ब्रिटेन ने अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों को निशाना बनाने वाले ईरानी मिसाइल ठिकानों पर हमले के लिए अपने सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल करने की अनुमति दे दी है। शुक्रवार को ब्रिटिश प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस फैसले की पुष्टि की। यह कदम ब्रिटिश मंत्रियों के बीच बढ़ते युद्ध और दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण शिपिंग मार्गों में से एक को बाधित करने के ईरान के प्रयासों को लेकर हुई आपातकालीन वार्ता के बाद उठाया गया है।

ब्रिटिश सरकार का तर्क: 'सामूहिक रक्षा : वाशिंगटन की सैन्य प्रतिक्रिया का स्पष्ट समर्थन करते हुए, ब्रिटिश सरकार ने कहा कि यह कदम 'सामूहिक रक्षा' के अंतर्गत आता है। आधिकारिक बयान में कहा गया: क्षेत्र की सामूहिक आत्मरक्षा के लिए अमेरिका द्वारा ब्रिटेन के ठिकानों का इस्तेमाल करने के समझौते में अमेरिकी रक्षात्मक अभियान शामिल हैं। इसका उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर हमला करने के लिए इस्तेमाल की जा रही मिसाइल साइटों और उनकी क्षमताओं को नष्ट करना है।

प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने क्यों बदला अपना रुख : यह मंजूरी ऐसे समय में आई है जब कुछ ही दिन पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने ऐसे ही एक अनुरोध को यह कहते हुए टाल दिया था कि किसी भी कार्रवाई के लिए

कानूनी औचित्य की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया था कि ब्रिटेन, ईरान के साथ किसी व्यापक युद्ध में सीधे तौर पर नहीं घसीटा जाएगा। हालांकि, मध्य पूर्व में ब्रिटिश सहयोगियों पर ईरान द्वारा किए गए हमलों के बाद स्टार्मर ने अपना रुख बदल लिया। अब अमेरिका ब्रिटेन के दो प्रमुख सैन्य ठिकानों का उपयोग कर सकेगा: आरएएफ फेयरफोर्ड, और हिंद महासागर में स्थित संयुक्त अमेरिका-ब्रिटेन बेस डिएगो गार्सिया।

डोनाल्ड ट्रंप की प्रतिक्रिया: 'बहुत देर से उठाया गया कदम' : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप युद्ध शुरू होने के बाद से ही स्टार्मर की आलोचना करते रहे हैं। उनका मानना था कि ब्रिटेन पर्याप्त मदद नहीं कर रहा है। इस फैसले के बाद भी ट्रंप ने अपनी आलोचना जारी रखते हुए इसे बहुत देर से दी गई प्रतिक्रिया बताया। वाइट हाउस के बाहर ट्रंप ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो मैं ब्रिटेन से थोड़ा हैरान था- उन्हें बहुत पहले ही कार्रवाई करनी चाहिए थी।

सोमवार को भी ट्रंप ने निराशा जताते हुए ब्रिटेन को कभी सहयोगियों का रोल्स-रॉयस कहा था। डिएगो गार्सिया का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि रिश्ते मजबूत होने के बावजूद यह देरी असामान्य थी, और टिप्पणी की कि उन्होंने उस द्वीप का इस्तेमाल नहीं करने दिया जिस पर पता नहीं क्यों उन्होंने अपने अधिकार छोड़ दिए।

ईरान की तीखी प्रतिक्रिया और चेतावनी : दूसरी ओर, ईरान ने इस कदम की कड़ी आलोचना की है और इसके गंभीर परिणामों की चेतावनी दी है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने स्टार्मर पर अमेरिकी सेना को ब्रिटिश ठिकानों का इस्तेमाल करने की अनुमति देकर ब्रिटिश नागरिकों की जान खतरे में डालने का आरोप लगाया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अरागची ने लिखा: ब्रिटेन के अधिकांश लोग ईरान पर थोपे गए इजरायल-अमेरिका युद्ध का हिस्सा नहीं बनना चाहते हैं। अपने ही लोगों की अनदेखी करते हुए, मिस्टर स्टार्मर ईरान के खिलाफ आक्रामकता के लिए ब्रिटेन के ठिकानों के इस्तेमाल की अनुमति देकर ब्रिटिश नागरिकों की जान खतरे में डाल रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि तेहरान इस कदम के खिलाफ आत्मरक्षा के अपने अधिकार का प्रयोग करेगा।

क्यूबा ने बिजली संकट के बीच अमेरिकी दूतावास के डीजल आयात पर लगाई रोक

हवाना, एजेंसी। अमेरिका के साथ बढ़ती तनातनी के बीच क्यूबा ने सख्त संदेश देते हुए राजधानी हवाना स्थित अमेरिकी दूतावास का डीजल आयात का अनुरोध पूरी तरह ठुकरा दिया है। क्यूबा की सरकार के इस फैसले को केवल अमेरिकी दूतावास में ईंधन के मसले के तौर पर नहीं, बल्कि राजनीतिक चुनौती और ट्रंप को खुला दो टूक संदेश के तौर पर भी देखा जा रहा है। ऊर्जा को लेकर ट्रंप प्रशासन की धमकियों और ब्लैकमेल के बावजूद क्यूबा के इस सख्त संदेश ने एक नई चर्चा को जन्म दे दिया है।

इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि क्यूबा ने अमेरिकी दूतावास की डीजल आयात करने की अनुमति देने की अनुरोध को पूरी तरह से खारिज कर दिया है, जिससे ऊर्जा संकट और कूटनीतिक तनाव बढ़ गया है। क्यूबा सरकार ने यह फैसला ट्रंप प्रशासन की तरफ से देश पर लागू ईंधन ब्लॉकएड के बीच लिया है, जिससे क्यूबा को विदेश से तेल और डीजल की आपूर्ति मुश्किल हो गई है।

दूतावास में डीजल आयात करना चाहता था : बताया जा रहा है कि अमेरिकी दूतावास अपने जेनरेटर के लिए डीजल इम्पोर्ट करना चाह रहा था, क्योंकि लंबे समय से बिजली कटौती और ऊर्जा संकट के कारण दूतावास की रोजमर्रा की कामकाज में कठिनाइयां आ रही हैं। अमेरिका की तरफ से क्यूबा में ईंधन ब्लॉकएड लागू करने के बाद देश में डीजल की कमी

इतनी गंभीर हो गई है कि अमेरिका के विदेश विभाग ने हवाना में अपने कर्मचारियों की संख्या कम करने पर विचार शुरू कर दिया है। हालांकि अगर ऐसा होता है कि तो संभव है कि क्यूबा भी अपनी वाशिंगटन दूतावास में कर्मचारियों की संख्या घटाने की मांग करे।

इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि क्यूबा को पहले मुख्य रूप से तेल वेनेजुएला से मिलता था। लेकिन अब वहां से तेल नहीं आ रहा है। अमेरिका ने वेनेजुएला के साथ संबंधों को रोक दिया है और किसी भी देश को क्यूबा को तेल देने पर सजा देने की धमकी दी है। क्यूबा अब अपने स्वयं के प्राकृतिक गैस, सोलर ऊर्जा और स्थानीय तेल पर निर्भर है। लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। इस वजह से देश में कई जगह बिजली कटौती और सर्विस की समस्याएं हो रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वे क्यूबा में सरकारी बदलाव चाहते हैं। ट्रंप ने क्यूबा के नेताओं को चेतावनी दी कि वे वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की तरह न हो जाएं, जिन्हें अमेरिका ने सत्ता से हटाया था। हालांकि अमेरिका और क्यूबा के बीच बातचीत जारी है।

दक्षिण कोरिया के डेजॉन में ऑटो पार्ट्स प्लांट में आग से 10 की मौत, 59 घायल

डेजॉन, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के डेजॉन में एक कार पार्ट्स फैक्ट्री में लगी भीषण आग में 10 लोगों की मौत हो गई जबकि चार अन्य अब भी लापता हैं। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि 59 लोग गंभीर या मामूली रूप से घायल हुए हैं। दमकलकर्मी उन चार लोगों की तलाश कर रहे हैं, जो आग लगने के समय लापता हो गए थे।

अधिकारियों के अनुसार, एक शव फैक्ट्री की दूसरी मंजिल पर मिला जबकि अन्य नौ शव तीसरी मंजिल पर पाए गए। शुक्रवार दोपहर 1:17 बजे आग लगने की सूचना मिलने के समय प्लांट के अंदर कुल 170 कर्मचारी मौजूद थे। आग की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रीय अग्निशमन एजेंसी ने राष्ट्रीय स्तर की फायरफाइटिंग मोबिलाइजेशन का आदेश जारी किया, जो तब दिया जाता है जब आग का स्तर स्थानीय प्रशासन की क्षमता से अधिक माना जाता है। संरचना के ढहने की आशंका के कारण दमकलकर्मी पहले अंदर प्रवेश नहीं कर पा रहे थे। साथ ही, इमारत के अंदर मौजूद 200 किलोग्राम सोडियम ने भी आग बुझाने के प्रयास को जटिल बना दिया, क्योंकि गलत तरीके से संभालने पर यह विस्फोट कर सकता था। अधिकारियों ने बताया कि विशेषज्ञों द्वारा इमारत में प्रवेश को सुरक्षित घोषित करने के बाद शुक्रवार रात 10:50 बजे से खोज अभियान शुरू किया गया। एक अधिकारी ने कहा कि दमकलकर्मी लापता लोगों को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। अधिकारी ने कहा, 'हम उन संरचनाओं को तोड़ने की योजना बना रहे हैं, जिनकी जांच पहले ही रेस्क्यू डॉग्स कर चुके हैं, ताकि बचावकर्मियों को तैनात किया जा सके और लापता लोगों की तलाश जारी रखी जा सके। दक्षिण कोरिया के प्रधानमंत्री किम मिन-सोक ने गृह मंत्रालय और अग्निशमन एजेंसी को आपात निर्देश दिए कि लोगों को बचाने और आग बुझाने के लिए सभी उपलब्ध उपकरणों और कर्मियों का उपयोग किया जाए। दक्षिण कोरिया के प्रधानमंत्री ने डेजॉन महानगर प्रशासन और पुलिस को यातायात नियंत्रण और निकासी उपाय लागू कर आगे किसी भी नुकसान को रोकने का आदेश भी दिया।

ट्रम्प बोले- ईरान को तबाह कर रहे, सीजफायर नहीं करेंगे, मुझे लगता है हम जीत चुके, उनकी नेवी, एयरफोर्स, एयर डिफेंस सब खत्म

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि अमेरिका ईरान के साथ सीजफायर नहीं करेगा। उन्होने कहा, 'बातचीत हो सकती है, लेकिन लड़ाई रोकने का इरादा नहीं है।' ट्रम्प ने कहा, 'जब आप दूसरे पक्ष को पूरी तरह तबाह कर रहे होते हैं, तब सीजफायर नहीं किया जाता।' ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका ने ईरान की सैन्य ताकत को काफी हद तक खत्म कर दिया है।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है हम जीत चुके हैं। हमने उनकी नेवी, एयरफोर्स, एयर डिफेंस सब खत्म कर दिए हैं।' हालांकि उन्होंने यह भी माना कि ईरान अब भी होर्मुज स्ट्रेट में रुकावट डाल रहा है। होर्मुज को लेकर ट्रम्प ने कहा कि इसे खोलना

मुश्किल नहीं है, लेकिन इसके लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग जरूरी होगा। उन्होंने नाटो देशों की आलोचना करते हुए कहा कि वे अब तक मदद के लिए आगे नहीं आए हैं।

ट्रम्प ने नाटो देशों को कायर बताया : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान युद्ध में साथ न देने पर नाटो सहयोगी देशों पर नाराजगी जताई है। ट्रम्प ने कहा है कि नाटो देश कायर हैं और अमेरिका के बिना यह गठबंधन सिर्फ कागजी शेर है। ट्रम्प ने होर्मुज स्ट्रेट का जिक्र करते हुए कहा कि इसे खुला रखने के लिए सैन्य मदद देना आसान है, लेकिन सहयोगी देश इसमें भी पीछे हट रहे हैं। उन्होंने कहा, 'यह बहुत आसान सैन्य कदम है, जिसमें बहुत कम जोखिम है, लेकिन वे मदद नहीं करना चाहते। कायर हैं, और हम इसे याद रखेंगे।'

संयुक्त राष्ट्र महासचिव बोले- बोर्ड ऑफ पीस ट्रम्प का निजी प्रोजेक्ट बन गया : संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि यूएन, ट्रम्प के बोर्ड ऑफ पीस के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है, लेकिन केवल अमेरिकी राष्ट्रपति के नेतृत्व में चल रही पहल को प्रभावी तरीका नहीं मानता।

पोलिटिको को दिए इंटरव्यू में गुटेरेस ने कहा कि मौजूदा समय में यह एक तरह से ट्रम्प का निजी प्रोजेक्ट बन गया है, जिसमें पूरा नियंत्रण उनके पास है। उन्होंने कहा, 'यह हमारे सामने मौजूद गंभीर समस्याओं को हल करने का प्रभावी तरीका नहीं है। हमें अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मूल्यों को स्पष्ट रूप से ध्यान में रखना होगा, जो किसी भी शांति पहल के लिए जरूरी हैं।' हालांकि, गुटेरेस ने यह भी बताया कि संयुक्त राष्ट्र बोर्ड ऑफ पीस द्वारा बनाई गई संरचनाओं के साथ काम कर रहा है। खासकर गाजा के पुनर्निर्माण पर। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद ट्रम्प से बात की है, तो उन्होंने साफ कहा, नहीं।

बांग्लादेश के विदेश मंत्री अगले महीने भारत आएंगे

ढाका, एजेंसी। अंतरिम सरकार के दौरान बिगड़े भारत और बांग्लादेश के द्विपक्षीय रिश्ते वापस पटरी पर लौटने के आसार हैं। बांग्लादेश की नवनिर्वाचित तारिक रहमान सरकार के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान अगले महीने के पहले हफ्ते भारत आएंगे। शुक्रवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर की भारत स्थित बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमीदुल्लाह की मुलाकात के बाद ये जानकारी सामने आई है।

गौरतलब है कि बीते साल के अंतिम दिन पूर्व पीएम खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में हिस्सा लेने बांग्लादेश गए जयशंकर ने अपने बांग्लादेशी समकक्ष को भारत आने का न्योता दिया था। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह मुलाकात आपसी संबंधों को आगे बढ़ाने पर केंद्रित थी। सूत्रों के मुताबिक विदेश मंत्री रहमान 8 अप्रैल को हिंद

महासागर सम्मेलन में शिरकत करने के क्रम में दिल्ली होते हुए मॉरीशस जाएंगे। इससे पूर्व भारत ने बांग्लादेश में नई सरकार के गठन का स्वागत किया था और प्रधानमंत्री मोदी ने तब बीएनपी के मुखिया और वर्तमान पीएम तारिक रहमान को फोन कर बधाई दी थी। बाद में उनके शपथ ग्रहण में शामिल होने बांग्लादेश गए लोकसभा स्पीकर ने पीएम रहमान को मोदी का पत्र सौंपा था, जिसमें उन्हें भारत आने का न्यौता दिया गया था।

ऊर्जा संकट के बीच बढ़ी नजदीकी : यूं तो नई सरकार के गठन के बाद से ही दोनों ओर से द्विपक्षीय संबंधों को पटरी पर लाने की पहल हुई, मगर इसमें पश्चिम एशिया में ईरान युद्ध के कारण उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट ने भी अहम भूमिका निभाई। इस दौरान बांग्लादेश ने भारत से 50 हजार टन डीजल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। भारत इस अनुरोध के मद्देनजर पहली खेप के तहत 5,000 टन डीजल भेजने के साथ उपलब्धता के आधार पर और मदद करने के संकेत दे चुका है।

अंतरिम सरकार में रहते भी की थी संबंध बेहतर करने की पहल : अंतरिम सरकार में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहते विदेश मंत्री रहमान ने दोनों देशों के बिगड़ते रिश्ते को ठीक करने की पहल की थी। तब दिल्ली दौरे पर आए रहमान ने एनएसए अजित डोभाल से बात की थी। गौरतलब है कि रहमान इकलौते शख्स हैं, जिन्हें अंतरिम सरकार के साथ नई सरकार में भी शामिल होने का अवसर मिला।

धीरे-धीरे आगे बढ़ने की रणनीति... दोनों देशों के बीच सबसे बड़ा मुद्दा अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यार्पण का है। हालांकि संकेत हैं कि इस मुख्य मुद्दे से पहले दोनों देश अन्य मामलों में नरमी लाने की रणनीति पर आगे बढ़ रहे हैं। इस क्रम में इस दौरे को भी देखा जा रहा है।

रूस के बाद अब ईरान से तेल खरीद पर हटा प्रतिबंध

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने समुद्र में फंसे ईरानी तेल पर लगाए गए प्रतिबंधों को अस्थायी रूप से हटाने का फैसला किया है। ट्रंप प्रशासन ने एक महीने के लिए विशेष अनुमति देते हुए इन प्रतिबंधों को 19 अप्रैल तक स्थगित कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक यह राहत उन तेल खेपों पर लागू होगी, जो शुक्रवार तक जहाजों में लोड की जा चुकी थीं। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, यह कदम बढ़ती तेल कीमतों को नियंत्रित करने के प्रयास के तहत उठाया गया है। इस बीच ईरान ने चेतावनी दी है कि वह अपने जवाबी हमलों का दायरा बढ़ाकर दुनिया भर के पर्यटन और मनोरंजन स्थलों को भी निशाना बना सकता है। क्या ईरान पर कम होंगे अमेरिका-इस्राइल के हमले? इसी दौरान अमेरिका ने पश्चिम एशिया में और अधिक युद्धपोत और मरीन तैनात करने की घोषणा की। हालांकि कुछ घंटों बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि उनका प्रशासन क्षेत्र में सैन्य अभियान को कम करने पर विचार कर रहा है। उनका यह बयान ऐसे समय आया, जब तेल कीमतों में उछाल के कारण अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई। युद्ध के बीच विरोधाभासी संकेत सामने आ रहे हैं और संघर्ष थमता नजर नहीं आ रहा है। ईरान ने इस्राइल और खाड़ी क्षेत्र के ऊर्जा ठिकानों पर हमले तेज कर दिए हैं। यह घटनाक्रम उस समय हो रहा है, जब क्षेत्र में धार्मिक महत्व का दिन मनाया जा रहा था और ईरान में लोग पारंपरिक नववर्ष नवरोज का उत्सव मना रहे थे।

दुनियाभर में गहरा रहा ऊर्जा संकट : ईरान से सीमित जानकारी सामने आने की वजह से यह साफ नहीं है कि अमेरिका और इस्राइल के हमलों से उसके परमाणु, सैन्य या ऊर्जा ठिकानों को कितना नुकसान हुआ है। ये हमले 28 फरवरी से जारी हैं। हालांकि, ईरान के हमलों के कारण तेल आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे न केवल पश्चिम एशिया बल्कि वैश्विक स्तर पर खाद्य और ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। अमेरिका और इस्राइल ने इस युद्ध के अलग-अलग कारण बताए हैं। इनमें ईरान के नेतृत्व को कमजोर करने के साथ उसके परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को खत्म करना शामिल है। इन तमाम वजहों के बाद भी ईरान में फिलहाल न तो किसी बड़े जनविद्रोह के संकेत मिले हैं और न ही युद्ध के जल्द खत्म होने की कोई संभावना दिखाई दे रही है।

ईरान ओमान और तुर्की पर हालिया हमलों के पीछे नहीं : मोजतबा खामेनेई

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने तुर्की और ओमान के कुछ हिस्सों पर हमलों से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि तुर्की और ओमान के कुछ हिस्सों पर हाल में हुए हमले ईरानी सशस्त्र बलों या उसके सहयोगियों की ओर से नहीं किए गए थे। वेबसाइट पर छपे एक बयान के मुताबिक, मोजतबा खामेनेई ने यह बात शुक्रवार (लोकल टाइम) को ईद-उल-फितर आने पर बधाई देने के लिए एक मैसेज में कही, जो रमजान महीने के खत्म होने और 21 मार्च को ईरानी नए साल की शुरुआत 'नवरोज' का प्रतीक है।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, खामेनेई ने कहा कि ईरान के तुर्की और ओमान दोनों के साथ सही रिश्ते हैं। उन्होंने इजरायल की 'चालबाजी' को लेकर चेतावनी देते हुए कहा कि वह पड़ोसी देशों के बीच फूट डालने के लिए 'फॉल्स फ्लैग' ऑपरेशनों का सहारा ले सकता है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे ऑपरेशन दूसरे देशों में भी किए जा सकते हैं।

उन्होंने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों के महत्व पर जोर देते हुए अफगानिस्तान और पाकिस्तान से आपसी संबंध बेहतर बनाने की अपील की और इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने की अपनी तत्परता जताई।

ईरानी नेता ने नागरिकों के रहन-सहन के स्तर और देश के इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने की जरूरत पर भी बल दिया, जिसमें जनता की भलाई और संपत्ति सृजन पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई। साथ ही उन्होंने नए साल को राष्ट्रीय एकता के प्रकाश में प्रतिरोध अर्थव्यवस्था का साल घोषित किया। इसी बीच, नाटो तुर्की के दक्षिणी अदाना प्रांत में एक अतिरिक्त पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम तैनात कर चुका है। तुर्की के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, पिछले सप्ताह ईरान की ओर से दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल को रोकने के बाद यह कदम उठाया

गया। तुर्की के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रियर एडमिरल जेकी अकतुर्क ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'हमारे एयरस्पेस और हमारे नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर उठाए गए कदमों के अलावा, जर्मनी के रामस्टीन में एलाइड एयर कमांड की ओर से तैनात एक और पैट्रियट सिस्टम को अदाना में तैनात किया जा रहा है, जो वहां पहले से मौजूद स्पेनिश पैट्रियट सिस्टम को सपोर्ट करेगा।'

अकतुर्क ने कहा कि 13 मार्च को ईरान से लॉन्च की गई एक मिसाइल तुर्की के एयरस्पेस में घुस गई, जिसे नाटो एयर और मिसाइल डिफेंस यूनिट्स ने पूर्वी भूमध्य सागर के ऊपर निष्क्रिय कर दिया।

बता दें कि 28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने तेहरान और ईरान के कई अन्य शहरों पर संयुक्त हमले किए थे, जिसमें ईरान के तत्कालीन सर्वोच्च नेता खामेनेई समेत कई वरिष्ठ सैन्य कमांडर और नागरिक मारे गए थे। इसके जवाब में ईरान ने इजरायल और मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों व संपत्तियों को निशाना बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन हमले किए।

होंठ : नर्म, नाजुक और गुलाबी

मौसम कोई-सा भी हो होंठों पर उसका इफेक्ट न हो, इसके लिए शरीर में विटामिन ए व बी कॉम्प्लेक्स की कमी न होने दें। इसके लिए अपने दैनिक आहार में हरी सब्जी, दूध, घी, मक्खन, ताजे फल और ज्यूस लेती रहें।

तिल के तेल की मालिश त्वचा का रूखापन दूर करती है। साथ ही 10-20 ग्राम काले तिल चबाकर ठंडा पानी पीने से दांतों की नैसर्गिक चमक बरकरार रहती है।

उबलते पानी पर एक बर्तन में वैक्स डालकर पिघला लें। इसमें कोकोआ बटर मिलाएं। अब इस मिश्रण को ठंडा होने दें। इसे लिप ब्रश की मदद से होंठों पर लगाएं। इससे होंठों का सौंदर्य बना रहेगा।

होंठों की त्वचा खुरदरी हो गई हो तो रात को सोने से पहले चेहरे को धोकर होंठों को अच्छी तरह से साफ कर लें। इसके बाद होंठों पर क्रीम, मलाई, मक्खन या देशी घी हल्के हाथों से कुछ देर मलें। होंठों की त्वचा इससे एक जैसी होकर मुलायम बनी रहेगी।

ऐसी स्कर्ट होगी आपको सूट

अब मौसम आ गया है खुद को स्टाइलिश और खूबसूरत लुक देने का। इस मौसम में आप कई तरह की स्कर्ट पहनकर मौसम का मजा ले सकती हैं, बस जरूरत है बेहतर चुनाव की। अलग-अलग बॉडी शेप के लिए बाजार में कई तरह की रंग-बिरंगी स्कर्ट्स मौजूद हैं। बस थोड़ी सी समझदारी के साथ आप भी खूबसूरत स्कर्ट का चुनाव कर उसे पहनकर इतरा सकती हैं। सबसे पहले आइए जाने आपकी बॉडी शेप पर किस तरह की स्कर्ट फबेगी।

अगर आप हैं थोड़ी पतली

- अगर आपका शरीर नाशपाती की भांति है तो आप फ्लेयर्ड या ए लाइन स्कर्ट पहन सकती हैं। जो आपके पिछले हिस्से को बैलेंस करेगी। इसके अलावा एक ऐसी स्कर्ट का चुनाव करें जो आपकी कमर से शुरू हो न कि आपके हिप्स से। इस तरह की स्कर्ट आपको और आकर्षक बनाएगी।
- ऐसी स्कर्ट पहनने से परहेज करें जिसकी प्लेट्स कमर पर हो।
- इस तरह की स्कर्ट पहनने से न शरमाएं जो कलरफुल और प्रिटिंड हो लेकिन ऐसी स्कर्ट न पहने जिसमें बड़े-बड़े प्रिंट हों।
- स्कर्ट के साथ ऐसा टॉप पहने, जो चटख रंग का हो।
- खूबसूरत कर्व को दिखाने के लिए टॉप को स्कर्ट के अंदर टक कर पहने।
- एक्सेसरीज में आप नेकपीस के साथ खूबसूरत चूड़िया भी पहन सकती हैं।

इस मौसम में आप कई तरह की स्कर्ट पहनकर मौसम का मजा ले सकती हैं, बस जरूरत है बेहतर चुनाव की।

सलवार सूट के फैशन टिप्स

सलवार सूट एक ऐसा परिधान है जो सदाबहार है। इस आउट फिट पर हर तरह के फैशन फंडे आजमाए जाते हैं और वे चल भी पड़ते हैं। ट्रेडिशनल ड्रेस होने के कारण पारंपरिक घरों में इन्हें पहनने पर कोई रोक-टोक भी नहीं होती है। सलवार सूट को अगर सलीके से, अपने रंग, फिगर, हाइट आदि के अकॉर्डिंग पहना जाए तो यह आपको सेंटर और अट्रेक्शन भी बना सकता है।

- कमीज हमेशा कुछ लंबी होना चाहिए। इससे आप लंबी दिखेंगी। यदि आपकी हाइट पांच-सवा पांच फुट है तो आपकी कमीज की लंबाई 47-48 इंच की होनी चाहिए।
- यदि आपके कंधे चौड़े हैं तो पफ्ड स्लीव्स न पहनें।
- यदि आपकी बांहें मोटी हैं तो स्लीवलेस न पहनें। यदि पांच इंच की बांह वाली कमीज का चुनाव करेंगी तो आपकी मोटी बांहें यह छिपा लेंगी और आप कुछ दुबली नजर आएंगी।
- सलवार कमीज को कई स्टाइल्स में पहना जा सकता है लेकिन स्टाइल ट्रेंड्स के साथ बदलते रहते हैं। इन दिनों शॉर्ट कुर्ती और बिग बॉटम चलन में हैं।
- चूड़ीदार लंबी कमीज पर सुंदर लगती है। शॉर्ट कुर्ती पर चूड़ीदार-सलवार पहनने से बचें। चाइनीज कॉलर से आप लंबी दिखेंगी लेकिन यदि आपके कंधे चौड़े हैं तो यह स्टाइल न पहनें।
- यदि आपका रंग गहरा है तो मरुन, लाल, नीला या भूरा रंग आप पर फबेगा।
- आपका रंग गोरा है तो आप पर हरा, पीला रंग फबेगा।

इन्हें भी आजमाइए

- कस्टर्ड पुडिंग को जायकेदार बनाने के लिए चीनी की जगह शहद का इस्तेमाल करें।
- पनीर को मुलायम बनाने के लिए गुनगुने दूध में दही या नीबू का रस मिलाएँ। गरम दूध में दही या नीबू मिलाने से पनीर सख्त बनता है।
- टमाटर सूप में गाजर व चुकंदर का रस मिलाने से स्वाद, रंगत व पौष्टिकता बढ़ जाती है।
- फटे दूध को फेंकिए नहीं,कपड़े में बाँधकर पनीर बनाएँ व बचे पानी से आप चाँदी के गहने, सिक्के व बर्तन चमका सकते हैं।
- पनीर के बचे पानी व दही बाँधकर निकाले पानी से आटा गूँथे रोटी मुलायम व स्वादिष्ट बनेगी।

आलू और बीटरूट का हलवा

सामग्री :

1 मध्यम आकार का आलू (हल्का उबला और छीला हुआ), 3 मध्यम आकार के चुकंदर (हल्का उबला और छीले हुए), आधा कप चीनी, 125 ग्राम खोया, 1/2 टीस्पून हरी इलायची का पाउडर, 3/4 कप दूध, 3 टेबलस्पून शुद्ध घी, 10-15 बादाम (छीले और लंबे टुकड़ों में)

विधि:

आलू और चुकंदर को कद्दूकस में एक ही दिशा में कस लें। नॉन स्टिक पैन में घी गर्म करें, इसमें आलू और चुकंदर डालकर दो से तीन मिनट चलाएं। चीनी मिलाकर दो से तीन मिनट और चलाएं। बारीक किया खोया डालें और दो मिनट और चलाएं। दूध डाले और थोड़ी देर पकने दें। आधे बादाम और आधा हरी इलायची का पाउडर डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। बचे हुए बादाम और हरी इलायची से सजा कर गर्मागर्म सर्व करें। चाहें तो सिल्वर वर्क के सजा कर भी सर्व कर सकती हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्योक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-4-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2027

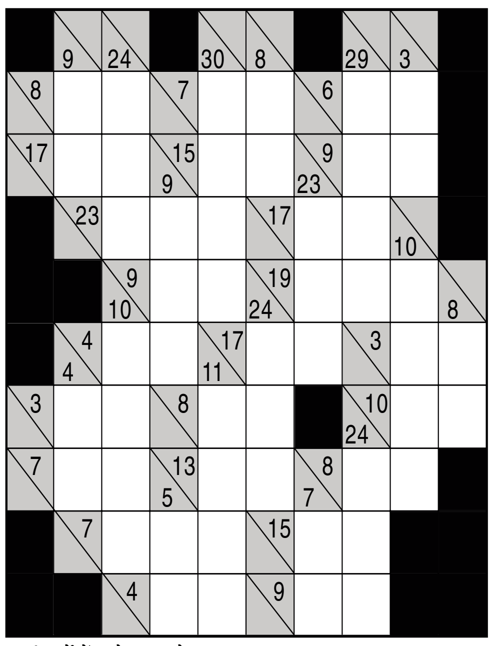

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

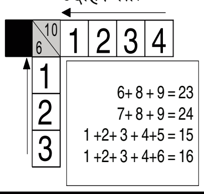

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2026 का हल

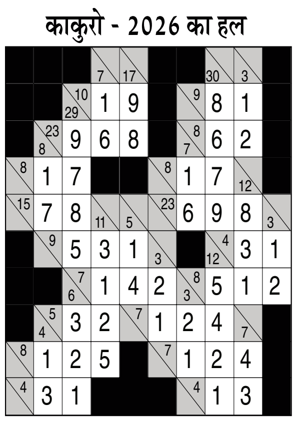

लॉफिंग जौन

सीदा-साधा चमन लड़कियों से बहुत दूर भागता था। वह नए साल की पार्टी मनाने के लिए घर से निकला ही था कि सामने चौराहे पर एक सुंदर, सजी-धजी युवती पर उसकी निगाह पड़ी।

युवती ने भी उसे देखा और अपने हाथ के गुब्बारे उसकी ओर बढ़ाकर शरारत भरे अदाज में कहा- 'डार्लिंग...! अब चले... पार्टी मनाने।'

चमन लड़खड़ाकर बोला- नहीं! मैंने आज से लड़कियों से दूरी बनाने का संकल्प लिया है।

□ □ □

रमन- 'यार, कल रात घर पहुँचने पर काफी देर तक दरवाजा खटखटाता रहा, लेकिन किसी ने दरवाजा ही नहीं खोला। आखिर मुझे रात बाहर ही गुजारनी पड़ी।'

चमन- 'फिर सुबह उठकर उन्हें डाँटा की नहीं?'

रमन- 'नहीं यार! कैसे डाँटता...। आँखें खुलने पर देखा तो पता चला कि मैं घर का नहीं बीयर बार का दरवाजा खटखटा रहा था।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2027

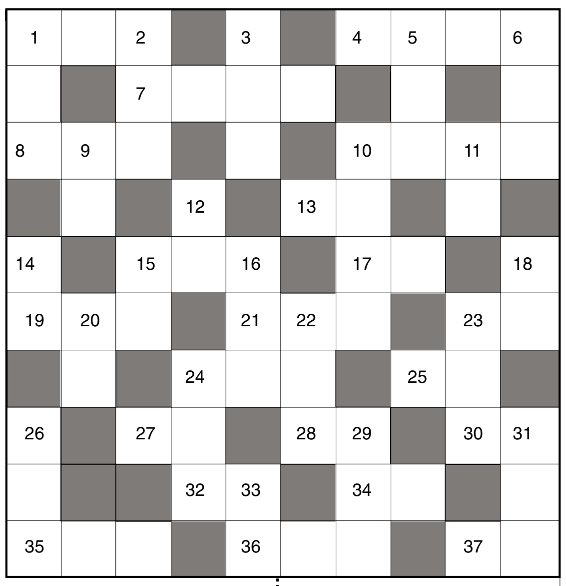

बायें से दायें:-

१. अशोककुमार, नूतन, धर्मेन्द्र की 'ओ जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
४. गोविंदा, शिल्पा शेट्टी की 'स्पॉप दैट मेरी मर्जी' गीत वाली फिल्म-४
७. 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की फिल्म-३
८. फिल्म 'कभी कभीण' में ऋषिकपूर के साथ किस की जोड़ी थी-३
१०. १९७१ में आई अमिताभ, योगिता बाली का एक फिल्म-४
१३. 'कभी शाम ढले' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१७. 'शादी के लिये रजामंद' गीत वाली फिल्म-२
१९. सैफ अली, काजोल की फिल्म-३
२१. अनिलधवन, नीतू सिंह की 'तेरी गलियों में ना' गीतवाली फिल्म-३
२३. 'तु मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-२
२४. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
२५. अनिलकपूर, माधुरी की 'खत लिखना है' गीतवाली फिल्म-२
२७. राजीव, डिम्पल की फिल्म-२
२८. संजयदत्त, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की फिल्म-२
३०. 'तसवीर तेरी दिल में' गीत वाली देवआनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
३२. फिल्म 'हम तो मुहब्बत करेगा' में बॉबी देओल के किरदार का नाम-२
३४. 'देखें भी तो क्या' गीत वाली फिल्म-२
३५. 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३६. दिलीपकुमार, वैजयंतीमाला की 'तेरे हुस्न की क्या' गीत वाली फिल्म-३
३७. फिल्म 'अलग-अलग' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तेरे नैना मेरे नेनों की' गीत वाली फिल्म-३
२. फिल्म 'खुदगर्ज' में नायिका कौन थी-३
३. अनिलकपूर, माधुरी नम्रता की फिल्म-३
५. 'सैंया दिल में आना रे' गीतवाली फिल्म-३
६. फिल्म 'बारूद' में अक्षय की नायिका-३
९. बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
१०. 'जरा तसवीर से तू' गीत वाली फिल्म-४
११. 'एक दूजे के लिए' में कमल हासन के किरदार का क्या नाम था-२
१२. फिल्म 'चोर मचाए शोर' में नायक-२
१४. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत वाली फिल्म-२
१६. सुनील शेट्टी, सोनाली की 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
२०. 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२३. फिल्म 'निकाह' की नायिका-३
२४. राज कपूर, नर्गिस की 'दम भर जो उधर' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'जब ना माना दिल' गीत वाली कमल सदाना, काजोल की फिल्म-३
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'मेरा पिया' गीत वाली माधुरी की फिल्म-३
३३. विक्रम, लक्ष्मी की 'दिल क्या करे जब किसी को' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2026

अ	नि	ता		जो	र		बे	ना	म
नु		रा	का		वी	र	ता		म
म	र्द		श	बा	ना		ब	बी	ता
लि		ता		बू		सु		ना	
क	भी	क	भी		सु	हा	ग	रा	त
	गी	त		चि	रा	ग		य	
गो	रा		शा		ग		चि		ह
	त	क	दी	र		इं	त	का	म
ज		री		त	ब्बू		चो		रा
या	रा	ना		न		अ	र	बा	ज

सूडोकु -2027

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2026 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

शब्द पहेली - 2027

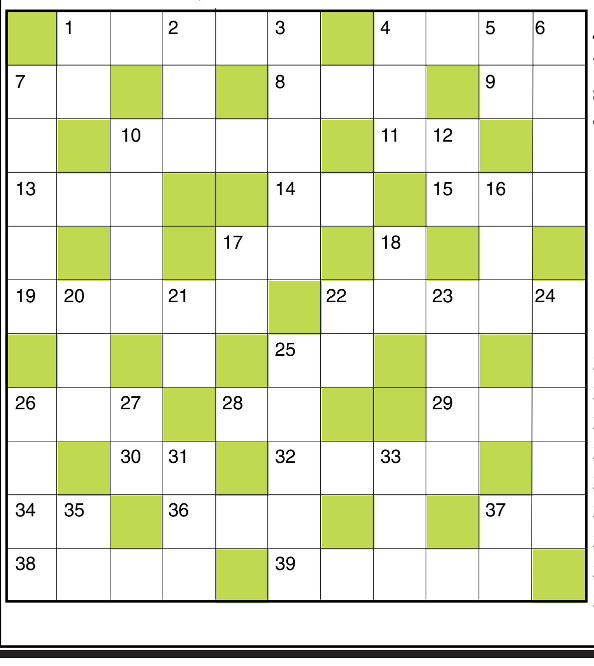

बाएँ से दाएँ

1.पावर हाऊस -5
4.दिमागी,कल्पित-4
7.हृदय-2
8.खोदना-3
9.प्रचार वाक्य,स्लोगन-2
10.नुकीला-4
11.कलिका-2
13.प्यारा,लाडला-3
14.विशिष्ट,विशेष-2
15.खर्च,उपभोग-3
17.नौका-2
19.नाम करण-2,3
22.चमकीला-5
25.महोदय (अंग्रेजी-2)
26.रनिवास,जनवासा-3
28.संध्या,सांझ-2
29.दलना,महीन करना-3
30.जस,सम्मान -2
32.कारागृह-4
34.आलाप,लय,सुर-2
36.पागल स्त्री-3
37.इंकार,मना-2
38.सराबोर,सना हुआ -4
39.वेश्या,तवायफ-5

ऊपर से नीचे

1.चूहे का घर-2
2.नेता-3
3.सार-संभार-2,3
4.आदर्श,कसौटी-3
5.छाती-2
6.अचरज भरा कार्य-4
7.हृदय को ठेस लगना-5
10.अनवरत वर्षा-4
12.जूं का अंडा-2
16.ओट,घूंघट-3
17.मां के पिता-2
18.दुख,कष्ट-2
20.राष्टीय पक्षी-3
21.पत्र,लैटर-2
22.गुप्तचर,दूत-2
23.कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24.रवानगी, प्रस्थान करना-3,2
25.समयुगीन,समवर्ती-5
26.बंद,स्ट्राइक-4
27.सुरा,शराब-2
31.वचन,प्रतिज्ञा-3
33.बंदर-3
35.नथनी,नथिया-2
37.शहद-2

शब्द पहेली -2026 का हल

आ	स		म	न		रा	ख		फां	श
म	न	न		शा	न		र	न		क
	म	क	र		त	न		र	म	
का		ल	ह	जा		भ	ला		द	म
या	क		ना	ति	न		वा	द		र्ज
	र	वा		य	म	ज		म	जा	
न		दा	स		क	त	रा		र	मा
व	न		ही	ना		न	ज	र		ला
	ल	त		ज	रा		न	म	न	
का		न	शा		त	र		ल	क	वा
ल	क्ष्य		क	र्ज		थ	ल		ल	त

बीएसएफ ने नशे के खिलाफ मैराथन दौड़ का किया आयोजन

एजेंसी

फिरोजपुर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने शहीदी दिवस, बीएसएफ के 60 वर्ष पूरे होने पर और नशे के खिलाफ फिट इंडिया, हेल्दी इंडिया को ध्यान में रखते हुए मैराथन दौड़ का आयोजन किया। बीएसएफ के डीआईजी विजय कुमार राणा ने कहा कि 23 मार्च को मनाए जाने वाले शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में, नशे के खिलाफ आज के मैराथन का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि 21 किलो मीटर की हाफ मैराथन है, एक 10 किलो मीटर की दौड़ है और रन फॉर फन तीन किलो मीटर की है। बता दें कि भगत सिंह, शिवराम राजगुरु और सुखदेव थापर की शहादत की याद में हर साल 23 मार्च को शहीदी दिवस मनाया जाता है। इसी दिन वर्ष 1931 में ब्रिटिश सरकार ने लाहौर जेल में इन तीनों वीरों को फांसी दे दी थी। शहीद दिवस मनाकर इन तीनों वीर सपूतों को याद किया जाता है। बीएसएफ ने शहीदी दिवस से एक दिन पहले रविवार को मैराथन दौड़ का आयोजन किया है। हाल ही में बिहार में भी मैराथन का आयोजन किया गया था। नशे के खिलाफ पटना के गांधी मैदान में 10,000 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। निषेध, उत्पाद शुल्क और पंजीकरण विभाग के सचिव अजय यादव ने बताया था कि मैराथन में 42 किलोमीटर की दौड़, 21 किलोमीटर की दौड़, 10 किलोमीटर और पांच किलोमीटर की दौड़ है।

प्रधानमंत्री मोदी के नाम नए कीर्तिमान पर सीएम योगी ने दी बधाई, बोले- ये आपके प्रति अटूट जनविश्वास का प्रतीक

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय राजनीति के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सरकार के प्रमुख बने रहने का रिकॉर्ड बनाया है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बधाई देते हुए कहा कि 'विकसित भारत' के निर्माण को समर्पित यह ऐतिहासिक कीर्तिमान प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अटूट जनविश्वास का सशक्त प्रतीक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, '145 करोड़ भारतीयों की सुख, समृद्धि और संतुष्टि के लिए सतत साधनारत, राष्ट्र के अमृतकाल के सारथी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत के सर्वाधिक लंबे समय तक सेवा देने वाले शासन प्रमुख बनने पर हार्दिक बधाई।' उन्होंने आगे लिखा, ''विकसित भारत' के निर्माण को समर्पित यह ऐतिहासिक कीर्तिमान आपके प्रति अटूट जनविश्वास का सशक्त प्रतीक है। 'राष्ट्र प्रथम' की भावना से दीप्त आपके यशस्वी नेतृत्व में 'अंत्योदय से राष्ट्रोदय' की संकल्पना साकार रूप ले रही है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के सुपथ पर चलते हुए भारत ने विकास, सुशासन और वैश्विक प्रतिष्ठा के नए आयाम स्थापित किए हैं। '

राहुल गांधी को अर्थव्यवस्था की समझ पर ही है प्रश्नचिह्न : गजेन्द्र सिंह

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। शेखावत ने कहा कि राहुल गांधी को अर्थव्यवस्था की कितनी समझ है, इस पर ही प्रश्नचिह्न लगा हुआ है। रविवार को केंद्रीय मंत्री अपने आवास पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। जब केंद्रीय मंत्री से राहुल गांधी के रुपया के डॉलर के मुकाबले कमजोर होने और महंगाई बढ़ने से जुड़े ट्वीट के विषय में पूछा गया, तब उन्होंने कहा कि जिस तरह की परिस्थितियां हैं। ग्लोबल सिनेरियो है। अभी जिस तरह का जिओ टर्बुलेंस विश्व में है। जिस तरह की उथल-पुथल वर्तमान परिस्थिति में मिडिल ईस्ट युद्ध से बनी है। सोना की कीमतें लगातार कम हो रही हैं। उन्होंने कहा कि थोड़े से दिन पहले राहुल गांधी सोने को लेकर चिंता व्यक्त कर रहे थे। अभी रुपया को लेकर चिंता व्यक्त कर रहे हैं। राहुल गांधी को पहले अपने गिरेबां में झांक करके देखना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में थोक महंगाई की दर दुनिया में सबसे कम है। राहुल गांधी के अदृश्य नेतृत्व में जब सरकार काम करती थी, जब वो कैबिनेट के फैसलों को फाड़कर फेंका करते थे। संवैधानिक व्यवस्थाओं का अपमान करते थे। उस 10 साल के कालखंड में 7 साल महंगाई की दर डबल डिजिट में थी। शेखावत ने कहा कि जब डबल डिजिट वाले 2 प्रतिशत की महंगाई पर प्रश्न चिन्ह खड़े करें, तब उनकी बुद्धिमता पर प्रश्नचिह्न जनता खड़ा करेगी।

दिव्यांगजनों ने विधायक ललित यादव को रोजगार के लिए ज्ञापन सौंपा

नीमराना। फौलादपुर गांव में विधायक निवास पर क्षेत्र के दिव्यांग साथियों ने मुंडावर विधायक ललित यादव को ज्ञापन सौंपकर रोजगार दिलाने की मांग उठाई। ज्ञापन में बताया गया कि नीमराना व घिलोठ औद्योगिक क्षेत्रों में दिव्यांगजन रोजगार के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि वे सभी 18 वर्ष से अधिक आयु के होकर कार्य करने के इच्छुक हैं। दिव्यांगजनों ने आरोप लगाया कि सरकारी एवं निजी संस्थानों में उनके साथ भेदभाव हो रहा है और नियमों के अनुसार आरक्षण का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने बताया कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम (RPWD Act) 2016 के तहत निजी औद्योगिक संस्थानों में 4 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है, लेकिन इसका पालन नहीं किया जा रहा, जिससे बड़ी संख्या में दिव्यांग युवक-युवतियां बेरोजगार हैं। ज्ञापन के माध्यम से दिव्यांग साथियों ने विधायक से मांग की कि नीमराना और घिलोठ के निजी औद्योगिक क्षेत्रों में दिव्यांगजनों को रोजगार दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

उद्घाटन से पहले नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सुरक्षा बढ़ी, बनाई जाएगी पांच पुलिस चौकियां

एजेंसी

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन समारोह से पहले जेवर क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस कमिश्नर ने एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए 5 नई अस्थायी पुलिस चौकियां स्थापित की हैं। यह चौकियां एयरपोर्ट के अंदर और बाहर की सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगी। पुलिस चौकियों के साथ ही 7 नए पीआरवी/पीसीआर वाहन भी आवंटित किए गए हैं, जिनसे क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखी जाएगी। एयरपोर्ट के सुरक्षा इंतजामों को जांचने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को नोएडा आ रहे हैं। मुख्यमंत्री के आने से पहले पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। उनके निर्देश पर एयरपोर्ट परिसर के अंदर तीन पुलिस चौकियां और एक्सप्रेसवे और इसके आसपास के क्षेत्र पर नजर रखने के

लिए दो पुलिस चौकियां बनाई गई हैं। उद्घाटन समारोह पूरा होने तक पांचों चौकियां सुरक्षा व्यवस्था को संभालेंगी।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए पुलिस सुरक्षा इंतजामों को मजबूत कर रही है। माइल स्टोन-32, कार्गो टर्मिनल और डोमेस्टिक टर्मिनल चौकी की टीम डोमेस्टिक टर्मिनल पुलिस स्टेशन के अंतर्गत काम करेंगी। वहीं, माइल स्टोन-27 चौकी को थाना रबूपुरा और माइल स्टोन-15 चौकी थाना दनकौर के अंतर्गत रखा गया है। पुलिस को मिले सातों नए वाहन सुरक्षा संसाधनों से पूरी तरह से लैस हैं। इसमें मौजूद पुलिस कर्मियों के पास मेटल डिटेक्टर, अत्याधुनिक हथियार, वायरलेस जैसी सुविधाएं हैं। वाहन एयरपोर्ट और इसके आसपास लगातार गश्त करेंगे। एक पीसीआर वाहन यमुना एक्सप्रेस-वे पर जेवर टोल से फलैदा कट तक गश्त करेगा। दूसरा वाहन एयरपोर्ट के मुख्य रास्तों पर निगरानी रखेगा। दो पीआरवी वाहन बाहरी क्षेत्रों में सुरक्षा संभालेंगे, जहां गांव और आसपास के इलाके आते हैं। तीन अन्य पीआरवी वाहन जेवर डोमेस्टिक टर्मिनल पुलिस स्टेशन क्षेत्र में गश्त करेंगे। पुलिस उपायुक्त ग्रेटर नोएडा जॉन डॉ प्रवीण रंजन सिंह ने बताया कि उद्घाटन समारोह को देखते हुए एयरपोर्ट के आसपास के सुरक्षा इंतजामों को बढ़ा दिया गया है। पांच अस्थायी पुलिस चौकियां स्थापित कर अतिरिक्त पीसीआर वाहन तैनात किए गए हैं। सभी को अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं।

लखनऊ में 1228 नर्सिंग अधिकारियों को मिले नियुक्ति पत्र, सीएम योगी आदित्यनाथ बोले-सेवा और संवेदना ही सबसे बड़ी ताकत

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में 1228 नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्रों का वितरण किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब आपकी सेवा और संवेदना मरीज की सहयोगी बनती है तो इसके परिणाम हम सभी को स्पष्ट दिखाई देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा की इस भावना से आपको और अधिक जोड़ने के लिए राज्य सरकार ने आज पूरे विश्वास और प्रतिबद्धता के साथ एक कार्यक्रम शुरू किया है। वे दिन बीत गए, जब लोग मेडिकल या नर्सिंग कॉलेज खोलने के महत्व पर सवाल उठाते थे। सीएम योगी ने कहा कि नर्सिंग में अगर किसी ने डिग्री ली है तो उसका प्लेसमेंट भी 100 प्रतिशत सुनिश्चित है। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले प्रदेश के अंदर बदहाल स्थितियां थीं। पिछले नौ वर्ष में 81 मेडिकल कॉलेज संचालिए किए गए हैं। 2017 से पहले स्वास्थ्य की सुविधा भगवान भरोसे थी। पूर्वी उत्तर प्रदेश में हजारों मौतें होती थीं, कोई पूछने वाला नहीं था। पिछली सरकारों में जो एएनएम और जेएनएम के इंस्टीट्यूट बंद हो गए थे, उसको हम लोगों ने शुरू किया है। उन्होंने कहा 35 एएमएम प्रशिक्षण सेंटर बंद हो चुके थे, उनको फिर से चालू किया गया। 35 नर्सिंग कॉलेजों के फिर निर्माण काम चल रहा है। डबल इंजन की सरकार ने हेल्थ केयर को प्राथमिकता पर लिया, जिसका परिणाम हम सबको देखने को मिल रहा है। मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में भारी अंतर देखने को मिला है।

यूपी के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने किए महाकाल के दर्शन

एजेंसी

भोपाल। उत्तरप्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और दिल्ली सरकार के गृहमंत्री आशीष सूद ने मध्य प्रदेश के उज्जैन पहुंचकर वश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के दर्शन किए। मंदिर समिति की ओर से दोनों नेताओं का सम्मान किया गया। यूपी के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक दोपहर में उज्जैन पहुंचे और ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। दर्शन उपरांत श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर ब्रजेश पाठक का स्वागत एवं सत्कार किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री पाठक ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि बाबा महाकाल के नगरी उज्जैन में बाबा की कृपा से आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। बाबा के अद्भुत अलौकिक दर्शन हुए हैं। प्रभु की कृपा उत्तरप्रदेश वासियों पर बनी रहे, सबके जीवन में कल्याण आए, सबका जीवन सुखमय बने, निष्कंटक बने। ऐसे में प्रभु के चरणों में प्रार्थना करता हूं। वहीं, दिल्ली सरकार में गृह, शिक्षा, विद्युत, शहरी विकास, उच्च शिक्षा,

प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने भी उज्जैन पहुंचकर ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के दर्शन लाभ लिए। उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि मैं मध्य प्रदेश प्रशासन, मध्य प्रदेश सरकार और महाकाल मंदिर प्रशासन को बहुत साधुवाद देता हूं। बहुत अद्भुत, बहुत उत्तम, बहुत सफाई के साथ, बहुत स्वच्छता के साथ यहां की व्यवस्थाएं हैं। उन्होंने कहा कि नवरात्र के पावन पर्व के दिनों में सौभाग्यशाली हूँ कि मुझे बाबा महाकाल के दर्शनों का अवसर प्राप्त हुआ। मैंने देश के सभी नागरिकों के लिए, दिल्ली के सभी नागरिकों के कुशलक्षेम की उनके उत्तम भविष्य की कामनाएं की है। बाबा महाकाल सभी का भला करें। दर्शन उपरांत श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से उप प्रशासक एसएन सोनी द्वारा सूद का स्वागत एवं सत्कार किया गया।

आदिलाबाद में कर्ज-फसल नुकसान से टूटे किसान ने की आत्महत्या, खरीद से इनकार का वीडियो वायरल

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना के आदिलाबाद जिले के ग्रामीण मंडल स्थित अरली (बी) गांव में भारी कर्ज और फसल बर्बादी से परेशान एक किसान ने कीटनाशक का सेवन कर आत्महत्या कर ली। उनकी मौत के बाद एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे अधिकारियों से अपनी फसल खरीदने के लिए हाथ जोड़कर गुहार लगाते नजर आ रहे हैं।

परिजनों और पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 58 वर्षीय थुडुम गणपति ने अपनी 5 एकड़ जमीन के अलावा 10 एकड़ जमीन पट्टे (लीज) पर लेकर खेती की थी। उन्होंने सोयाबीन, कपास और ज्वार की बुवाई के लिए विभिन्न स्त्रोतों से करीब 7 लाख रुपये का कर्ज लिया था। लेकिन प्रतिकूल मौसम के चलते उनकी अधिकांश फसल बर्बाद हो गई। जो थोड़ी बहुत कपास बची थी, उसे बेचने के लिए जब वे आदिलाबाद के मार्केट यार्ड पहुंचे, तो अधिकारियों ने 'नमी अधिक होने' का हवाला देते हुए उनकी उपज खरीदने से इनकार कर दिया। परिजनों के मुताबिक, मानसिक तनाव से जूझ रहे गणपति ने शुक्रवार रात कीटनाशक पी लिया। उन्हें तत्काल रिम्स अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान देर शाम उनकी मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे जिले में शोक और आक्रोश का माहौल है। सोशल मीडिया पर लोग इस वीडियो को साझा करते हुए सरकार से त्वरित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। लोगों की प्रमुख मांगों में पीड़ित परिवार को 6 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने, नमी के नियमों में ढील देकर संकटग्रस्त किसानों की उपज खरीद सुनिश्चित करने तथा पट्टे पर खेती करने वाले किसानों के लिए विशेष सुरक्षा

व्यवस्था लागू करने की बात शामिल है। साथ ही, उन्हें 'रायतु बंधु' योजना के दायरे में लाने की मांग भी तेज हो गई है। वहीं, आदिलाबाद के पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी मीडिया के माध्यम से मिली है और मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

तमिलनाडु चुनावः शिवकाशी विधानसभा क्षेत्र में रोजगार बनाम सुरक्षा बड़ा मुद्दा

एजेंसी

शिवकाशी। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर तमिलनाडु के औद्योगिक शहर शिवकाशी, जिसे 'कुट्टी जापान' के नाम से जाना जाता है, में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। तमाम दल अपनी-अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं। ऐसे में यह सवाल अहम हो गया है कि यहां के मतदाताओं की अपेक्षाएं क्या हैं और पिछले चुनावी वादों पर कितना अमल हुआ है।

दरअसल, शिवकाशी की पहचान देश के प्रमुख पटाखा उद्योग केंद्र के रूप में है, लेकिन यही उद्योग यहां की सबसे बड़ी चुनौती भी बन गया है। पटाखा फैक्ट्रियों में लगातार होने वाली दुर्घटनाएं लंबे समय से गंभीर चिंता का विषय बनी हुई हैं। बीते वर्षों में इन हादसों में कई मजदूरों की जान जा चुकी है, बावजूद इसके अब तक कोई स्थायी समाधान सामने नहीं आया है। इसके अलावा, प्रदूषण,

रासायनिक कचरे का निस्तारण, मौसमी रोजगार और मजदूरों के स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं भी स्थानीय लोगों के लिए अहम मुद्दे बने हुए हैं। यहां के मतदाताओं का कहना है कि सरकारें बदलती रहीं, लेकिन जमीनी स्तर पर अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। हालांकि, यह भी सच है कि शिवकाशी रोजगार का बड़ा केंद्र है। यहां हजारों पटाखा फैक्ट्रियों में करीब 7 लाख लोग सीधे और 3 लाख लोग अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार से जुड़े हैं। इस उद्योग का सालाना कारोबार लगभग 3,500 करोड़ रुपये है। दीपावली और पंगुनी पोंगल जैसे अवसरों पर मजदूरों को विशेष बोनस भी दिया जाता है। इसके अलावा, कैलेंडर, नोटबुक और पाठ्यपुस्तकों की छपाई एवं बाइंडिंग का उद्योग भी यहां बड़े पैमाने पर संचालित होता है, जिसका वार्षिक कारोबार करीब 2,000 करोड़ रुपये है। सूखा-प्रभावित इलाकों में किसान मुख्यतः मक्का की खेती करते हैं। राजनीतिक दृष्टिकोण से देखें, तो विरुधुनगर जिले में स्थित शिवकाशी विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2021 के चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार अशोकन ने अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) की लक्ष्मी गणेशन को 17,319 मतों से हराया था। करीब ढाई लाख मतदाताओं वाले इस क्षेत्र में 2021 के विधानसभा चुनाव में अशोकन को 78,947 वोट मिले थे, जबकि लक्ष्मी गणेशन को 61,628 मत प्राप्त हुए थे। तीसरे स्थान पर नाम तमिलर काची और चौथे स्थान पर अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम के उम्मीदवार रहे।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने लिया संकल्प : 'बेअदबी' के किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा

एजेंसी

अमृतसर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने घोषणा की कि पंजाब सरकार 'जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार एक्ट-2008' में संशोधन करने और सख्त कानून लाने के लिए 13 अप्रैल को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाएगी। प्रस्तावित कानून में कड़ी सज़ा, भारी जुर्माना, संपत्ति जब्ती और डिजिटल माध्यम से किए गए अपराधों को भी शामिल किया जाएगा। इस कानून का मसौदा संत समाज और कानूनी विशेषज्ञों से सलाह लेकर तैयार किया जा रहा है। सरकार ने स्पष्ट किया कि 'बेअदबी' के किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। संत समाज और धार्मिक नेताओं के साथ बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, 'खालसा साजना दिवस के पवित्र अवसर पर यह सत्र बुलाया जाएगा और संत समाज व कानूनी विशेषज्ञों से विचार-विमर्श कर एक्ट बनाया जायेगा। इस घिनौने अपराध के दोषियों को उदाहरणीय सज़ा सुनिश्चित करने के लिए देशभर के प्रमुख वकीलों से भी राय ली जाएगी।' मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्र के दौरान पंजाब सरकार द्वारा लागू किए गए 'जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार एक्ट-2008' में आवश्यक संशोधन किए जाएंगे ताकि श्री गुरु ग्रंथ साहिब और अन्य धार्मिक ग्रंथों की 'बेअदबी' रोकने के लिए एक मजबूत और व्यापक कानून बनाया जा सके। संत समाज, विभिन्न संप्रदायों, टकसालों, निहंग सिंह समूहों, उदासी संप्रदायों, निर्मला संप्रदायों, कार सेवा जत्थों, रागियों और कथावाचकों को आमंत्रित करते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें विशेष सत्र में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्पीकर कुलतार सिंह संधवां और विधायक डॉ. इंदरबीर सिंह निज्जर जल्द ही समाना का दौरा करेंगे ताकि गुरजीत सिंह खालसा को अपना विरोध समाप्त करने और विशेष सत्र में शामिल होने के लिए निमंत्रण दिया।

मथुरा में फरसा वाले बाबा की बनेगी समाधि और पुलिस चौकी

एजेंसी

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में थाना कोसीकलां क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग पर कंटेनर में गोतस्करों के शक में चेकिंग कर रहे बाइक सवार गोरक्षक फरसा वाले बाबा को पीछे से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में बाबा की मृत्यु हो गई। वहीं, घटना में घायल कंटेनर चालक की आगरा में इलाज के दौरान मौत हो गई है। बाबा के समर्थकों ने ये आरोप लगाया है कि गो तस्करों ने कोटवन चौकी के नवीपुर के पास गाड़ी से कुचल कर बाबा की हत्या की है। नाराज गो रक्षकों ने छाता कट के पास हाईवे पर जाम लगाकर हमांगा किया।

जाम की सूचना पर पहुंचे डीआईजी आगरा जोन के आदेश पर उपद्रवियों पर लाठीचार्ज करके हटाया गया। जिलाधिकारी ने गौरक्षक बाबा की समाधि स्थल और डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय ने बाबा के नाम पर चौकी बनवाने की बात कही है। तब जाकर समर्थक शांत हुए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गौ रक्षक की रक्षा को लेकर बैठक आयोजित की है। गौ-रक्षकों की ओर से मानमंदिर के सुनील सिंह ने प्रशासन के सामने पांच प्रमुख मांगें रखीं। इनमें फरसे वाले बाबा को 'गोपुत्र' और 'शहीद' का दर्जा देने, उनकी आजनौंक स्थित गौशाला को सरकारी संरक्षण प्रदान करने, बाबा

के लिए समाधि स्थल बनाए जाने, गौ-सेवकों पर कोई मुकदमा न दर्ज करने और गौशाला के निकट पुलिस चौकी स्थापित करने की मांग शामिल है।शनिवार सुबह गोवंशी के शक में हरियाणा सीमा पर वाहनों की चेकिंग कर रहे बरसाना के आजनौख निवासी गोरक्षक चंद्रशेखर उर्फ फरसा वाले बाबा एक कंटेनर की चेकिंग कर रहे थे। तभी पीछे से ट्रक ने कंटेनर को टक्कर मार दी। हादसे में बाबा की मृत्यु हो गई। ट्रक चालक गंभीर घायल हो गया। गो तस्करों द्वारा गाड़ी चढ़ाकर मार डालने का आरोप लगाकर समर्थकों ने जमकर हंगामा किया। आगरा दिल्ली हाईवे पर जाम लगा दिया। करीब साढ़े तीन घंटे हंगामे में पुलिस पर पथराव किया। पथराव में काफी संख्या में पुलिस कर्मी घायल हो गए। जवाब में पुलिस ने रबड़ बुलेट चलाई, आसू गैस के गोले दागे। पथराव में कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। मौके पर कई थानों की पुलिस के साथ पीएसी पहुंच गई। पुलिस ने लाठी चार्ज करके उपद्रवियों को भगाया, माहौल तनाव पूर्ण बना हुआ है। पुलिस ने कई उपद्रवियों को हिरासत में लिया है। साढ़े 11 बजे पुलिस ने हाईवे का जाम खुलवाया। इधर, घायल कंटेनर चालक खुर्शीद निवासी अलवर की आगरा में उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। हाईवे पर बवाल के बाद चार घंटे बाद स्थिति सामान्य हुई। जाम में फंसे वाहन गंतव्य की ओर भेज दिए गए। छाता कस्बे में चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात रही। आगरा रेंज डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय ने कहा कि गौरक्षक की मौत सड़क हादसे में हुई है। किसी भी प्रकार का गोवंश शामिल नहीं था। उन्होंने कहा कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और मामले में कुछ लोगों की गिरफ्तारी भी की गई है। डीआईजी ने स्पष्ट किया कि हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, वहीं पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच जारी है। मथुरा बवाल के बाद लखनऊ में बड़ी बैठकमथुरा में फरसे वाले बाबा की मौत के बाद जमकर बवाल हुआ। इसकी गूंज शासन तक पहुंची।

डिग्री के साथ-साथ स्किल्स भी ज़रूरी है :उप राष्ट्रपति राधाकृष्णन

एजेंसी

मुंबई। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने मुंबई में कहा कि डिग्री के साथ-साथ स्किल्स भी जरुरी है। उन्होंने कहा कि डिग्री को रोजग़ार में बदलना भी ज़रूरी है। उप राष्ट्रपति राधाकृष्णन लोकभवन में आयोजित रतन टाटा महाराष्ट्र स्टेट स्किल यूनिवर्सिटी के पहले कॉन्वोकेशन सेरेमनी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज के ज़माने में टेक्निकल नॉलेज के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स और बदलती टेक्नोलॉजी के हिसाब से ढलने की काबिलियत को कामयाबी की चाबी माना जाता है। जो युवा एंटरप्रेन्योर बनना चाहते हैं, उन्हें रतन टाटा की मिसाल को फॉलो करना चाहिए। टाटा इस बात का एक बेहतरीन उदाहरण है कि मुनाफ़ा कमाने के साथ-साथ सोशल जिम्मेदारी कैसे पूरी की जाए। सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा कि हर इंसान की तरक्की ही समाज, राज्य और फिर देश की तरक्की है। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि यूनिवर्सिटी के पहले दीक्षांत समारोह के ग्रेजुएट इतिहास का हिस्सा बन गए हैं। इन छात्रों ने न सिर्फ पढ़ाई में सफलता हासिल की है, बल्कि ये छात्र भारत को 'ग्लोबल स्किल हब' बनाने की यात्रा में मील का पत्थर साबित होंगे। उद्योगों की मांग के अनुसार पाठ्यक्रम में बदलाव की जरूरत है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, ग्रीन एनर्जी

और डेटा एनालिटिक्स जैसे आधुनिक विषयों को शामिल करके छात्रों को वैश्विक चुनौतियों के लिए तैयार किया जाना चाहिए। दूसरे वर्ल्ड वॉर के बाद जापान ने नेचुरल रिसोर्स न होने के बावजूद जो तरक्की की, वह उनकी कड़ी मेहनत और डिसिप्लिन की वजह से है। जापानी लोग काम करते समय कभी भटकते नहीं हैं। काम के प्रति यही डेडिकेशन है जिसे भारतीय युवाओं को अपनाना चाहिए। सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि जो युवा एंटरप्रेन्योर बनना चाहते हैं, उन्हें रतन टाटा की मिसाल पर चलना चाहिए। मुंबई में पावर सप्लाई का उदाहरण देते हुए उन्होंने टाटा के पक्के इरादे की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आज जिन लोगों के पास डिग्री है, इसका मतलब यह नहीं है कि उनकी पढ़ाई खत्म हो गई है। पूरी जिंदगी नई चीजें सीखने के लिए तैयार रहें। उन्होंने कहा कि कैंपस के बाहर कॉम्पिटिटिव दुनिया मुश्किल है, लेकिन अगर आप कॉन्फिडेंस के साथ मुश्किलों का सामना करते हैं, तो सफलता आपकी है।

यूनिवर्सिटीज़ को इनोवेशन, एक्सपेरिमेंट को बढ़ावा देना चाहिए :राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्किलिंग, री-स्किलिंग और अप-स्किलिंग के तीन ज़रूरी पहलुओं पर ज़ोर दिया है। रतन टाटा महाराष्ट्र स्टेट स्किल यूनिवर्सिटी में इन तीनों एरिया में मदद करने की क्षमता है। मॉडर्न यूनिवर्सिटीज़ को इनोवेशन, एक्सपेरिमेंट को बढ़ावा देना चाहिए। एजुकेशन को सस्टेनेबल प्रोग्रेस की ओर बढ़ने के लिए कैरेक्टर और जिम्मेदारी की भावना भी पैदा करनी चाहिए। डिग्री लेना एजुकेशन का अंत नहीं है। बल्कि, यह जिंदगी भर सीखने के सफ़र की शुरुआत है। आप जिस दुनिया में जा रहे हैं, वह बहुत डायनैमिक और हमेशा बदलती रहती है। मिडिल ईस्ट में संघर्षों सहित मौजूदा जियोपॉलिटिकल डेवलपमेंट का पहले से ही ग्लोबल इकॉनमी और रोज़ी-रोटी पर असर पड़ रहा है, जिससे कई नौकरियों पर असर पडने की संभावना मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि देश का जनसांख्यिकीय लाभांश तभी बनता है जब युवा आबादी हो, लेकिन तभी जब वह आबादी कौशल से लैस हो। युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं और आधुनिक तकनीक (जैसे एआई, निर्माण) में प्रशिक्षण देना आवश्यक है।

मदर टेरेसा और मिशनरीज ऑफ चैरिटी के नाम के दुरुपयोग पर संगठन ने दी चेतावनी

एजेंसी

कोलकाता। मिशनरीज ऑफ चैरिटी ने संस्था और मदर टेरेसा के नाम तथा तस्वीर के अनधिकृत इस्तेमाल को लेकर चेतावनी जारी की है। संगठन ने कहा है कि कुछ संस्थाएं और व्यक्ति चंदा संग्रह और प्रचार अभियानों के लिए बिना अनुमति उनके नाम का उपयोग कर रहे हैं, जिससे लोगों में भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। संगठन ने 19 मार्च को जारी बयान में कहा कि उसके संज्ञान में आया है कि कुछ लोग और संस्थाएं मिशनरीज ऑफ चैरिटी और मदर टेरेसा के नाम का विभिन्न गतिविधियों, विशेषकर धन संग्रह के लिए, बिना अनुमति इस्तेमाल कर रहे हैं। संगठन ने स्पष्ट किया कि इस तरह के अनधिकृत उपयोग से आम लोगों में गलतफहमी पैदा होती है, खासकर जब इसे दान या परोपकारी अपील से जोड़ा जाता है। संगठन ने अपनी संस्थापक के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए कहा

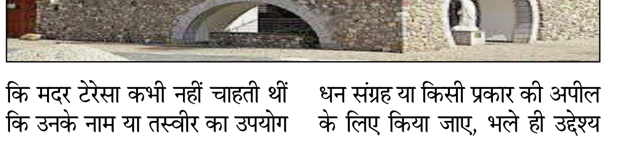

कि मदर टेरेसा कभी नहीं चाहती थीं कि उनके नाम या तस्वीर का उपयोग धन संग्रह या किसी प्रकार की अपील के लिए किया जाए, भले ही उद्देश्य परोपकारी ही क्यों न हो। बयान में उनकी सादगी और स्वैच्छिक सहयोग पर आधारित कार्यशैली को भी रेखांकित किया गया है। मिशनरीज ऑफ चैरिटी ने सभी संबंधित पक्षों से अपील की है कि वे बिना पूर्व अनुमति मदर टेरेसा या संगठन के नाम का किसी भी रूप में उपयोग न करें। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि ऐसा जारी रहता है तो संगठन अपने नाम और पहचान की रक्षा के लिए कानूनी कार्रवाई सहित आवश्यक कदम उठा सकता है। 1950 में कोलकाता में स्थापित मिशनरीज ऑफ चैरिटी एक कैथोलिक धार्मिक संस्था है, जो गरीब और जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए समर्पित है। संगठन ने आम लोगों से भी अपील की है कि किसी भी संस्था या अभियान को सहयोग देने से पहले उसकी प्रामाणिकता की जांच अवश्य कर लें, यदि वह मिशनरीज ऑफ चैरिटी से जुड़ा होने का दावा करता है।

आईपीएल में 339 रन बनाते ही 9000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बना जायंगे विराट

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के 19 वें सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एक ऐसा रिकार्ड अपने नाम करने जा रहे है जहां तक कोई और बल्लेबाज नहीं पहुंच पाया है। आईपीएल का 19वां सीजन 28 मार्च से शुरू हो रहा है। आईपीएल 2026 का पहला ही मुकाबला आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच 28 मार्च को खेला जाना है। इस सत्र में विराट कोहली 339 रन बनते ही आईपीएल लीग में 9000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन जायेंगे।

दो बार ऑरेंज कैप विजेता विराट कोहली के लिए ये मुश्किल भी नहीं है। वह हमेशा ही आईपीएल में 500 से अधिक रन बनाते आये हैं। ऐसे में वह इस बार लीग के इतिहास में 9000 रन बनाने वाले वह पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। कोहली का पिछले तीन सत्र में औसत 53 से ऊपर रहा है विराट ने साल 2023 में 53.25 की औसत से 639, 2024 में 61.75 की औसत से 741, और 2025 में 54.75 की औसत से 657 रन बनाए थे।

कोहली के पिछली बार 2025 में किए गए प्रदर्शन की आरसीबी को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका रही है। साल 2008 से आरसीबी के लिए खेल रहे विराट ने 267 मैचों में 39.55 की औसत और 132.86 की स्ट्राइक रेट से 8 शतक और 63 अर्धशतक लगाते हुए 8661 रन बनाए हैं। विराट लीग में 8,000 रन पूरा करने वाले भी एकमात्र बल्लेबाज हैं। साथ ही, लीग में सर्वाधिक शतक का रिकॉर्ड भी उनके नाम ही है.वहीं दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा हैं। रोहित ने 272 मैचों की 267 पारियों में 2 शतक और 47 अर्धशतक लगाते हुए 7046 रन बनाए हैं। वहीं शतक के मामले में जोस बटलर दूसरे नंबर पर हैं। बटलर के नाम आईपीएल में 7 शतक हैं। बटलर के पास इस सत्र में शतकों के मामले में कोहली को पीछे करने का अवसर होगा।

बिहार में अब खेल प्राथमिकता बन गए हैं : ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा

पटना (एजेंसी)। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने रविवार को कहा कि बिहार में अब खेल प्राथमिकता बन गए हैं और उन्होंने प्रदेश में बुनियादी ढांचा बनाने के लिए राज्य सरकार की तारीफ की। प्रदेश सरकार और स्पोटर्स स्टार द्वारा आयोजित बिहार खेल कांक्लेव से इतर पत्रकारों से बातचीत में बिंद्रा ने कहा, 'बिहार में जिस तरह खेलों का विकास हो रहा है, वह काबिले तारीफ है। बिहार की खेलमंत्री (श्रेयसी सिंह) निशानेबाजी में मेरी साथी थी। वह खेलों के विकास के लिये प्रतिबद्ध है।'

बीजिंग ओलंपिक 2008 में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीतने वाले बिंद्रा ओलंपिक की व्यक्तिगत स्पर्धा में पीला तमगा जीतने वाले पहले भारतीय हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि बिहार में अब खेल प्राथमिकता बन गए हैं। मैं प्रदेश में और देश में खेलों के विकास के सफर के लिए सभी को शुभकामना देता हूं।'

केंद्रीय खेल और युवा कार्य राज्यमंत्री रक्षा खडसे ने कहा, 'पिछले पांच छह साल में बिहार में खेलों के क्षेत्र में हुआ विकास कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। प्रदेश सरकार ने मनरेगा योजना की मदद से ग्रामीण इलाकों में छोटे मैदान और स्टेडियम बनाए। उससे सीखते हुए हमने वीबी जी राम जी अधिनियम के तहत देश भर में उसी तर्ज पर स्टेडियम और छोटे मैदान बनाने के लिए बजटीय आवंटन किया है।'

उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को खेलों के विकास के लिये मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'खेल राज्य का विषय है और केंद्र सक्रिय रूप से पूरा साथ दे रहा है। खेलो भारत मिशन के तहत प्रदेशों से मशविरा करके खेलों के पूरे इकोसिस्टम में बदलाव किया जा रहा है।'

वार्न सहित ये क्रिकेटर अपने करियर में नहीं बना पाये कोई शतक

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर शेन वार्न एक गेंदबाज होने के साथ ही निचले क्रम पर अच्छी बल्लेबाजी भी करते थे पर अपने करियर में वह एक भी टेस्ट शतक नहीं लगा पाये। एक बार वह शतक के बेहद करीब आ गये थे पर लगा नहीं पाये और 99 रनों पर आउट हो गये। वार्न सहित पांच क्रिकेटर ऐसे हैं जो अपने करियर में काफी रन बनाने के बाद भी शतक नहीं लगा पाये। इनमें श्रीलंका के निराशन डिकवेला, मिचेल स्टार्क, न्यूजीलैंड के टिम साउदी और भारत के चेतन चौहान है।

वॉर्न को दुनिया के महानतम लेग-स्पिनर के रूप में जाना जाता है पर वह निचले क्रम के एक बेहद उपयोगी और आक्रामक बल्लेबाज भी रहे थे। इस बात का पता इससे चलता है कि वॉर्न ने अपने करियर में 145 टेस्ट मैचों में 12 अर्धशतक लगाकर 3154 रन बनाये हैं हालांकि वह एक बार भी शतक पूरा नहीं कर पाये। विश्व का कोई दूसरा स्पिनर इतने रन नहीं बना पाया है। वॉर्न साल 2001 में न्यूजीलैंड के खिलाफ पर्थ टेस्ट में शतक के बेहद करीब पहुंचे थे। तब वॉर्न ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए 99 रन बना लिए थे पर डेनियल विटोरी की गेंद पर एक बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में कैच हो गये थे। बाद में रिप्ले में देखा गया कि वह गेंद 'नो-बॉल' थी, लेकिन उस समय तकनीक अच्छी न होने से वॉर्न को रिव्यू नहीं मिला। वॉर्न उस पारी में ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। आठवें नंबर पर खेली वॉर्न की इस पारी से टीम हार से बच गयी थी।

टेस्ट में बिना शतक सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 5 बल्लेबाजों में दूसरे नंबर पर श्रीलंका के निरोशन डिकवेला हैं। डिकवेला ने अपने करियर में 2757 रन बनाये हैं और उनका सबसे अधिक स्कोर 96 रन रहा है। वहीं तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क ने - 2478 रन बनाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 99 रन रहा है। वहीं न्यूजीलैंड के टिम साउदी ने 2245 जबकि भारत के चेतन चौहान के नाम 2084 रन हैं। वहीं गेंदबाजी में कई ऐसे रिकॉर्ड हैं, जिन्हें तोड़ना आज के दौर में लगभग नामुमकिन लगता है। वॉर्न के नाम टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक 708 विकेट हैं। मुथैया मुरलीधरन (800) के बाद वे दुनिया के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वे 700 विकेट का आंकड़ा छूने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज थे। साल 2005 में वॉर्न ने टेस्ट क्रिकेट में एक साल में 96 विकेट लिए थे. यह आज भी एक कैलेंडर वर्ष में किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट का वर्ल्ड रिकॉर्ड है। टेस्ट और वनडे मिलाकर वॉर्न के नाम कुल 1001 विकेट हैं।

केकेआर के तेज गेंदबाज आकाशदीप आईपीएल से बाहर हुए

–मधवाल को मिल सकता है अवसर

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज गेंदबाज आकाश दीप चोटिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से बाहर हो गये हैं। ऐसे में केकेआर की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। आकाशदीप जैसे बेहतरीन गेंदबाज की कमी पूरी करना आसान नहीं है। इसी कारण अब टीम प्रबंधन नए विकल्प तलाशने में लग गयी है। इसी कारण अब उसकी नजरें तेज गेंदबाज़ आकाश मधवाल को शामिल करने पर लगी हैं। आकाश ने पूर्व में मुम्बई इंडियंस की ओर से खेला है। आकाश दीप को केकेआर ने प्रमुख ने तेज़ गेंदबाज़ के तौर पर रखा था पर वह फिट नहीं होने से लीग से बाहर हो गये हैं। वह पीठ के निचले हिस्से में खिंचाव से परेशान हैं। इसी कारण उन्हें करीब तीन महीने तक खेल से दूर रहना पड़ेगा। इससे साफ हो गया है कि वह इस पूरे सत्र में नहीं खेलेंगे।

केकोर का को इस प्रकार दूसरा झटका लगा है। इससे पहले उनके तेज़ गेंदबाज़ हर्षित राणा भी चोटिल होने के कारण सत्र से बाहर हो गये थे। अपने दो प्रमुख गेंदबाजों के खोने का प्रभाव मैच में नजर आयेगा। राणा को विश्वकप से पहले ही अभ्यास मैच के दौरान चोट लगी थी, जिसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। दो तेज गेंदबाजों के बाहर होने से केकेआर की गेंदबाजी इकाई काफी कमजोर नजर आ रही है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार केकेआर अब मधवाल को आकाश दीप के विकल्प के तौर पर टीम में शामिल करने की योजना बना रही है। मधवाल पहले मुंबई इंडियंस का हिस्सा रहे हैं और आईपीएल में अपने प्रदर्शन से पहचान बना चुके हैं। खासकर 2023 के एलिमिनेटर मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ उन्होंने शानदार गेंदबाजी की थी। विकेट लेने की क्षमता इस गेंदबाज को विशेष बनाती है।

वहीं इसके अलावा केकेआर युवा आरएस अंबरीश को भी टीम में शामिल करने पर विचार कर रही है। अंबरीश हाल ही में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे और उन्होंने टूर्नामेंट में 11 विकेट लेकर अपनी क्षमता साबित की थी। टीम ने पहले ही लीग से हटाये गये बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्तफिज़ुर रहमान की जगह जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुज़रबानी को शामिल किया था।

लिवरपूल और चेल्सी पर चैंपियंस लीग में जगह बनाने की दौड़ से बाहर होने का खतरा

लिवरपूल । लगातार खराब प्रदर्शन के कारण लिवरपूल और चेल्सी के लिए प्रीमियर लीग फुटबाल टूर्नामेंट का खिताब तो दूर की कौड़ी बनता ही जा रहा है, बल्कि उन पर अब चैंपियंस लीग में जगह बनाने की दौड़ से बाहर होने का खतरा भी मंडरा रहा है।

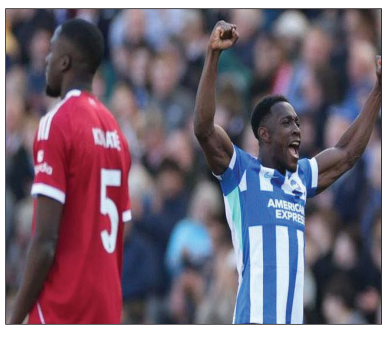

लिवरपूल को इस सत्र में प्रीमियर लीग में 10वीं जबकि चेल्सी को 10 दिनों में लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा है। शनिवार को ब्राइटन के हाथों 2-1 से मिली हार से लिवरपूल का अपने खिताब का बचाव करने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। मौजूदा चैंपियन टीम पिछले तीन मैच में जीत हासिल नहीं कर पाई है। इसके कुछ घंटों बाद चेल्सी को एवर्टन ने 3-0 से हरा दिया। लिवरपूल लीग में पांचवें स्थान पर बना हुआ है। वह चेल्सी से एक अंक और एक स्थान आगे है। प्रीमियर लीग में शीर्ष पांच में रहने वाली टीम ही अगले सत्र के लिए चैंपियंस लीग में जगह बनाएंगी।

आईपीएल में वापसी के लिए श्रेयस को बढ़ाना पड़ा वजन

मोहाली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वह आईपीएल सत्र के लिए तैयार हैं। श्रेयस ने कहा कि कि वह अपनी चोट से उबर गये हैं और नए सत्र के लिए तैयार हैं। इस दौरान श्रेयस ने उस समय को याद किया जब ऑस्ट्रेलिया में लगी चोट के कारण उनका वजन भी काफी कम हो गया था। जिसे फिर से बढ़ाने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। श्रेयस को अक्टूबर में भारत की ऑस्ट्रेलिया के बीच हुई एकदिवसीय सीरीज के दौरान पेट में गंभीर चोट लग गई थी। जिसके बाद उन्हें आईसीयू में भी रहना पड़ा था। इसी कारण वह कई हफ्तों तक टीम से बाहर रहे और उन्हें रिहैब से भी गुजरना पड़ा। वहीं अब श्रेयस ने कहा है कि वह दौर उनके लिए काफी कठिन था। साथ ही कहा, 'चोट के बाद वापसी करना हमेशा ही कठिन होता है। मेरा वजन भी तकरीबन 7 किलो कम हो गया था पर राहत की बात ये रही कि दो माह बाद मैं फिर से फिट हो गया।'

इस बल्लेबाज ने कहा, ' 7 किलो वजन दोबारा बढ़ाना उनके लिए काफी कठिन काम था। मुझे चुनौतियां पसंद हैं और ये भी एक बड़ी चुनौती थी जिसे निकलना था। मैं खुश हूं कि उस दौर से निकलकर अब फिर से अपनी टीम से खेलने तैयार हूं।' श्रेयस को अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय के दौरान चोट लगी थी। अय्यर ने इस साल की शुरुआत में वापसी की थी, इससे उन्हें आईपीएल की तैयारी करने का अवसर मिल गया। इस खिलाड़ी का कहना है कि अब उनका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर अपनी टीम को ट्रॉफी जिताना रहेगा।

जब मजाकिया अंदाज में बोले वैभव, दो-तीन हजार रन बनाना चाहता हूं

जयपुर । राजस्तान रॉयल्यस के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक कार्यक्रम में अपनी हाजिर जवाबी से सभी को हंसा दिया। वैभव यहां राजस्थान रॉयल्स के एक कार्यकम में शामिल हुए थे। इस दौरान वहां अन्य क्रिकेटर और टीम के प्रशंसा भी उपस्थित थे। इसी दौरान जब एक मीडियाकर्मी ने वैभव से पूछा कि वह इस बार आईपीएल में कितने रन बनाना चाहते हैं तो वैभव ने हल्के फुल्के अंदाज में कहा कि ऐसा सवाल मत पूछो नहीं तो मैं कह दूंगा कि मुझे दो तीन हजार रन बनाने हैं। इसपर सभी हंस पड़े। इसके बाद वैभव ने कहा कि कहा कि वह व्यक्ति प्रदर्शन नहीं बल्कि टीम के लिए खेलने पर भरोसा करते हैं। उनका लक्ष्य केवल बेहतर प्रदर्शन करना और टीम को जीत दिलाना रहेगा। वैभव ने कहा कि ये पहले से नहीं बताया जा सकता है कि कितने रन बनाये जा सकते हैं। वह सिर्फ अपने काम पर ध्यान देंगे और टीम के लिए मैच जिताने वाली पारियां खेलेंगे। उनका मुख्य लक्ष्य टीम को जीत दिलाना है न कि अपना रिकार्ड बनाना। इस बल्लेबाज ने पिछल बार आईपीएल में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया था। तब सिर्फ 35 गेंदों में शतक लगाकर सभी को हैरान किया था। इसके अलावा अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में 175 रन की पारी खेलकर भारत को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस बार टीम में बदलाव के बाद वैभव को शीर्ष क्रम में अधिक अवसर मिल सकते हैं और संजू सैमसन के नहीं होने के कारण उन्हें पारी की शुरुआत का भी अवसर मिल सकता है।

मियामी ओपन: पार्क्स को हराकर कोको गॉफ ने अगले दौर में जगह बनाई

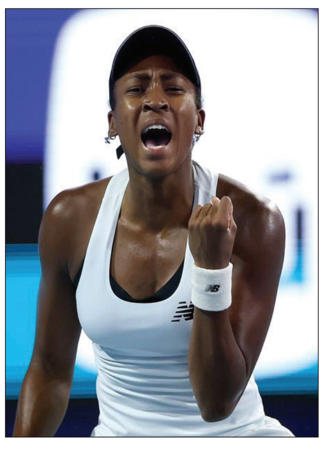

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोको गॉफ ने शानदार वापसी करते हुए अपनी हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी एलिसिया पार्क्स को तीन सेटों में हराकर मियामी ओपन के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है।

शुरुआत में मुश्किलों के बावजूद गॉफ ने मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा और कई ब्रेक प्वाइंट्स बचाए। मियामी में गॉफ चौथी बार राउंड ऑफ 16 में पहुंचने में सफल रही हैं। 22 वर्षीय खिलाड़ी की कोशिश डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट में अपनी पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की होगी। गॉफ ने शुरुआती ब्रेक के साथ 2-0 की बढ़त बनाई लेकिन पार्क्स ने लगातार छह गेम जीतकर पहला सेट 6-2 से अपने नाम कर लिया। इसके बाद गॉफ ने जोरदार वापसी करते हुए मैच पर पूरी तरह से अपना दबदबा बना लिया और अगले 13 में से 12 गेम जीतकर 1 घंटे 50 मिनट में 2-6, 6-0, 6-1 से जीत हासिल की।

गॉफ ने अपनी जीत के बाद कहा, 'यह सच में बहुत मुश्किल था। वह बहुत अच्छा खेल रही थीं, और वह उन खिलाड़ियों में से हैं जिनका खेल कभी-कभी बहुत अच्छा होता है तो कभी-कभी बिल्कुल भी नहीं चलता। इसी वजह से आप एक ऐसी बारीक रेखा पर फंस जाते हैं जहां आपको आक्रामक भी रहना होता है लेकिन साथ ही उन्हें खेलने का मौका भी देना होता है। मुझे लगता है कि मैं इस मामले में थोड़ा ज्यादा ही दूसरी तरफ झुक गई थी। फिर दूसरे और तीसरे सेट में मैंने आक्रामक खेलने की कोशिश की। मैंने रिटर्न पर कुछ बदलाव किए, और मुझे लगता है कि उसी से फर्क पड़ा।'

2025 सीजन की शुरुआत के बाद से यह अमेरिकी खिलाड़ी की डब्ल्यूटीए स्तर पर पहला सेट हारने के बाद 11वीं जीत थी। इस आंकड़े के मामले में वह मैडिसन कीज और अनास्तासिया पोटापोवा के साथ बराबरी पर हैं। इसी समय-सीमा में, एक सेट से पिछड़ने के बाद सबसे ज्यादा जीत हासिल करने वालीं एकमात्र खिलाड़ी जेसिका पेगुला (13) हैं। इसके अलावा, साल 2000 के बाद जन्मी खिलाड़ियों में डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट्स में गॉफ सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। उनके नाम 104 जीत हैं। गॉफ से आगे इगा स्वियातेक हैं, जिन्होंने डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट्स में 130 जीत दर्ज की हैं।

अब अगले राउंड में कोको गॉफ का मुकाबला सोराना सिर्स्टिया से होगा, जहां उनकी नजर डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट में अपने पहले क्वार्टर फाइनल में पहुंचने पर होगी। टूर पर अपना आखिरी सीजन खेल रहीं रोमानिया की अनुभवी खिलाड़ी सिर्स्टिया ने 21वीं वरीयता प्राप्त एलिस मर्टेंस को 6-3, 6-2 से हराया। गॉफ और सोराना का सामना अब तक एक बार हुआ है। 2022 ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में गॉफ सोराना पर भारी पड़ी थीं।

मियामी ओपन : जैनिक सिनर ने दामिर जुमहुर को हराया, जोकोविच के रिकॉर्ड की बराबरी की

मियामी । जैनिक सिनर ने हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए मियामी ओपन के पहले राउंड के मुकाबले नें दामिर जुमहुर को 6-3, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ सिनर ने दिग्गज नोवाक जोकोविच के एक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। सिनर मैच में अपनी डिलीवरी से सिर्फ आठ अंक पीछे रह गए। नवंबर में पेरिस मास्टर्स और इंडियन वेल्स में अपने खिताबी जीत के बाद अब एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट्स में लगातार 24 सेट जीत नोवाक जोकोविच के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। उनके पास 30वीं सीड कोरेंटिन मौटेट के खिलाफ अपने तीसरे राउंड के मुकाबले का पहला सेट जीतकर जोकोविच से आगे निकलने का मौका होगा, जिन्होंने टॉमस माचाक को 6-0, 1-6, 6-4 से हराया था। जीत के बाद सिनर ने कहा, 'मुझे लगता है कि कभी-कभी स्कोरबोर्ड मायने रखता है। मेरे लिए, मैं एक खिलाड़ी के तौर पर बेहतर होने की कोशिश करता हूं और खुद को ज्यादा से ज्यादा मैच खेलने की स्थिति में रखता हूं। मैं हमेशा हर विरोधी के साथ एक जैसा बर्ताव करता हूं, कोर्ट पर आकर अच्छे रवैये के साथ अपना बेस्ट देने की कोशिश करता हूं और इसके लिए पूरी कोशिश करता हूं।' सिनर मियामी में अपना दूसरा खिताब जीतने की कोशिश कर रहे हैं। पूर्व में 2024 में वह चैंपियन रहे थे। इटैलियन के पास साउथ फ्लोरिडा में डिफेंड करने के लिए कोई एटीपी रैंकिंग पॉइंट नहीं है, जिससे उन्हें विश्व के नंबर 1 खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज के साथ अपनी लड़ाई में और मोमेंटम बनाने का मौका मिल रहा है। इंडियन वेल्स में 2026 के लिए अपनी पहली ट्रॉफी उठाने के बाद, इटैलियन खिलाड़ी 2017 में रोजर फेडरर के बाद मशहूर 'सनशाइन डबल' पूरा करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे हैं। दूसरी तरफ, अलेक्जेंडर शेवचेंको ने एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में वापसी करते हुए जीत हासिल करके बेन शेल्टन को मियामी ओपन से बाहर कर दिया। अपने 6-7(3), 7-6(3), 6-3 के उलटफेर के साथ, कजाकिस्तानी ने तीसरी टॉप-10 जीत हासिल की और अपने होम स्टेट फ्लोरिडा में सबसे बड़े टूर्नामेंट में शेल्टन को 1-4 पर गिरा दिया।

धोनी बोले आईपीएल में हैरान कर सकता है युवा ऑलराउंडर प्रशांत वीर

जयपुर (एजेंसी)। चेन्नई (ईएमएस)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने युवा ऑलराउंडर प्रशांत वीर की जमकर प्रशंसा की है। प्रशांत को सीएसके ने आईपीएल नीलामी में 14.2 करोड़ रुपये में खरीदा था। इसी का एक वीडियो सीएसके ने जारी किया है।

इस वीडियो में धोनी युवा ऑलराउंडर प्रशांत की प्रशंसा करते हुए कहते हैं ये ऑलरांउडर लीग में अपने प्रदर्शन से सभी को हैरान कर सकता है। धोनी कभी कभार ही किसी खिलाड़ी की तारीफ करते हैं, इसलिए उनकी बात को काफी महत्व दिया जाता है। अभ्यास सत्र में जब प्रशांत वीर बल्लेबाजी कर रहे थे तब विकेट के पीछे से धोनी उनपर नजर रखे थे। वीर ने ऑफ साइड में शानदार शॉट लगाया, जिस पर धोनी ने तुरंत तारीफ करते दिखे। इसके बाद वीर ने एक शानदार स्कूप शॉट खेला, जिस पर भी धोनी ने बाउंड्री होने का इशारा किया। इसके बाद प्रशांत ने सीधा स्ट्रेट ड्राइव खेला, जिसे देखने के बाद धोनी ने उनकी जमकर सराहना की। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। प्रशंसकों ने भी इस युवा खिलाड़ी की जमकर प्रशंसा की है। सीएसके के खेमें में भी इससे उत्साह छाया हुआ है।

प्रशांत वीर उत्तर प्रदेश के युवा ऑलराउंडर हैं, जो बाएं हाथ के बल्लेबाज और स्पिन गेंदबाज हैं। वह आमतौर पर निचले मुध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हैं। घरेलू क्रिकेट में अ अच्छे प्रदर्शन के बाद आईपीएल में उन्हें अवसर मिला है। मिनी ऑक्शन में वह 14.20 करोड़ में बिके थे। इस प्रकार वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ियों में आ गये थे। प्राशांत ने अंडर-23 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 7 मैचों में 376 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 94 और स्ट्राइक रेट 128.76 रहा।

आईपीएल के एक सत्र में सबसे अधिक विकेट लेने का रिकार्ड है हर्षल और ब्रेवो के नाम

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन इस माह के अंत में शुरु हो रहा है। ऐसे में अब तक हुए आईपीएल मुकाबलों और उनमें बने रिकार्डों को लेकर चर्चाएं होती रहती हैं। इसी में से एक रिकार्ड है सबसे अधिक विकेट का। अब तक कई गेंदबाजों ने आईपीएल में काफी विकेट लिए हैं पर किसी एक सत्र में सबसे अधिक विकेट की बात की जाये तो वह रिकाड अबतक संयुक्त रुप से दो गेंदबाजों हर्षल पटेल और ड्वेन ब्रावो नाम है। आरसीबी के हर्षल ने साल 2021 में बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 15 मुकाबलों में कुल 32 विकेट लिए थे। उनका ये रिकार्ड अब तक कायम है अब देखना है कि इस सत्र में कोई गेंदबाज इसे तोड़ पाता है या नहीं। हर्षल ने आईपीएल 2021 में आरसीबी की ओर से खेलते हुए 15 मुकाबलों में 32 विकेट लिए थे। इस सत्र उन्होंने एक मुकाबले में 5 विकेट लिए थे। वहीं ड्वेन ब्रावो- ने आईपीएल 2013 में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलते हुए 32 विकेट निकाले थे। ब्रावो ने 18 मुकाबलों में केवल 7.95 की इकोनॉमी से रन दिये किए थे। ब्रावो की बेहतरीन गेंदबाजी के बल पर चेन्नई सुपर किंग्स फाइनल तक पहुंचने में सफल रही थी। हालांकि, खिताबी मुकाबले में टीम को मुंबई इंडियंस के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलते हुए आईपीएल 2020 में कगिसो रबाडा ने 17 मुकाबलों में कुल 30 विकेट लिए थे ओर वह इस प्रकार दूसरे नंबर पर हैं।

आईपीएल में अब तक विकेटकीपर के तौर पर संगाकारा का रिकार्ड बरकरार

मुम्बई (एजेंसी)। इस माह के अंत में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 सत्र शुरु होगा। जिससे भी नये-नये रिकार्ड बनेंगे। अब तक हुए सत्रों में कई ऐसे रिकार्ड बने हैं जो अब तक कोई नहीं तोड़ पाया है। अब देखना है कि वह रिकार्ड इस सत्र में टूटता है या नहीं ये रिकार्ड है। विकेट के पीछ पांच शिकार करन का जो श्रीलंका के दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार संगकारा के नाम है। यहां तक कि महेन्द्र सिंह धोनी भी इस रिकार्ड तक नहीं पहुंच पाये हैं। संगाकारा ने आईपीएल के चौथे सत्र में ये रिकार्ड बनाया था। तब साल 2011 में डेक्कन चार्जर्स का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से था। वहीं डेक्कन चार्जर्स की कप्तानी और विकेटकीपिंग कुमार संगाकारा कर रहे थे। उस मैच में संगाकारा ने विकेटों के पीछे से एक के बाद एक बेहतरीन कैच लेकर रिकॉर्ड बना दिया। उन्होंने 5 कैच लिए। संगाकारा के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी अहम है, क्योंकि उन्होंने तिलकरत्ने दिलशान, विराट कोहली और एबी डीविलियर्स जैसे दिग्गजों के खिलाफ ये रिकार्ड बनाया था। चेन्नई

सुपरकिंग्स के विकेटकीपर धोनी को दुनिया का सबसे तेज विकेटकीपर माना जाता है, जिनके नाम 0.08 सेकंड में स्टंपिंग करने का विश्व रिकॉर्ड है। धोनी ने आईपीएल करियर में कई बार एक मैच में 4 खिलाड़ियों को पेवेलियन भेजा है पर पांच शिकार उन्होंने नहीं किये हैं।

संगाकारा ने तिलकरत्ने दिलशान, एबी डिविलियर्स, सौरभ तिवारी, जोहान वैन डेर वाथ और रायन निनन के विकेट लिए। संगाकारा की बेहतरीन विकेटकीपिंग के कारण चार्जर्स ने मुकाबला 33 रन से जीता। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2011 के 11वें मुकाबले में डेक्कन चार्जर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 175 रन बनाए थे। भरत चिप्ली ने 35 गेंदों में नाबाद 61 रन की पारी खेली। उनके अलावा सनी सोहेल ने 38 रन और कुमार संगाकारा ने 36 रन का बनाये। जेपी ड्यूमिनी ने 22 रन बनाए। वहीं विरोधी टीम की ओर से जहीर खान ने सर्वाधिक 3 विकेट लिए जबकि जोहान वैन डेर वाथ और रायन निनन ने 1-1 विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में आरसीबी निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 142 रन ही बना सकी।

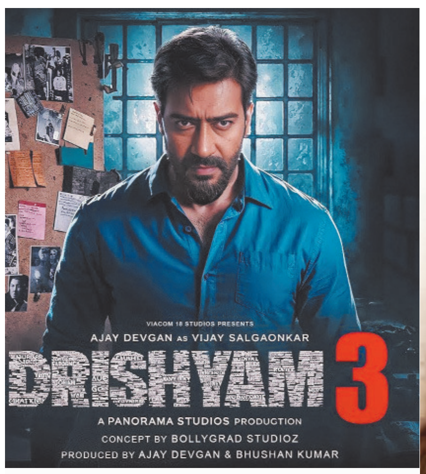

रीमेक की बेड़ियों से आजाद होगी दृश्यम 3

इंडियन सिनेमा में सस्पेंस और थ्रिलर की परिभाषा बदलने वाली फ्रेंचाइज 'दृश्यम' अपने तीसरे और सबसे घातक चैप्टर की ओर बढ़ चुकी है। विजय सलगांवकर की शातिर चालाकी और कानून के फौलादी शिकंजे के बीच अब एक ऐसी बिसात बिछने वाली है, जहां से किसी एक का बचना नामुमकिन है। मेकर्स ने इस शेड्यूल के लिए बेहद गोपनीय और पुख्ता रणनीति तैयार की है। निर्देशक अभिषेक पाठक ने इस बार साहस दिखाते हुए फिल्म को रीमेक की बेड़ियों से आजाद कर दिया है। 'दृश्यम 3' अब मोहनलाल के मलयालम वर्जन को फॉलो नहीं करेगी। इसे पूरी तरह नॉर्थ इंडियन कल्चर और अपनी मौलिक स्क्रिप्ट के आधार पर ढाला गया है। मेकर्स का मानना है कि 'दृश्यम' अब एक ग्लोबल बांड है और सलगांवकर का अंत अब उसकी अपनी शर्तों पर होगा।

पुलिस की वर्दी में नहीं दिखेगा जयदीप अहलावत का किरदार

इस बार सबसे बड़ा मास्टरस्ट्रोक कास्टिंग में दिखता है। अक्षय खन्ना के बाहर होने के बाद' पाताल लोक' फेम जयदीप क्राइम एसपी की भूमिका में नजर आएंगे। वह वर्दी या पारंपरिक पुलिसिया रौब में नहीं, बल्कि सिविल ड्रेस में सलगांवकर के घर पहुंचेंगे। जयदीप और अजय के बीच संवादों का तीखा दंगल दिखेगा। जयदीप उन दफन राजों का जिक्र करेंगे, जिन्हें विजय सलगांवकर ने छिपाया था।

आदित्य धर के साथ काम करना चाहती हैं भूमि पेडनेकर

धुरंधर को दर्शकों ने खूब पसंद किया था और सिर्फ फैंस ही नहीं, कई सेलेब्स ने भी इस स्पाई-एक्शन थ्रिलर की तारीफ की। अब इस लिस्ट में एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर का नाम भी जुड़ गया है।

हाल ही में द राइट एंगल विद सोनल कालरा के एपिसोड में भूमि ने माना कि 'धुरंधर' देखने के बाद वह आदित्य धर और रणवीर सिंह के साथ काम करना चाहती हैं। इंटरव्यू के दौरान सोनल कालरा ने उनसे पूछा, 'भूमि, आपने कई शानदार लोगों के साथ काम किया है, लेकिन ऐसा कौन-सा एक डायरेक्टर और एक एक्टर है जो अभी भी आपकी बकेट लिस्ट में है?' इस पर भूमि पेडनेकर ने जवाब दिया, 'एक डायरेक्टर चुनना मेरे लिए मुश्किल है, क्योंकि कई लोग हैं जिनके साथ मैं काम करना चाहती हूं। मैं जरूर संजय लीला भंसाली के साथ काम करना चाहती हूं। किसी भी तरह से उनके साथ काम करना मेरा सपना है। मुझे उम्मीद है कि मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिलेगा, क्योंकि वह एक जीनियस हैं। इसके अलावा राजकुमार हिरानी के साथ भी काम करना चाहती हूं। और अब मैं आदित्य धर के साथ भी काम करना चाहती हूं, क्योंकि मुझे 'धुरंधर' का पहला पार्ट बहुत पसंद आया।'

भूमि ने आगे कहा, 'मैं आमतौर पर बहुत ज्यादा मस्कुलिन फिल्मों की ऑडियंस नहीं हूं। ऐसी फिल्मों में मुझे नींद आने लगती है और मैं उनसे कनेक्ट नहीं कर पाती। लेकिन 'धुरंधर' मुझे बहुत पसंद आई। अगर एक्टर्स की बात करूं तो मैं रणवीर सिंह की बहुत बड़ी फैन हूं। उनके साथ काम करने का मौका जरूर चाहूंगी। मुझे नहीं लगता कि उनकी कोई भी परफॉर्मेंस ऐसा रहा हो जिससे मैं, एक फैन के तौर पर, निराश हुई हूं। 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में तो मैं उन्हें देखकर पूरी तरह ऑब्सेस्ड हो गई थी।' वर्कफ्रंट की बात करें तो भूमि पेडनेकर जल्द ही इमरान खान की कमबैक फिल्म में उनके साथ नजर आने वाली हैं।

एक्शन फिल्म 'किंग' के बाद बड़े बजट के क्लासिक ड्रामा फिल्म करना चाहते हैं शाहरुख

शाहरुख खान इन दिनों अपनी एक्शन फिल्म 'किंग' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि 'किंग' में जबरदस्त एक्शन के बाद शाहरुख किस तरह की फिल्म करना चाहता हैं। शाहरुख इन दिनों सिद्धार्थ आनंद के साथ अपनी फिल्म 'किंग' की शूटिंग पूरी करने वाले हैं। पिंकविला की एक खबर के अनुसार, कई एक्शन फिल्मों के बाद, शाहरुख रोमांस की ओर लौटना चाहते हैं। शाहरुख खान अब अपनी अगली फिल्मों की प्लानिंग कर रहे हैं। उनकी फिल्म 'किंग' दिसंबर 2026 में रिलीज होगी। 'किंग' की शूटिंग जल्द खत्म होने वाली है।

कैसी होगी शाहरुख की अगली फिल्म

शाहरुख खान रोमांस वाली फिल्मों के लिए बहुत मशहूर हैं। उन्हें एक बड़े बजट की, पुराने स्टाइल की, मैच्योर रोमांटिक ड्रामा फिल्म का ऑफर मिला है। वह इस स्क्रिप्ट पर गंभीरता से सोच रहे हैं। यह फिल्म उनकी पुरानी रोमांटिक भूमिकाओं की कॉपी नहीं होगी, बल्कि अलग कहानी होगी। इसमें बहुत सारी भावनाएं और ड्रामा होगा। इससे वह फिर से 'रोमांस के बादशाह' की तरह नजर आएंगे।

फराह के साथ काम कर सकते हैं शाहरुख

कथित तौर पर इस फिल्म के अलावा शाहरुख निर्देशक फराह खान के साथ फिर से काम कर सकते हैं। यह फिल्म 'मैं हूं ना 2' हो सकती है। इसमें शाहरुख डबल रोल में नजर आ सकते हैं। अभी इसकी स्क्रिप्ट तैयार हो रही है। शाहरुख दोनों प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी उत्साहित हैं। वह जून 2026 तक अपनी अगली फिल्म का फैसला ले लेंगे। इसके लिए वह इंडस्ट्री के कई लोगों से मिल भी रहे हैं।

कब रिलीज होगी 'किंग'?

'किंग' 24 दिसंबर 2026 को क्रिसमस के समय रिलीज हो सकती है। उसके बाद जनवरी या फरवरी 2027 में शाहरुख अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। इस नई फिल्म के लिए एक बड़े नाम के डायरेक्टर से भी बात चल रही है।

सरकार 4 मेरे सारे पाप धो देगी

पॉपुलर पॉलिटिकल-क्राइम फिल्म सीरीज 'सरकार' के तीन पार्ट आ चुके हैं, जिसमें अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, ऐश्वर्या राय बच्चन और मनोज बाजपेयी जैसे कलाकार नजर आ चुके हैं। अब फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने इस फिल्म को लेकर बड़ा ऐलान किया है।

फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने अपनी पॉपुलर पॉलिटिकल-क्राइम फिल्म सीरीज 'सरकार' की अगली फिल्म 'सरकार 4' का ऐलान कर दिया है। निर्देशक ने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग अगले महीने से शुरू होने वाली है। उन्होंने कहा, 'मैं 'सरकार 4' बना रहा हूं। इसकी शूटिंग मैं अगले महीने से शुरू करने वाला हूं।' उन्होंने अपने एक और प्रोजेक्ट 'द सिंडिकेट' के बारे में भी बात की। इस पर मजाक करते हुए राम गोपाल वर्मा ने कहा कि यह फिल्म मेरे सारे पाप धो देगी। राम गोपाल वर्मा ने यह जानकारी रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल के उद्घाटन के दौरान दी। 'सरकार' सीरीज की शुरुआत साल 2005 में हुई थी, जिसमें अमिताभ बच्चन ने सुभाष नागरे का दमदार किरदार निभाया था। फिल्म में उनके साथ अभिषेक बच्चन भी नजर आए थे, जिन्होंने इस फिल्म में अमिताभ के बेटे 'शंकर' के किरदार निभाया था। इसके बाद इस फ्रेंचाइजी की दूसरी फिल्म 'सरकार राज' 2008 में रिलीज हुई, जिसमें ऐश्वर्या राय बच्चन भी अहम भूमिका में थीं। फिर 2017 में 'सरकार 3' आई, जिसमें अमिताभ और अभिषेक के अलावा यामी गौतम, मनोज बाजपेयी और अमित साध जैसे कलाकार दिखाई दिए थे। अब 'सरकार 4' की घोषणा के बाद फैंस में एक्साइटमेंट बढ़ गई है।

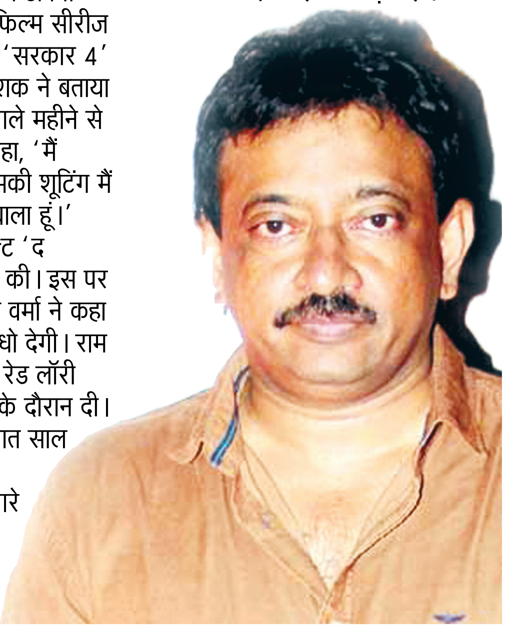

'मेस' में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे ऋतिक रोशन

ऋतिक रोशन ने आज आगामी फिल्म 'मेस' की जानकारी देते हुए एक खास तस्वीर सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की है। इस तस्वीर में उनके साथ उनके चचेरे भाई ईशान रोशन भी नजर आ रहे हैं। जानिए किस पर आधारित है फिल्म 'मेस'।

फिल्म की कहानी कुछ चोरों की है, जो एक ऐसे व्यक्ति के घर में चोरी करने जाते हैं, जो ओसीडी से ग्रसित होता है। जैसे-जैसे रात बीतती है, चोरों को पता चलता है कि घर की हालत वैसी नहीं है जैसी उन्होंने सोची थी। अब शायद उन्हें ही मुश्किल में पड़ना पड़ेगा और रात भर जीवित बचना होगा। यह एक मजेदार और हल्की-फुल्की कॉमेडी होगी। ऋतिक रोशन 'मेस' में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

फिल्म में ऋतिक के अलावा और कौन-कौन से कलाकार होंगे इसकी जानकारी जल्द आएंगी। इसके अलावा इसकी रिलीज डेट की तारीख भी जल्द ही सामने आएगी।

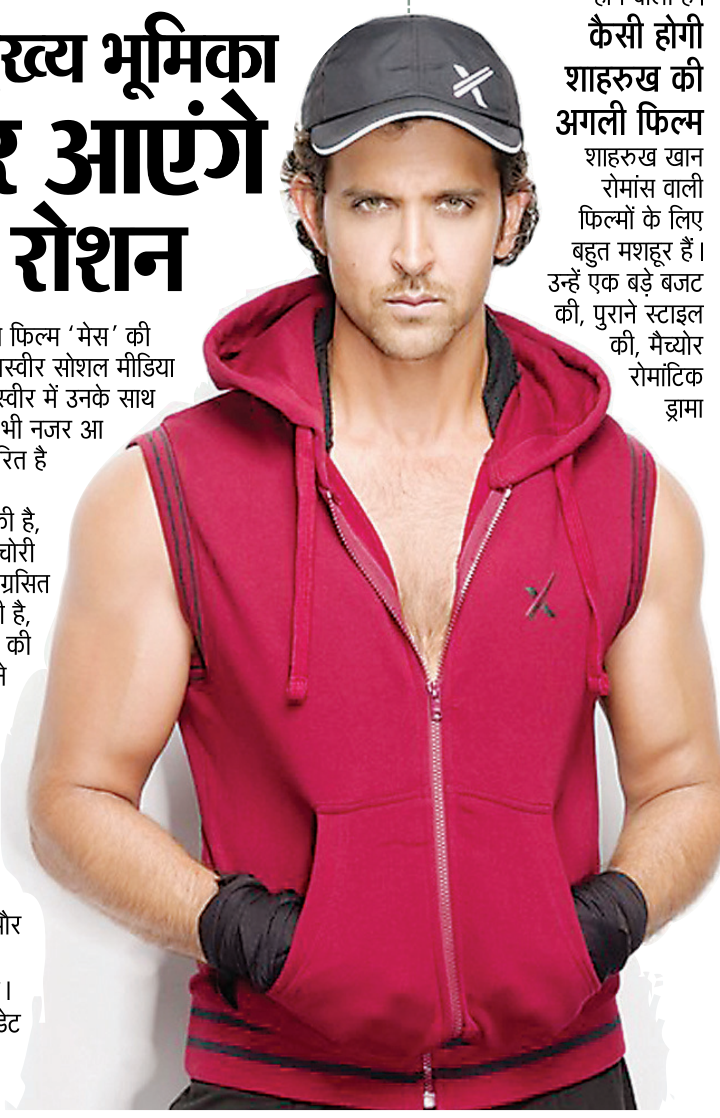

भारत में किसी अवॉर्ड फंक्शन के दौरान किसी भारतीय स्टार को रोस्ट नहीं कर सकते

अभिनेता और स्टैंड अप कॉमेडियन वीर दास अपनी बेबाकी के लिए भी जाने जाते हैं। हाल ही में ऑस्कर में अवॉर्ड फंक्शन के दौरान होस्ट कॉनन ओ ब्रायन द्वारा कई स्टार्स को रोस्ट करने किया गया। इसे देखने के बाद वीर दास का कहना है कि भारत में ऐसा नहीं किया जा सकता है। भारत में किसी अवॉर्ड फंक्शन के दौरान भी किसी भारतीय स्टार को रोस्ट नहीं कर सकते।

इसलिए कॉमेडियन को चुना जाता है होस्ट

वीर दास भारत में कुछ अवॉर्ड समारोहों को होस्ट कर चुके हैं। इसके अलावा वह 52वें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स को भी होस्ट कर चुके हैं। लेकिन वीर दास का मानना है कि भारत में रोस्टिंग स्टाइल में होस्टिंग नहीं की जा सकती। अपने एक्स अकाउंट पर इस बारे में लिखते हुए वीर दास ने कहा, 'भारत में गेर्विस या कॉनन की तरह किसी बड़े फिल्म पुरस्कार समारोह की मेजबानी क्यों नहीं की जाती? दरअसल, मैंने पांच साल तक कई भारतीय पुरस्कारों के लिए स्क्रिप्ट लिखी है। इसका कारण यह है: ऑस्कर या फिल्म अवॉर्ड्स की किसी कॉमेडियन द्वारा मेजबानी किए जाने का मकसद यह है कि एक रात के लिए, एक मसखरा दुनिया के सबसे खूबसूरत चुने हुए लोगों को मानवीय रूप दे सके। क्योंकि उन्हें पहले से ही सम्मानित किया जा रहा होता है। ऐसे में कोई भी मजाक जोरदार हो जाता है।'

बुरा मान जाते हैं भारतीय सितारे

हालांकि, वीर दास ने आगे बताया कि भारत में ऐसा क्यों नहीं हो सकता? उन्होंने आगे कहा, 'यहां, सितारों का अहंकार अपने स्तर से नीचे के किसी भी व्यक्ति के मजाक को बर्दाश्त नहीं करता। विडंबना यह है कि जितना बड़ा स्टार होस्ट करता है, मामला उतना ही पेचीदा हो जाता है। क्योंकि उस स्तर पर तो सिर्फ तीन ही लोग होते हैं। इसलिए एक बड़े स्टार का होस्ट करना वहां मौजूद लोगों के लिए तो ठीक रहता है, लेकिन देखने वालों के लिए हमेशा मजेदार नहीं होता। ऐसा इसलिए क्योंकि सत्ता का संतुलन बिगड़ जाता है।'

98वें ऑस्कर में कॉनन ओ ब्रायन ने किया रोस्ट

कॉनन ओ'ब्रायन ने लगातार दूसरे साल ऑस्कर की मेजबानी की। शो के दौरान उन्होंने पिछले कुछ महीनों से सामाजिक-सांस्कृतिक चर्चाओं में छाए कई मुद्दों पर बात की। इनमें ईरान, इस्राइल और अमेरिका के बीच मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष से लेकर एआई एआई के बढ़ते खतरे तक शामिल हैं। उन्होंने टिमोथी चालमेट की ओपेरा और बैले पर की गई टिप्पणियों पर भी तंज कसा, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थीं।

'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में नजर आए थे वीर

वर्कफ्रंट की बात करें तो वीर दास को आखिरी बार 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में देखा गया था। इससे उन्होंने निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा। इस फिल्म में मोना सिंह भी हैं, साथ ही आमिर खान और इमरान खान की विशेष भूमिकाएं भी हैं। आमिर खान प्रोडक्शन हाउस द्वारा निर्मित यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई।

परीकथाओं का देस जैसलमेर...

चलिए आज हम आपको राजस्थान लेकर चलते हैं, जहाँ के राजा-महाराजाओं की गौरवगाथा कहते बड़े-बड़े किले, रेगिस्तान की रेत, लोगों का प्यार और जीवन के रंग पर्यटकों को सदैव आकर्षित करते हैं। इस कड़ी में आज हम जैसलमेर की यात्रा करेंगे। बारहवीं शताब्दी में निर्मित जैसलमेर का किला यहाँ का सबसे प्रमुख आकर्षण है। इसके अलावा समय-समय पर जैसलमेर के धनी व्यापारियों ने यहाँ कई सुंदर हवेलियाँ बनवाई हैं। मरुस्थल में बना किलेनुमा शहर एक सुनहरी परिकल्पना है। भाटी राजपूत शासक रावल जैसल के नाम पर ही इस शहर का नाम जैसलमेर रखा गया। 1156 में उन्होंने इस शहर की स्थापना की।

भारत से इजिप्ट और अरब देशों की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर होने की वजह से जैसलमेर की काफी प्रगति हुई। वहाँ से गुजरने वाले मालवाहक काफिलों से कर वसूल कर भाटी राजपूत शासकों ने अपनी तिजोरियाँ खूब भरीं। उन्होंने यहाँ लूटपाट करके भी बहुत धन एकत्रित किया।

14वीं शताब्दी में दिल्ली के सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी ने अपना खजाना वापस लाने के लिए 9 साल तक इस किले को घेरे रखा। जब किले का पतन होने लगा तो महिलाओं ने जौहर किया यानी अपने आपको खत्म कर दिया और पुरुषों ने भगवे वस्त्र पहनकर मौत को गले लगा लिया। ब्रिटिश सरकार के साथ आखिरी समझौता करार करने वाला आखिरी राज्य जैसलमेर ही था।

सदियाँ बीत गईं, लेकिन जैसलमेर के स्मारक रेगिस्तान के तूफानों को झेलते हुए आज तक खड़े हैं। जैसलमेर सुंदर संस्कृति तथा कठोर वातावरण से युक्त जगह है, जो पर्यटकों पर अमिट छाप छोड़ जाते हैं। पुराना शहर पूरी तरह दीवार से घिरा था, लेकिन हाल ही में उसका काफी हिस्सा ढह गया। यहाँ किला, हवेली और गड़ीसर झील पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र हैं।

जैसलमेर किला

जैसलमेर के किले को सोनार किला या स्वर्ण किला भी कहते हैं। डूबता सूरज अपनी सुनहरी किरणों से इस किले को परीकथाओं के माहौल में डुबो देता है। यहाँ का महल संकुल, बारीक नक्काशीदार हवेलियाँ, अनगिनत मंदिर तथा सेना और व्यापारियों को कारोबार के मार्ग पर उचित जगह बनाए आवास। इसी रास्ते से प्राचीन काफिले गुजरते थे। यहाँ निर्मित भवनों का निर्माण ज्यादातर मुसलमान कारीगरों ने किया।

पुरानी हवेलियाँ

दीवान नाथमलजी की हवेली का निर्माण 19वीं सदी में हुआ। दो वास्तुकार भाइयों द्वारा इसका निर्माण किया गया। एक ने दाहिनी ओर तथा दूसरे ने बाईं ओर ध्यान दिया। नतीजा यह हुआ कि निर्माण के दौरान एक जैसी बाजू वाली इमारत तैयार हो गई। पीले सेंडस्टोन से तराशे दो हाथी हवेली की निगरानी करते हैं। वर्तमान में यह निजी संपत्ति है। दीवान सलीमसिंह की हवेली 18वीं शताब्दी में बनी, जिसका एक हिस्सा अभी भी आवास के रूप में इस्तेमाल होता है। इमारत पर सुंदर कमानयुक्त छत है और मोर के आकार की महीन नक ?काशी है। पटवों की हवेली आवासों का समूह है तथा जैसलमेर की सुंदर हवेलि ?यों में से एक है।

संग्रहालय

पुरातत्व शास्त्र तथा संग्रहालय विभाग द्वरा स्थापित यह स्थान जैसलमेर आने वाले पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण है। गड़सिसिर तालाब बारिश का पानी इकट्ठा करने के लिए महाराज गड़सी द्वारा 14वीं शताब्दी में इस तालाब का निर्माण किया गया। यहाँ से किसी जमाने में पूरे जैसलमेर को पानी की आपूर्ति होती थी। इसके आसपास अनेक पर्यटक स्थल, मंदिर और स्मारक हैं। सर्दी के मौसम में यहाँ जलपंछी आते हैं।

केरल में इन जगहों पर करें ट्रैकिंग

आप प्रकृति प्रेमी हैं और प्रकृति की गोद में समय बिताना चाहते हैं तो आपके लिए केरल सबसे अच्छा जगह है। अगर छुट्टी की योजना बना रहे हैं तो केरल में पर्यटकों के लिए बहुत कुछ है जैसे बीच (समुद्र तट) और जंगल के रंगबिरंगे प्राकृतिक नजारे। केरल में कई आकर्षण है जैसे पर्वत-पहाड़, घास के मैदानों, चाय के बगान और वन्यजीव। केरल में इन जगहों पर यात्रा कर आप जोश और उत्साह से भर जाएंगे। क्योंकि यहां कि प्राकृतिक सुंदरता को देखकर आपको काफी संतुष्टि और आनंद मिलता है। केरल में ट्रैकिंग का आनंद उठाने के इन जगहों पर जाया जा सकता है।

मुन्नार

मुन्नार केरल का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। मुन्नार में दक्षिणी भारत की सबसे ऊंची चोटी अनामुडी है जिसकी ऊंचाई लगभग 2695 मीटर है। यह चोटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के कारण ट्रैकिंग के लिए सही स्थान है। यहां ट्रैकिंग के रास्ते में इराविकुलम नेशनल पार्क है। यह अभयारण्य नीलगिरी की जाति को बचाने के लिए स्थापित किया गया था। मुन्नार में चाय की खेती सर्वाधिक रूप से की जाती है। वनों और हरे घास के मैदानों में नीलकुरंजी नामक फूल पाया जाता है। यह फूल बारह वर्षों में केवल एक बार पूरी पहाड़ी को नीला कर देता है। वन विभाग से अनुमति लेकर अनामुडी पर चढ़ाई की जाती है।

अगस्त्यकूडम

पश्चिमी घाट का शानदार चोटी अगस्त्यकूडम एक तीक्ष्ण शंकु के रूप में 1890 मी. की ऊंचाई पर स्थित है। बोनाकॉड से लगभग 61 किमी की दूरी तक ट्रैकिंग कर सकते हैं। इसके चारों ओर घने वन घिरे हैं। एक मान्यता के अनुसार यह चोटी ॠषि अगस्त्य का निवास स्थल हुआ करता था। इस शिखर यानी चोटी पर महिलाओं को चढ़ने की अनुमति नहीं है। इस चोटी पर दुर्लभ जड़ी-बूटियां तथा वनस्पतियां पाई जाती हैं। इसकी ढालों पर नीलकुरंजी के रंग-बिरंगे फूल खिलते हैं। नीलकुरंजी एक ऐसा फूल है जो बारह वर्षों में एक बार खिलता है।

चेंब्रा

चेंब्रा चोटी वायनाड जिले में मेप्पड्या शहर के पास स्थित है और यह इस जिले की सबसे ऊंची चोटी है। यह चोटी समुद्र स्तर से 2100 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह चोटी पश्चिमी घाटी का एक हिस्सा है। इस चोटी को वायनाड के किसी भी हिस्से से देखा जा सकता है। यह पर्यटकों का पसंदीदा ट्रैकिंग जगह है। कुछ जंगली जानवरों इस शिखर पर होते हैं। ट्रेकर को उन्हें देखने का मौका मिल सकता है।

चिम्मिनी

केरल के त्रिशूर जिले स्थित चेम्मिनी वन्यजीव अभयारण्य पक्षियों पर नजर रखने का सही ठिकाने है। ट्रेकर अभयारण्य के बाहरी इलाके से यात्रा कर सकते हैं। घने जंगलों के माध्यम से यात्रा करना जंगल प्रेमियों के लिए एक अच्छा विकल्प है। यहां पुंडा चोटी उच्चतम बिंदु है। चिम्मिनी में ट्रैकिंग कार्यक्रम वन विभाग द्वारा आयोजित किया जाता है। यहां अक्टूबर-मार्च यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय है।

पयथल माला

केरल के कन्नूर जिले में एक हिल स्टेशन पयथल माला स्थित है जो घने जंगलों से पूरे तरह घिरा हुआ है। यह पश्चिमी घाट का हिस्सा है। यहां पशुओं और पेड़-पौधों की कई विविध प्रजातियां पाई जाती हैं। इस क्षेत्र में पर्यटक 6 किमी. की दूरी तक चोटी से पहाड़ी पर ट्रैकिंग कर सकते हैं। पर्यटकों को घाटियों पर दिखने वाले अद्भूत नजारे प्राकृति शांति का अनुभव कराता है। यहां एक प्राचीन महल है जो पुराने जमाने के आदिवासी शासक (वैथलकॉन) के नाम पर है। इसी के नाम पर हिल स्टेशन पर स्थित है। पयथल माला को वैटल माला के नाम से भी जाना जाता है।

ताजनगरी आगरा में यह भी देखें

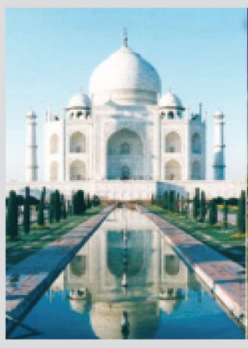

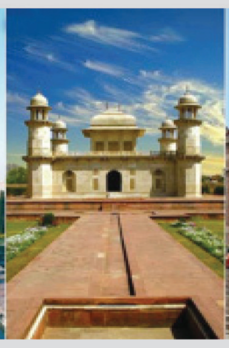

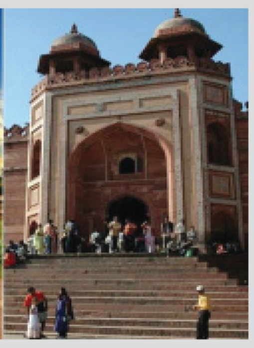

यमुना नदी के तट पर स्थित आगरा शहर को ताज नगरी भी कहा जाता है। दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताजमहल आगरा की पहचान है। आगरा उत्तर प्रदेश का तीसरा सबसे बड़ा शहर है। आगरा एक ऐतिहासिक नगर है। आगरा का इतिहास मुख्य रूप से मुगल काल से जाना जाता है। आगरा शहर को सिकंदर लोदी ने सन् 1506 ई. में बसाया था। आगरा मुगल साम्राजय की चहेती जगह थी। आगरा 1526 से 1658 तक मुगल साम्राज्य की राजधानी रहा। आज भी आगरा मुगलकालीन इमारतों जैसे ताज महल, लाल किला, फतेहपुर सीकरी आदि की वजह से एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है।

ताजमहल

ताजमहल शाहजहां की प्रिय बेगम मुमताज महल का मकबरा है। ताजमहल विश्व के सात अजूबे में से एक है। मुगल बादशाह शाहजहां ने अपनी बेगम मुमताज महल की याद में बनवाया था। इस स्मारक को बनाने में पूरे बाइस साल (1630-1652) लगे। सफेद संगमरमर से बना यह मकबरा वर्गाकार नींव पर आधारित है। यह खूबसूरत महल प्यार का प्रतीक माना जाता है। हर शुक्रवार को ताजमहल बंद रहता है।

फतेहपुर सीकरी

ताजमहल से लगभग 36 कि.मी दूर स्थित है फतेहपुर सीकरी। मुगल सम्राट अकबर ने फतेहपुर सीकरी बसाई थी। फतेहपुर सीकरी में अकबर ने सबसे ऊंची इमारत बुलंद दरवाजा बनवाया था जिसकी ऊंचाई भूमि से 280 फुट है। 52 सीढ़ियों पर चढ़ने के बाद दरवाजे के अंदर पहुंचा जा सकता है। यह लाल और बलुआ पत्थर से बना है। सूफी संत शेख सलीम चिश्ती की समाधि यहां है। यूनेस्को की विश्व विरासत स्थल में शामिल फतेहपुर सीकरी मुगल संस्कृति और सभ्यता के प्रतीक है।

आगरा किला

आगरा का एक अन्य विश्व धरोहर स्थल है आगरा का किला। आगरा का किला अकबर द्वारा 1565 में बनवाया गया था। बाद में उनके पौत्र शाहजहां ने इस किले का पुनरोद्धार लाल बलुआ पत्थर से करवाया। इस किले की मुख्य इमारतों में मोती मस्जिद, दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास, जहांगीर महल, खास महल, शीश महल एवं मुसम्मन बुर्ज आते हैं। जिसके प्राचीन वास्तुशिल्प को देखने हजारों पर्यटक देश-विदेश से आते हैं।

जामा मस्जिद

आगरा का जामा मस्जिद शाहजंहा की बेटी जहांआरा बेगम को समर्पित है। इस विशाल मस्जिद का निर्माण 1648 में हुआ था। लाल बलुआ पत्थर और छोटे सफेद संगमरमर से बना जामा मस्जिद बहुत सुंदर है। जामा मस्जिद से सूफी शेख सलीम चिश्ती की मजार पर नजर पड़ती है जो कलाकारी का अद्भुत नमूना है। जामा मस्जिद की नक्काशी बेहद खूबसूरत है। बुलंद दरवाजे से होते हुए जामा मस्जिद तक पहुंचा जा सकता है।